नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 173 | नई दिल्ली, मंगलवार 20 अगस्त 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 | इब्राहिम अली के साथ रिश्ते में हैं पलक तिवारी? पेज-12

एक नजर

कोलकाता कांड: गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को अपडेट भेजने का दिया आदेश

शिमला। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को हर दो घंटे में कानून एवं व्यवस्था की अपडेट भेजने का आदेश दिया है। अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इसका उद्देश्य कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर की हत्या से उत्पन्न होने वाली किसी भी संभावित अशांति को रोकना है। गृह मंत्रालय ने 16 अगस्त को सभी राज्य पुलिस प्रमुखों को कानून और व्यवस्था के बारे में लगातार अपडेट देने का निर्देश जारी किया ताकि गृह मंत्रालय देश भर में स्थिति पर बारीकी से नजर रख सके। साथ ही सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कर सके। कोलकाता की घटना के बाद, हिमाचल प्रदेश में हिमाचल मेडिकल ऑफिसर एसोसिएशन (एचएमओए) के आह्वान पर इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, डॉ. राजिंदर प्रसाद टांडा मेडिकल कॉलेज अस्पताल, कांगड़ा और अन्य मेडिकल कॉलेजों में गेट मीटिंग कर रहे डॉक्टरों की ओर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और बेहतर सुरक्षा की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं।

महाराष्ट्र: 200 फुट गहरी खाई में गिरा दूध का टैंकर, पांच लोगों की मौत, चार घायल

ठाणे। कसारा घाट खंड में दूध के एक टैंकर के खाई में गिर जाने से उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई। ठाणे ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार अपराह्न करीब तीन बजे तेज गति से आ रहा टैंकर लोहे के एक ह्यबैरियरह्व से टकराकर 200 फुट गहरी खाई में जा गिरा। शाहपुर उपखंड पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) मिलिंद शिंदे ने बताया, ह्यह्यटैंकर चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।ह्वह्व पुलिस अधिकारी के मुताबिक पांचों मृतक और चार घायल मुंबई जाने के लिए टैंकर पर सवार हुए थे। उन्होंने बताया कि पांच वर्षीय बच्चे समेत सभी घायलों को उपचार के लिए गोटी के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी 21 से 23 अगस्त तक पोलैंड और यूक्रेन के दौरे पर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताह दो देशों पोलैंड और यूक्रेन की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह यात्रा इस दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है कि वर्तमान में यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार कार्यभार संभालने के बाद पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा पर रूस गए थे। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तनमय लाल ने विदेश मंत्रालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में बताया कि पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताह 21 और 22 अगस्त को पोलैंड की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 45 साल बाद पोलैंड की यात्रा है। यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ भी मना रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह एक ऐतिहासिक यात्रा भी है, क्योंकि हमारे राजनयिक संबंध स्थापित होने के 30 से अधिक वर्षों में यह पहली बार होगा कि कोई भारतीय प्रधान मंत्री यूक्रेन का दौरा करेगा। यह यात्रा नेताओं के बीच हाल की उच्च स्तरीय बातचीत पर आधारित होगी। यूक्रेन संघर्ष पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में सचिव (पश्चिम) ने कहा कि भारत की इस पर बहुत स्पष्ट और सुसंगत स्थिति है कि कूटनीति और बातचीत ही संघर्ष को हल कर सकती है और इसी से स्थायी शांति हो सकती है। भारत का मानना है कि स्थायी शांति केवल दोनों पक्षों को स्वीकार्य विकल्पों के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है और इसके लिए बातचीत नितांत आवश्यक है।

बहनों ने भाईयों की कलाई पर बांधा प्यार का धागा

शहर से लेकर गांव तक रक्षाबंधन की रही धूम

नई दिल्ली। भाई बहन के स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर अपनी रक्षा का वचन लिया तो भाइयों ने बहनों को उपहार भेंट किये। रक्षाबंधन का त्योहार सोमवार को हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। सुबह से दोपहर तक हुई बारिश के बाबजूद बहनें अपने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधने के लिए घरों से निकल पड़ी। जिसके चलते बस एवं अन्य वाहनों मे भारी भीड़ रही। यात्रियों को बसों मे भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घरों में पकवान बनाए गए। बाजारों मे भी रौनक दिखाई दी। राखी और मिठाई की दुकानों पर शाम तक भारी भीड़ लगी रही।

बहनों ने भाई की कलाई पर स्नेह की राखी बांधी। भाईयों का प्रेम बहनों पर बरस पड़ा। बहन की रक्षा की शपथ ली। वहीं पुरोहितों ने यजमान को राखी बांधकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। तिरुपति बालाजी मंदिर कसया रोड में स्वामी राजनारायणाचार्य ने श्रद्धालुओं को राखी बांधकर रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया।

रक्षाबंधन पर दिन भर खूब चहल पहल रही। घर से लेकर हाट बाजार तक हर जगह उल्लास दिखाई दिया। पूर्णिमा की भोर में ही लोग उठ गए। घरों में साफ सफाई कर तैयारी की। स्नान ध्यान कर रक्षाबंधना की तैयारी की। अक्षत, रोली, मिठाई, राखी आदि एकत्रित कर थाली में सजा कर रख लिया। आचार्य के बताए अनुसार भद्रा की अवधि समाप्त होने की प्रतीक्षा करने लगीं। दोपहर 1:24 बजे भद्रा की अवधि पूरी हुई। 1:25 बजे से हाथों में थाल लिए बहनें भाई की प्रतीक्षा करने लगीं।

भाई भी सुबह से शुभ मुहुर्त की प्रतीक्षा करते करते आतुर हो चले थे। तय समय पर बहनों के घर भाई पहुंच गए। सामने भाई को देख बहनें प्रफुल्लित हो उठीं। उन्हें आदर सहित आसन दिया। प्रेमपूर्वक भाई को जल पान कराया। मायके का कुशल क्षेम पूछा। घर के साथ आसपड़ोस की कुशलता के बारे में भी उत्साहित होकर जानकारी ली। इसके बाद पूरब रुख की ओर भाई को बिठाकर माथे पर रोली, अक्षत व दही का टीका लगाया। हाथ में राखी उठाई और बड़े ही मान से भाई की कलाई पर राखी बांध दी।

इस पर भाई का प्रेम की रसधार बह चली। भावुक भाई की आंखे नम हो गई। बड़े भाईयों ने बहन के सिर पर हाथ रखकर आशीष दिया। वहीं छोटों ने बहन के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। बहन की रक्षा की शपथ लेकर भाई ने त्योहार की मयार्दा को पूरा किया। वहीं कुछ बहनों ने मायके पहुंचकर भाईयों को राखी बांधी। सभी से मिलकर कुशल क्षेम जाना। यह क्रम देर शाम तक चलता रहा। जगह जगह पुरोहितों ने यजमान को राखी बांधकर रक्षाबंधन मनाया। शहर के तिरुपति बालाजी मंदिर कसया रोड में रक्षाबंधन पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। यहां स्वामी राजनारायणाचार्य ने श्रद्धालुओं को राखी बांध आशीर्वाद दिया।

बच्चों में दिखा राखी का उत्साह

रक्षाबंधन पर सबसे अधिक प्रसन्नता छोटे बच्चों में दिखाई दी। नन्हे मुन्ने भाई बहनों के बीच राखी बंधवाने और बांधने को लेकर खूब उत्साह दिखाई दिया। नन्हीं बहनों को भाई की ओर से माता पिता ने उपहार दिया। इसे पाकर बहनें खूब खुश हुईं। माता पिता भी इस क्षण का आनंद उठाने में पीछे नहीं रहे।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अपने-अपने आवास पर रक्षाबंधन का त्योहार स्कूली बच्चों के साथ मनाया।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से इसकी वीडियो और तस्वीरें साझा की गई हैं। इसमें बच्चे उन्हें राखी बांध रहे हैं। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में देश भर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों और विद्यार्थियों के साथ रक्षा बंधन मनाया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज रक्षाबंधन दिल्ली में अपने आधिकारिक आवास 7 लोककल्याण मार्ग पर मनाया। उन्होंने स्कूली लड़कियों के साथ विशेष उत्सव की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा, अपने युवा दोस्तों के साथ रक्षा बंधन मनाकर खुशी हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी वीडियो में वे बच्चों के साथ मिल रहे हैं और संवाद कर रहे हैं। एक छात्रा ने पूछा कि आपने हमें विकसित भारत का सपना दिखाया। हमें इसके लिए क्या करना चाहिए। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें स्वस्थ्य रहना चाहिए, स्वच्छता रखनी चाहिए। स्वच्छता से समाज स्वस्थ होता है। देश के लिए हम क्या कर सकते हैं, अगर हम कर सकते हैं तो भलाई का काम करें। रक्षा बंधन, जिसे आमतौर पर राखी के नाम से जाना जाता है, एक पारंपरिक हिंदू त्योहार है, जो भाइयों और बहनों के बीच प्यार और बंधन को समर्पित है।

विधानसभा चुनाव में भाजपा से लोगों के गुस्से का मिलेगा लाभ : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने चार राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस महासचिवों, प्रभारियों और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें इन राज्यों की चुनावी रणनीति को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बैठक के बाद कहा कि पार्टी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है और आज की बैठक पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में हुई।

उन्होंने कहा कि माहौल कांग्रेस और इंडिया समूह के पक्ष में और इन विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन को इसका पूरा लाभ मिल सकता है इसी बारे में पार्टी की चारों प्रदेशों के प्रभारी महासचिवों और स्क्रीनिंग कमेटी की सदस्यों की बैठक बुलाई गई।

राहुल गांधी ने की उबर की सवारी

गिग वर्कर्स के लिए न्याय का आह्वान किया

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस की राज्य सरकारें गिग वर्कर्स के लिए ठोस नीतियां बनाकर न्याय सुनिश्चित करेंगी तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) संघर्ष के साथ इन नीतियों का देशव्यापी विस्तार सुनिश्चित करेगा।

'गिग वर्कर्स' उन श्रमिकों को कहा जाता है जिनका काम अस्?थायी होता है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उबर कैब की सवारी का एक वीडियो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया जिसमें वह

वाहन चालक सुनील उपाध्याय से उनके अनुभव एवं परेशानियों के बारे में जानकारी लेते देखे जा सकते हैं।

राहुल गांधी ने कहा, 'आमदनी कम और महंगाई से निकलता दम झ यह है भारत के गिग वर्कर्स की व्यथा। सुनील उपाध्याय जी के साथ एक उबर यात्रा के दौरान चर्चा में और फिर उनके परिवार से मिल कर देश के कैब ड्राइवर और डिलेवरी एजेंट जैसे गिग वर्कर्स की समस्याओं का जायजा लिया।"

उन्होंने कहा कि "हैंड टू माउथ इनकम" (किसी तरह गुजारे लायक आमदनी) में इनका गुजारा तंगी से चल रहा है तथा न कोई बचत होती है और न ही परिवार के भविष्य का कोई आधार है।

कांग्रेस नेता ने कहा, "इनकी समस्या के समाधान के लिए कांग्रेस की राज्य सरकारें ठोस नीतियां बना कर न्याय करेंगी और 'इंडिया' गठबंधन पूरे संघर्ष के साथ इन नीतियों का देशव्यापी विस्तार सुनिश्चित करेगा।"

भाजपा ने चिकित्सक बलात्कार-हत्या मामले में ममता का इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 'बेशर्म' बताया और उनके इस्तीफे की मांग की। साथ ही पार्टी ने आरोप लगाया कि कोलकाता में एक चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के दोषियों को बचाने के लिए उनके इशारे पर अहम सबूत नष्ट कर दिए गए।

पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं की भी आलोचना की और उन्हें 'राजनीतिक गिद्ध' करार दिया। पार्टी ने यह आरोप भी लगाया कि उन्होंने भाजपा शासित राज्यों सहित देश के विभिन्न हिस्सों में सामने आए ऐसे मामलों से इसकी तुलना कर प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले को 'सामान्यीकृत' कर दिया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "ममता बनर्जीङ्घ 'ममता विध्वंसक' हैं। अपने कार्यों से उन्होंने एक महिला और एक चिकित्सक, जो समाज की सेवा कर रही थी, की गरिमा को नष्ट कर दिया। ममता बनर्जी कानून के शासन और संविधान की विध्वंसक हैं।"

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने सामूहिक बलात्कार और चिकित्सक की हत्या की 'संभावना' की त्वरित जांच सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए बल्कि उन्होंने जघन्य अपराध के अहम सबूत नष्ट करवाए।

भाटिया ने कहा, "और विध्वंसकङ्घ बेशर्म ममता की बेशर्मी देखिए। उन्होंने कोलकाता में एक मार्च निकाला जबकि पूरा देश बलात्कार और हत्या की वीभत्स घटना से शर्मिंदा था ङ्घ उन्हें (मुख्यमंत्री पद से) तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।"

दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बाहर डॉक्टरों का प्रदर्शन, ओपीडी भी लगाई

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के रेजिडेंट डॉक्टर आरजी कर मेडिकल कॉलेज के साथ एकजुटता दिखाते हुए आज यहां निर्माण भवन के समक्ष विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इनकी मांग है कि स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम (सीपीए) को शीघ्र लागू किया जाए । प्रदर्शनकारी डॉक्टर नारे लगा रहे हैं, ह्लहमें क्या चाहिए, क्या चाहिए, हमें न्याय चाहिए, न्याय चाहिए।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला डॉक्टर के साथ हुई दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद से ही देशभर में आक्रोशित डॉक्टरों की तीखी प्रतिक्रिया मिल रही है। देशभर के चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी इसके खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं। इसी क्रम में दिल्ली में भी डॉक्टर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कार्यालय निर्माण भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका प्रदर्शन जारी है।

आज एम्स दिल्ली के प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने घोषणा की है कि वे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय कार्यालय के बाहर ओपीडी रखेंगे। वे अपनी चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल के हिस्से के रूप में निर्माण भवन के बाहर वैकल्पिक ओपीडी सेवाएं प्रदान करेंगे और लोगों की मुफ्त में स्वास्थ्य संबंधित समस्या सुनेंगे।

सावन के अंतिम सोमवार पर शिव मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

वाराणसी/लखनऊ, एजेंसी। सावन के पांचवें और अंतिम सोमवार को पूरे प्रदेश में शिव मंदिरों के बाहर भक्तों की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को भक्तों के लिए सजाया गया था जहां सूर्योदय से पहले ही श्रद्धालु कतारों में लगने लगे थे।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने बताया कि सुबह नौ बजे तक करीब एक लाख श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किये। सावन के अंतिम सोमवार पर बाबा के दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया।

मंदिर प्रशासन ने बताया कि रविवार रात से ही बाबा के दर्शन के लिए भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लगनी शुरू हो गयी थीं और यह क्रम अभी तक जारी है। मंदिर प्रशासन ने बताया कि सावन के अंतिम सोमवार पर काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा का झूला श्रृंगार किया गया।

लखनऊ के मनकामेश्वर मंदिर में भी भक्त जल चढ़ाने के लिए कतारबद्ध होकर अपनी-अपनी बारी आने का इंतजार करते दिखे।

कमल कांत शर्मा ने सुबह मनकामेश्वर मंदिर में दर्शन करने के बाद कहा, ह्यह्यसावन के सभी सोमवार शुभ माने जाते हैं, लेकिन यह सोमवार सावन महीने का आखिरी सोमवार होने के कारण विशेष महत्व रखता है। हम यहां भगवान से आशीर्वाद लेने आए हैं।

प्रयागराज, बरेली और अन्य जिलों में भी शिव मंदिरों के बाहर इसी तरह की कतारें देखी गईं। उप्र के हर जिले का स्थानीय प्रशासन सतर्क दिखा। मंदिरों में भक्तों की भीड़ को प्रबंधित करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी।

केंद्र ने उच्चतम न्यायालय में 'तीन तलाक' पर 2019 के कानून का बचाव किया

नई दिल्ली, एजेंसी। 'तीन तलाक' को अपराध बनाने वाले 2019 के कानून का बचाव करते हुए केंद्र ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि यह प्रथा विवाह की सामाजिक संस्था के लिए "घातक" है।

कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में दाखिल हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा है कि शीर्ष अदालत द्वारा 2017 में इस प्रथा को खारिज करने के बावजूद, यह समुदाय के सदस्यों के बीच "इस प्रथा से तलाक की संख्या को कम करने में पर्याप्त निवारक के रूप में काम नहीं कर पाया है।"

इसमें कहा गया, "संसद ने अपने विवेक से, तीन तलाक से पीड़ित विवाहित मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए उक्त कानून पारित किया।"

हलफनामे में कहा गया, "यह कानून विवाहित मुस्लिम महिलाओं के लिए लैंगिक न्याय और लैंगिक समानता के व्यापक संवैधानिक लक्ष्यों को सुनिश्चित करने में मदद करता है तथा गैर-भेदभाव और सशक्तीकरण के उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा करने में मदद करता है।"

उच्चतम न्यायालय ने 22 अगस्त 2017 को एक बार में कहकर दिए जाने वाले तीन तलाक (तलाक-ए-बिद्दा) को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। उच्चतम न्यायालय 23 अगस्त 2019 को मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 की वैधता का परीक्षण करने के लिए सहमत हो गया।

कानून का उल्लंघन करने पर तीन साल तक की कैद हो सकती है। दो मुस्लिम संगठनों जमीयत उलमा-ए-हिंद और समस्त केरल जमीयतुल उलेमा ने अदालत से कानून को "असंवैधानिक" घोषित करने का आग्रह किया है।

जमीयत ने अपनी याचिका में दावा किया कि "एक विशेष धर्म में तलाक के तरीके को अपराध घोषित करना, जबकि अन्य धर्मों में विवाह और तलाक के विषय को केवल नागरिक कानून के दायरे में रखना, भेदभाव को जन्म देता है, जो अनुच्छेद 15 की भावना के अनुरूप नहीं है।"

स्वास्थ्य मंत्रालय के बाहर डॉक्टरों ने सड़क पर लगाया ओपीडी, दिल्ली में 8वें दिन भी प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता के सरकारी मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के मामले में डॉक्टरों की हड़ताल का आज आठवां दिन है। एम्स और दिल्ली के अन्य अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर 19 अगस्त से निर्माण भवन में स्वास्थ्य मंत्रालय के सामने सड़क पर मुफ्त ओपीडी सेवाएं दे रहे है। वहीं, अस्पतालों में आपातकालीन सेवाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। दिल्ली के निर्माण भवन के बाहर डॉक्टर्स प्रोटेस्ट कर रहे हैं वहीं इसी बीच सुरक्षा को लेकर भारी संख्या में दिल्ली पुलिस के जवान भी मौजूद नजर आ रहे हैं। 36 तरह की वैकल्पिक ओपीडी सेवाएं रहेंगी उपलब्ध -एम्स आरडीए हालांकि एम्स आरडीए ने ऐलान किया है कि वे आज स्वास्थ्य मंत्रालय के कार्यालय के बाहर निर्माण भवन पर सड़क पर ओपीडी सेवाएं देंगे। इसमें मेडिसिन, गायनी, सर्जरी, बाल चिकित्सा, नेत्र विज्ञान, हड्डी रोग समेत लगभग 36 तरह की वैकल्पिक ओपीडी सेवाएं उपलब्ध होंगी। ये सभी ओपीडी सेवाएं मुफ्त होंगी। वहीं, सभी आरडीए के साथ बैठक करके सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट (सीपीए) एक्शन कमेटी ने प्रदर्शन और हड़ताल को मांगें पूरी न होने तक जारी रखने का निर्णय लिया है। सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट कानून बनाए जाने की मांग प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों का कहना है कि जब तक हमें केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम के माध्यम से अस्पतालों में पर्याप्त सुरक्षा का आश्वासन नहीं दिया जाता है, तब तक सड़क पर ओपीडी सेवाएं देंगे। इसी क्रम में आज दिल्ली के निर्माण भवन के बाहर हजारों की संख्या में दिल्ली के अलग-अलग अस्पताल के डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया है और सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट कानून बनाए जाने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर का कहना है कि जब तक इस कानून को लागू नहीं किया जाता तब तक हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। 12 अगस्त से दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों के रेजीडेंट डॉक्टर हैं हड़ताल पर डॉक्टरों ने रविवार को भी कनॉट प्लेस में राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से जागरूकता मार्च निकाला था। बता दें कि 12 अगस्त से दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों के रेजीडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। इस दौरान अस्पतालों में ओपीडी, इलेक्टिव सर्जरी और लैब की सेवाएं बंद चल रही हैं, जिससे मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मरीज अस्पताल पहुंचकर बिना इलाज के घर वापस लौट रहे हैं। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में प्रतिदिन 40 हजार से ज्यादा मरीज ओपीडी में कराते हैं इलाज हालांकि, इमरजेंसी सेवाएं अस्पताल में चालू रखी गई हैं। लेकिन इमरजेंसी सेवाएं भी पूरी क्षमता के साथ काम नहीं कर रही हैं। दिल्ली एम्स व जीटीबी अस्पताल ने अपने रेजिडेंट डॉक्टरों को काम पर वापस लौटने के लिए मेमोरेंडम भी जारी किया है। लेकिन इसकी परवाह न करते हुए रेजिडेंट डॉक्टर लगातार हड़ताल पर डटे हुए हैं। इससे मरीजों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। बता दें कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में प्रतिदिन 40 हजार से ज्यादा मरीज ओपीडी में इलाज कराने के लिए आते हैं। लेकिन, अस्पतालों में एक सप्ताह से चल रही हड़ताल के कारण मरीजों को दर दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। उन्हें सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में इलाज नहीं मिल रहा है। निर्माण भवन के बाहर प्रदर्शन कर रही महिला डॉक्टरों नें सुरक्षा को लेकर जताई चिंता निर्माण भवन के बाहर प्रदर्शन कर रही महिला डॉक्टरों ने बताया कि हर बार डॉक्टर के साथ हिंसा होती है।

हद तब हो जाती है जब एक अस्पताल के अंदर ही ट्रेनिंग डॉक्टर के साथ दुष्कर्म किया जाता है। उसके बाद उसकी हत्या कर दी जाती है। लेकिन अभी भी अपराधी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है सीबीआई जांच के आदेश दे दिए हैं सीबीआई जांच कब तक पूरी होगी इसका भी कोई मालूम नहीं है। लेकिन हमारी मांग है कि डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर केंद्रीय प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए जब तक यह कानून लागू नहीं होगा तब तक हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। काली राखी बांधकर विरोध दिखा रहे एम्स के डॉक्टर रेजिडेंट डॉक्टरों की जारी हड़ताल के बीच फैकल्टी एसोसिएशन ऑफ एम्स ने आज रक्षाबंधन के दिन काली राखी बांधकर विरोध जताने का निर्णय लिया है। एसोसिएशन के पदाधिकारी डॉक्टर अमरिंदर सिंह मल्ही का कहना है कि हम कोलकाता रेप व मर्डर का शिकार हुई अपनी बहन ट्रेनी डॉक्टर की रक्षा नहीं कर सके। इसके विरोध में हम लोग आज काली राखी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे। राखी भाई-बहन के बीच रक्षा सुरक्षा का एक बंधन है। इसलिए हम सभी डॉक्टर्स, नर्सेज और पैरामेडिकल स्टाफ आज काली राखी बांधेंगे।

स्कूली बच्चों ने उप राज्यपाल को राखी बांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजनिवास में सोमवार को रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। इस मौके पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना को राखी बांधी। इस मौके पर उप राज्यपाल ने बच्चों और उनके साथ आए शिक्षकों से कहा कि अब वे उनके परिवार का हिस्सा हैं और उनकी खुशहाली को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

नशा मुक्ति केंद्रों में जबरन किसी को नहीं रखा जाए: हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस समेत अन्य अधिकारियों को नशा मुक्ति केंद्रों में लोगों के अनैच्छिक प्रवास की जांच करने को कहा। अदालत ने कहा कि औचक निरीक्षण कर देखा जाए कि कोई जबरन तो नहीं रखा गया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम के संबंध मंक प्रवेश रजिस्टर की जांच करने के निर्देश दिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी मरीज अपनी इच्छा के विपरीत नशा मुक्ति केंद्र में न रहे। अदालत ने यह आदेश एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि उसके दोस्त को उसकी पत्नी ने जबरन नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था और किसी भी व्यक्ति को उससे मिलने या उसके संपर्क में रहने की अनुमति नहीं दी गई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि केंद्र में कई ऐसे व्यक्ति हैं। नशा मुक्ति केंद्र के वकील ने दावा किया कि याचिकाकर्ता के दोस्त को स्वेच्छा से प्रवेश दिया गया था।

रिकॉर्ड तोड़ बारिश में भी सूखे रह गए दिल्ली के चार जिले

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में इस बार जोरदार मानसूनी बारिश हो रही है। अगस्त में 11 साल बाद इतनी ज्यादा बारिश हुई है। इसके बावजूद दिल्ली के नौ में से चार जिले सूखे रह गए हैं। इन चारों जिलों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है, जबकि अन्य जिलों में सामान्य से 68 फीसदी तक ज्यादा बारिश हुई है।

ज्ञात हो कि मौसम विभाग ने दिल्ली को नौ जिलों में बांट रखा है। राजधानी में इस बार मानसून का आगमन 28 जून को हुआ और इस दिन इतनी भारी बारिश हुई कि 88 सालों का रिकॉर्ड टूट गया। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में इस दिन 228 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी। इसके बाद से दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में बारिश का आंकड़ा अच्छा ही रहा है। सफदरजंग में अगस्त में कुल मिलाकर 240.2 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो कि सामान्य से 65 फीसदी ज्यादा है। वर्ष 2013 में पूरे अगस्त में 321.4 मिलीमीटर बारिश हुई थी।

यहां सामान्य से कम बारिश:

जिले का नाम---सामान्य बारिश-इस बार बारिश—कितना कम
मध्य दिल्ली---463.3 मिमी---419.7 मिमी--- नौ फीसदी कम
दक्षिणी दिल्ली---463.3 मिमी---359.0 मिमी---23 फीसदी कम
पश्चिमी दिल्ली---415.5 मिमी---380.8 मिमी----आठ फीसदी कम
उत्तरी पूर्वी दिल्ली---463.3 मिमी---439.1 मिमी---पांच फीसदी कम

इन जिलों में सामान्य से ज्यादा बारिश:

जिले का नाम---सामान्य बारिश-इस बार बारिश—कितना ज्यादा
उत्तरी दिल्ली---390.1 मिमी---654.4 मिमी----68 फीसदी ज्यादा
उत्तरी पश्चिमी दिल्ली---268.5 मिमी---462.8 मिमी---66 फीसदी ज्यादा
नई दिल्ली----429.7 मिमी---569.4 मिमी---33 फीसदी ज्यादा
पूर्वी दिल्ली---463.3 मिमी---543.4 मिमी---17 फीसदी ज्यादा
दक्षिणी पश्चिमी दिल्ली---373.6 मिमी---410.1 मिमी---10 फीसदी ज्यादा
समग्र दिल्ली---375.2 मिमी---435.3 मिमी---16 फीसदी ज्यादा
(नोट: ये आंकड़े मौसम विभाग के एक जून से 19 अगस्त तक के हैं)

बारिश के इन जोरदार आंकड़ों के बावजूद दिल्ली के नौ में से चार जिले बादलों की मेहरबानी से वंचित रह गए हैं। इन चारों जिलों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है। साउथ दिल्ली में सामान्य से 23 फीसदी, सेंट्रल दिल्ली में सामान्य से नौ फीसदी, वेस्ट दिल्ली में सामान्य से आठ फीसदी और नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में सामान्य से पांच फीसदी कम बारिश हुई है।

15-20 किलोमीटर की दूरी में ही दिख रहा अंतर:

दिल्ली के अलग-अलग जिलों में स्थित इन मौसम केंद्रों में मुश्किल से 15-20 किलोमीटर की दूरी है। इतनी कम दूरी में ही बारिश के आंकड़ों में यह अंतर देखने को मिल रहा है। मौसम निगरानी संस्था स्काईमेट के वैज्ञानिक महेश पालावत बताते हैं कि समग्र तौर पर तो दिल्ली में अच्छी बारिश हुई है, लेकिन इस दौरान छोटे टुकड़े में होने वाली बारिश (पैची रेन) की घटनाएं भी कई बार हुई है। इसके चलते अलग-अलग जगहों पर बारिश के आंकड़ों में अंतर है।

दिल्ली में बच्चे की नाले में डूबने से मौत को लेकर वीरेन्द्र सचदेवा ने आप सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 19 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली के अशोक विहार में 9 साल के बच्चे की नाले में डूबने से हुई मौत मामले पर दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार में कोई सुरक्षित नहीं है। कल एक 9 साल का बच्चे की नाले में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। बच्चा घर से डूसिब टॉयलेट ब्लाक जाने के लिए निकला था। इस दौरान नाले में डूबने से उसकी मौत हो गई। जिस नाले में वह डूबा वह डीएसआईडीसी का है और उसका रख-रखाव दिल्ली नगर निगम की जिम्मेदारी है। दोनों ही नागरिक सुरक्षा में लापरवाह हैं। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा," जुलाई से लेकर अगस्त तक ऐसे 20 से 22 मामले हो चुके हैं। जलभराव के कारण तो कभी करंट के कारण, कभी सड़क दुर्घटना के कारण लोगों की मृत्यु हुई है। लेकिन दिल्ली की मंत्री आतिशी जिम्मेदारी सिर्फ अफसर पर डालेंगी। खुद जिम्मेदारी नहीं लेती हैं। उनके सारे मंत्री, विधायक भत्ता लेंगे, पैसा लेंगे, बंगला लेंगे, गाड़ी लेंगे लेकिन काम नहीं करेंगे। सिर्फ भ्रष्टाचार करेंगे।" उन्होंने कहा, "अरविंद केजरीवाल सरकार की अकर्मण्यता एवं जलजमाव पर योजना ना बनाये जाने के चलते दिल्ली में इस वर्ष मानसून के दौरान जलजमाव एवं ओवरफलो नालों में डूबने की अप्रत्याशित रूप से अधिक दुर्घटनाएं देखी जा रही है। दिल्ली की मंत्री आतिशी, महापौर डॉ. शैली ओबरॉय और हाल में जेल से जमानत पर छूटे मनीष सिसोदिया दिल्ली ही नहीं, देश के हर मुद्दे पर बयानबाजी करते हैं।

खुले ड्रेन में मिली बच्चे की लाश, खेलते वक्त हुआ था लापता

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सरकारी तंत्र और प्रशासन की लापरवाही को एक बार फिर से उजागर किया है। अशोक विहार थाना इलाके के वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में 7 साल के बच्चे की नाले में डूब कर मौत हो गई। दरअसल बच्चा घर के बाहर ही बने खुले नाले में शौच के लिए गया था। रविवार सुबह बच्चे को घर के बाहर ही देखा गया उसके बाद से बच्चा लापता हो गया। परिजन पुलिस को शिकायत देने के बाद अलग-अलग जगह पर बच्चों को तलाश करते रहे लेकिन देर रात बच्चे को पास के लोगों ने नाले में देखा जहां वह बच्चा शौच के लिए जाता था। स्थानीय लोगों के मुताबिक वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में इस तरीके से कई जगहों पर नाले खुले हुए हैं, जहां पहले भी हादसे हो चुके हैं। इस जगह पर पत्थर लगाकर नाले को बंद भी नहीं किया गया था। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल, रक्षाबंधन पर बहन-भाई अलग हो गए बच्चे के शव को नाले से बाहर निकाला गया। ये देखकर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। परिवार के मुताबिक घर का इकलौता बच्चा रक्षाबंधन से पहले ही अपनी बहन से जुदा हो गया। छोटी बहन ने अपने भाई के लिए जो राखी खरीदी थी वो अब भाई की कलाई को तलाश रही है। बच्चे की मां जानकी ने बताया कि अक्सर यहां नाले की सफाई करने वाले कर्मचारी आते हैं तो उनसे कई बार कहा गया कि नाले को ढक दो, लेकिन आज तक कभी उन्होंने ढक्कन नहीं लगाया।

पीड़ित मां के मुताबिक नाला ढक्कन से ढका होता तो आज उसका प्रिंस बच जाता।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिम) जितेंद्र मीना ने बताया कि रविवार को गुमशुदगी की शिकायत मिलने के तुरंत बाद तलाशी अभियान चलाया गया। बताया जाता है कि तलाशी अभियान के दौरान ही किसी ने पुलिस को सूचना दी कि प्रिंस एक ड्रेन के पास खेलता हुआ देखा गया था।

मानसून में बुनियादी ढांचा पूरी तरह चरमराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को इस मानसून में "नागरिक बुनियादी ढांचे के पूरी तरह चरमरा जाने" के कारण हुई मौतों के बाद वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षणों के बारे में मासिक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव को लिखे एक पत्र में सक्सेना के प्रधान सचिव आशीष कुंद्रा ने कहा कि उपराज्यपाल ने सलाह दी है कि वरिष्ठ अधिकारियों को उनके क्षेत्राधिकारी के अंतर्गत आने वाली सेवाओं के निर्धारित निरीक्षण के लिए एक संस्थागत तंत्र स्थापित करना चाहिए।" पत्र में कहा गया है, "इससे उन्हें नागरिकों के समक्ष आ रही मुख्य समस्याओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने तथा सुधारात्मक नीति या नियामक उपाय करने में मदद मिलेगी। मुख्य सचिव सभी विभागों को निरीक्षण रिपोर्ट का एक समान प्रारूप प्रसारित करेंगे तथा प्रत्येक अधिकारी द्वारा किए गए निरीक्षणों की संख्या के बारे में मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।" कुंद्रा ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी राष्ट्रीय राजधानी में नालों की सफाई के मामले को गंभीरता से लिया है और कड़ी टिप्पणियां की हैं। उन्होंने कहा, वर्षों से नालों की सफाई नहीं की गई है, सीवर लाइन जाम हैं, जिससे नियोजित कॉलोनियों में भी बाढ़ आ रही है।" कुंद्रा के पत्र में कहा गया है कि उपराज्यपाल सक्सेना के अनुसार, यह सब शहर में वरिष्ठ अधिकारियों की पूर्ण अनदेखी की ओर इशारा करता है। कुंद्रा ने इस मुद्दे पर उपराज्यपाल के निदेर्शों को साझा करते हुए कहा कि सभी विभागाध्यक्षों (एचओडी), सचिवों, प्रमुख सचिवों या अतिरिक्त मुख्य सचिवों को क्षेत्रीय निरीक्षणों की एक अनुसूची तैयार करने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि सभी परिसंपत्तियों या क्षेत्रों का गहन निरीक्षण किया जाए।

पंजाब में विहिप नेता बग्गा की हत्या में हथियार मुहैया करवाने का आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल व एनआईए की संयुक्त टीम ने पंजाब में रोपड़ जिले के नंगल में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता की हत्या में हथियार मुहैया करवाने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान लुधियाना निवासी धरमिन्दर कुमार उर्फ कुणाल (22) के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि विश्व हिंदू परिषद के नेता विकास प्रभाकर उर्फ विकास बग्गा की हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियारों को इसने मध्य प्रदेश से खरीद कर आरोपितों को दिया था। उसके बाद आरोपितों ने 13 अप्रैल 2024 को विकास बग्गा की गोली मार हत्या की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच मई 2024 में एनआईए को सौंपी गई थी। एनआईए लंबे समय से आरोपित की तलाश कर रही थी। इसी बीच स्पेशल सेल को सूचना मिली कि आरोपित लुधियाना में छुपा हुआ है। मामले की जानकारी एनआईए को दी गई। उसके बाद संयुक्त टीम ने सूचना को पुख्ता कर आरोपित को लुधियाना से गिरफ्तार किया। जांच में पता चला है कि आरोपित पहले से हथियार आपूर्ति में शामिल रहा है और उसके खिलाफ मध्य प्रदेश और पंजाब में आर्म्स एक्ट के दो केस दर्ज हैं। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि अप्रैल 2024 में जेल से रिहा होने के बाद वह सोशल मीडिया के जरिए मध्य पूर्वी देश में रहने वाले एक व्यक्ति के संपर्क में आया, जिसने उसे हथियारों का इंतजाम करने का निर्देश दिया। फिर उसने मध्य प्रदेश से हथियार खरीदे और हमलावरों को सप्लाई किए।

एक नजर

वन विभाग ने रजोकरी में 150 झुग्गियों को नोटिस दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रजोकरी गांव के रामदेव डेरा के रहने वाले 150 परिवारों को वन विभाग की तरफ से घर हटाने और ध्वस्तीकरण का नोटिस दिया गया है। लोगों का कहना है कि वह बीते 30 सालों से भी अधिक समय से यहां रह रहे हैं। इससे पहले उन्हें दिल्ली सरकार द्वारा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मेरा घर के तौर पर भी चिह्नित किया गया है। बिजली कनेक्शन, सड़क, पानी समेत सभी सरकारी सुविधाएं दी जा रही है। ऐसे में अचानक उन्हें अवैध कब्जेदार बताया जा रहा है। सभी परिवारों ने मिलकर पटियाला हाउस कोर्ट में मामले से संबंधित आवेदन दिया है।

जेएनयू में भूख हड़ताल जारी, छात्रों की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में जेएनयू छात्र संघ की ओर से जारी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल 8वें दिन भी जारी रही। सोमवार को दो छात्रों की तबीयत खराब हो गई। इन्हें जेएनयू के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। बाद में उन्हें एम्स में रेफर किया गया, लेकिन छात्रों ने इलाज कराने से इनकार कर दिया। जेएनयू के छात्रों की मांग है कि कैंपस में बुनियादी सुविधाएं बढ़ाई जाएं।

जेएनयू प्रशासन का कहना है कि भूख हड़ताल करने वाले छात्रों ने उपचार कराने से इनकार कर दिया है। ऐसे में इनके माता-पिता को जानकारी दी गई है। छात्र मेरिट-कम-मीन्स (एमसीएम) छात्रवृत्ति को बढ़ाकर कम से कम 5,000 रुपये करने, बराक छात्रावास को खोलने और मुख्य प्रॉक्टर कार्यालय (सीपीओ) नियमावली को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। इसके तहत परिसर में विरोध-प्रदर्शन करने पर 20,000 रुपये तक का जुमार्ना लगाया जाता है।

हम केंद्र सरकार की तानाशाही के सामने झुकने वाले नहीं : आप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने कहा कि जनता की सेवा के लिए जेल जाना तो बहुत छोटी बात है हम देश के लिए जान तक देने के लिए तैयार हैं और हम केंद्र सरकार की तानाशाही के सामने झुकने वाले नहीं हैं। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री इमरान हुसैन ने आज यहां छतरपुर विधानसभा में कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि अभी तक हम 20 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर कार्यकर्ता सम्मेलन का सफल आयोजन कर चुके हैं। इस दौरान हमारे स्थानीय विधायक अपने साढे चार साल के कामों का ब्यौरा जनता के सामने रख चुके हैं।

श्री हुसैन कहा कि हम जनता के बीच जाकर अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाने के साथ-साथ भाजपा के षडयंत्र के बारे में भी लोगों को बता रहे हैं। हम लोगों को बता रहे हैं कि किस तरीके से केंद्र सरकार ने षड्यंत्र रचकर हमारे शीर्ष नेतृत्व को जेल के अंदर बंद किया। ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करते हुए मोदी सरकार ने सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और हमारे नेता अरविंद केजरीवाल को जेल में बंद दिया। ईडी और सीबीआई अभी तक एक भी सबूत कोर्ट में पेश नहीं कर पाई है। भाजपा ने बिना किसी सबूत के अरविंद केजरीवाल को अभी भी जेल के अंदर बंद कर रखा है। मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलना भाजपा के मुंह पर करारा तमाचा है।

डीयू के छात्रों ने सांप्रदायिक सौहार्द की राखी बांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कई विद्यार्थियों ने सोमवार को पुरानी दिल्ली स्थित जामा मस्जिद में मुस्लिम पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित राहगीरों को राखी बांधकर रक्षाबंधन मनाया। संप्रदायिक सौहार्द की राखी बांधो कार्यक्रम का आयोजन क्रांतिकारी युवा संगठन के सदस्यों द्वारा किया गया था। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का संगठन है। केवाईएस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि देश में सांप्रदायिक माहौल को देखते हुए हम लोग राखी बांधकर लोगों के बीच सांप्रदायिक सौहार्द, कौमी एकता, शांति और आपसी विश्वास बनाने की बात रखी है।

विधानसभा चुनाव में भाजपा से लोगों के गुस्से का मिलेगा लाभ : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने चार राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस महासचिवों, प्रभारियों और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें इन राज्यों की चुनावी रणनीति को लेकर विचार-विमर्श किया गया। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बैठक के बाद कहा कि पार्टी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है और आज की बैठक पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में हुई।

उन्होंने कहा कि माहौल कांग्रेस और इंडिया समूह के पक्ष में और इन विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन को इसका पूरा लाभ मिल सकता है इसी बारे में पार्टी की चारों प्रदेशों के प्रभारी महासचिवों और स्क्रीनिंग कमेटी की सदस्यों की बैठक बुलाई गई। कांग्रेस नेता ने कहा,भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगियों के खिलाफ जनता में स्पष्ट गुस्सा है और हमें विश्वास है कि इन चुनावों में पार्टी की जीत होगी और इन सभी राज्यों में गरीब- समर्थक, जन-समर्थक सरकार की लोगों की इच्छा को पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैठक में इन चारों राज्यों की राजनीतिक स्थिति पर महत्वपूर्ण सुझाव आए हैं और उन पर अमल किया जाएगा।

भगवान शंकर को श्रद्धालुओं ने राखी बांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। सावन महीने के आखिरी सोमवार को मंदिरों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। जलाभिषेक के साथ श्रद्धालुओं ने भगवान शंकर को रक्षा सूत्र भी बांधा। जलाभिषेक के लिए मंदिरों के कपाट भोर में खोल दिए गए थे। चांदनी चौक स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में भी काफी तादाद में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचे। श्रद्धालुओं ने मंदिर में स्थापित द्वादश ज्योतिर्लिंग के भी दर्शन किए। झंडेवाला देवी मंदिर में भगवान शंकर का रूद्राभिषेक किया गया। मंदिर के प्राचीन गुफा वाले शिवालय में केवल उन्हीं श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया, जिन्होंने पहले से बुकिंग कर रखी थी। नए शिवालय में जलाभिषेक का सिलसिला दिनभर जारी रहा।

रक्षाबंधन पर रेलवे ने चलाई सौ विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षाबंधन के त्योहार पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में 100 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई गई हैं। रेलवे सूत्रों के मुताबिक इस अवसर विभिन्न रेलवे जोनों ने अपने स्तर पर त्योहार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया है। इन ट्रेनों से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में आसानी हो रही है। रेलवे सूत्रों ने बताया कि रक्षाबंधन पर यात्रियों की सुविधा के लिए देश के विभिन्न रेल मार्गों पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। उत्तर रेलवे द्वारा रेल यात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु नयी दिल्ली झ्र श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा, दिल्ली जंक्शन - वाराणसी तथा हजरत निजामुद्दीन इंदौर के बीच स्पेशल रेलगाड़ियों का संचालन किया गया है। उत्तर मध्य रेलवे द्वारा प्रयागराज-दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का संचालन किया गया है। इसके अलावा, प्रयागराज-आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 22437 में इस अवसर पर एक स्लीपर कोच बढ़ाया गया है। इसी प्रकार से पश्चिम रेलवे द्वारा उधना जंक्शन और भागलपुर स्टेशन के बीच स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा रक्षाबंधन पर्व पर रीवा-रानी कमलापति-रीवा के मध्य स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। मध्य रेलवे जोन द्वारा भुसावल और इगतपुरी के बीच स्पेशल यात्री ट्रेन चलाई जा रही है।

महापौर कचरे के निस्तारण के मुद्दे पर 'राजनीति' कर रहीं: नगर निगम आयुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कचरे के निस्तारण की "खराब" व्यवस्था को लेकर महापौर शैली ओबेरॉय द्वारा नगर निगम आयुक्त अश्विनी कुमार के प्रति असंतोष व्यक्त किए जाने के एक दिन बाद निगमायुक्त ने पलटवार करते हुए उन पर इस मुद्दे पर "राजनीति" करने का आरोप लगाया।

कुमार ने आरोप लगाया कि दिल्ली नगर निगम की सर्वोच्च निर्णायक इकाई यानी स्थायी समिति के गठन में देरी के कारण कई अन्य परियोजनाओं को रोक दिया गया है। कुमार ने कहा, "महापौर सिर्फ राजनीति कर रही हैं। उन्होंने दिल्ली सरकार से निगम के बकाए को देने के लिए कुछ नहीं किया है, जिसके कारण नगर आर्थिक तंगी से जूझ रहा है।" ओबेरॉय ने रविवार को पूरी दिल्ली, खासकर पश्चिमी जोन और मध्य जोन में कचरे के निस्तारण की "खराब" व्यवस्था को लेकर निगमायुक्त के प्रति असंतोष व्यक्त किया था और उन्हें उचित तरीके से कचरे को इकट्ठा करने और निस्तारण का सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि पिछले कुछ दिनों से इन इलाकों में सही तरीके से कचरा इकट्ठा नहीं किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप सड़कों और कूड़ेदानों में कचरे का ढेर लग गया है। ओबेरॉय ने कहा कि उन्होंने कई बार आयुक्त को इस बारे में बताया है, लेकिन काम में कोई प्रगति नहीं हुई। पत्र में उन्होंने कुमार को निर्देश दिया कि वह 20 अगस्त से दो सितंबर तक नगर निगम के 12 जोन में सही ढंग से सफाई और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए दैनिक निरीक्षण के लिए उनके साथ रहें।

चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर ना फैलाएं कोई अफवाह

गुरुग्राम, एजेंसी। विधानसभा चुनाव के दौरान आम मतदाता किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक समाचार व सामाजिक वैमनस्य पैदा ना करें। अगर ऐसा किसी ने किया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। यह कहना है जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव का। उन्होंने कहा है कि सोशल मीडिया या अन्य किसी माध्यम से कोई व्यक्ति अफवाह फैलाने की हरकत करेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। डीसी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान पटौदी, सोहना, गुडगांव और बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रशासनिक स्तर पर कई टीमें एक्टिव मोड में रहेंगी। इसलिए शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न करवाने में आम नागरिक जिला प्रशासन का सहयोग करें। चुनाव के समय अक्सर कुछ शरारती तत्व सक्रिय हो जाते हैं, जो किसी भी पार्टी, उम्मीदवार, धर्म, जाति या क्षेत्र के नाम पर अफवाहें फैलाने की कोशिश करते हैं। इनसे निपटने के लिए जल्दी ही विधानसभा क्षेत्र के स्तर पर तथा जिला स्तर पर सक्षम अधिकारियों, पुलिस विभाग व विशेषज्ञों की टीमें गठित की जाएंगी। जो कि भडकाऊ भाषण, झूठी खबरों पर कड़ी निगरानी रखेंगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के साथ-साथ आमजन से भी ये अनुरोध किया है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार से भ्रामक, आपत्तिजनक या विवादित पोस्ट न डालें। कोई भी प्रचार सामग्री पोस्ट करने से पहले से उसको भली-भांति पढ़ लें।

शिक्षक और लिपिक का विवाद सड़कों पर

किरतपुर। क्षेत्र के गांव भगवानपुर के प्राथमिक विद्यालय में तैनात इंचार्ज अध्यापक गौरव यादव द्वारा कार्यालय सहायक आकाश गुप्ता से मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ित का आरोप है कि अध्यापक गौरव मुझे जान से मारने की धमकी दे रहा है। बीएसए को घटना से अवगत करा दिया गया है परंतु बीएसए ने अध्यापक के खिलाफ अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की है। आकाश गुप्ता किरतपुर के ब्लाक संसाधन केन्द्र में कार्यालय सहायक के पद पर तैनात है। घटना 12 अगस्त 2024 की है। कार्यालय सहायक आकाश गुप्ता ने जिलाधिकारी बिजनौर को प्रार्थना पत्र देकर इंचार्ज अध्यापक गौरव यादव के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। आकाश गुप्ता ने डीएम को दिये प्रार्थना पत्र में बताया कि वह कार्यालय के बाहर आया जहां पेड़ के नीचे गौरव गुप्ता और सहायक अध्यापिका गीता रानी बैठे हुये थे। गौरव की नजर जैसे ही मुझ पर पड़ी वैसे ही वह आग बगूला हो गया और तुरंत लात घूंसों से मारना पीटना शूरू कर दिया। मारपीट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित आकाश गुप्ता का आरोप है कि उसके द्वारा बीईओ व बीएसए को घटना से अवगत करा दिया गया है परंतु अभी तक आरोपी शिक्षक गौरव गुप्ता के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गयी है। आरोपी गौरव खुलेआम दबंगई दिखा रहा है वह पीड़ित को जान से मारने की धमकी दे रहा है। खण्ड शिक्षा अधिकारी सूर्यकांत गिरि का कहना है कि मारपीट का कारण पूराना विवाद है, मेरे द्वारा मामले की जांच आख्या बीएसए को प्रेषित की गई है, बीएसए स्तर से ही समुचित कार्यवाही की जायेगी।

रक्षाबंधन पर्व पर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की कलाई पर सजी राखी

-धूमधाम से मनाया गया भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व

-बहनों ने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर लिया रक्षा का वचन

गुरुग्राम, एजेंसी। पिछले 5000 साल से चली आ रही रक्षाबंधन मनाने की परम्परा का इस बार भी घर-परिवारों में, समाज में पूरे उत्साह और प्रेमपूर्वक निर्वहन किया गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की कलाई पर बहनों ने राखियां बांधी। बहनों ने रक्षाबंधन की तैयारियों को लेकर शहर के बाजारों में रविवार-सोमवार की रात करीब 2 बजे तक मेहंदी लगवाई। रक्षाबंधन पर्व पर भी मेहंदी लगाने वालों की चांदी रही। यहां महिलाओं ने एडवांस में मेहंदी लगवाने की बुकिंग करवा रखी थी। दो से तीन हजार रुपये तक मेहंदी लगाने के लिए गए। रक्षाबंधन पर्व को लेकर कई दिन से बाजारों में बहनें खरीदारी कर रही थी। फिर भी रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर और सोमवार को रक्षाबंधन के दिन भी बाजारों में राखी, मिठाइयां खरीदकर महिलाएं राखी बांधने के लिए गईं। हरियाणा रोडवेज की बसें, निजी बसें और निजी वाहनों पर परिवार के लोग राखी का पर्व मनाने गए। अन्य त्योहारों की तरह रक्षाबंधन भी बहुत बड़ा पर्व है और बड़े ही उत्साह के साथ इस पर्व को मनाया जाता है। होली, दीवाली तो लोग घरों पर अधिक रहते हैं, लेकिन रक्षाबंधन पर ज्यादातर लोग सफर में ही रहते हैं। क्योंकि कोई अपनी बहन के घर राखी बंधवाने जाता है तो कोई बहन अपने घर पर राखी बांधने जाती है। रक्षाबंधन का पर्व भारत और नेपाल में ज्यादा लोकप्रिय है। हालांकि अब भारतीयों के विदेशों में बस जाने से यह पर्व वहां भी बड़े पैमाने पर मनाया जाने लगा है। श्रावण मास की पूर्णिमा को यह पर्व मनाया जाता है। कहने को भले ही यह पर्व भाई-बहन के नाम पर हो, लेकिन राखियां तो परिवार में सभी सदस्यों को बांधी जाती हैं। इस तरह से यह त्योहार सामाजिक सद्भाव व भाईचारे का प्रतीक बन गया है। रक्षा व बंधन को जोडकर रक्षाबंधन शब्द बना है। इस तरह से यह पर्व सुरक्षा का बंधन बन गया है। रक्षाबंधन पर्व पर बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर रक्षा का वचन लेती हैं।

कोलकाता की घटना को लेकर डॉक्टर्स ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

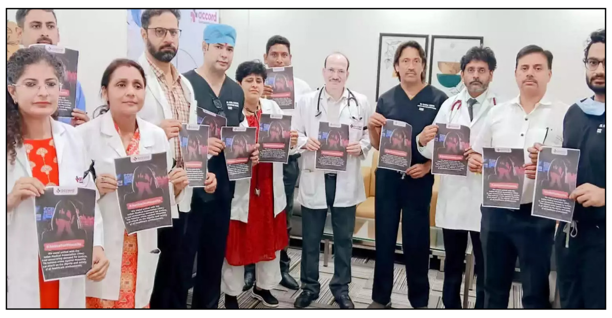

फरीदाबाद, एजेंसी। कोलकाता की महिला रेजिडेंट डॉक्टर से रेप और हत्या के विरोध में ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर-86 स्थित एकॉर्ड अस्पताल के डॉक्टर्स ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया है। अस्पताल चेयरमैन डॉ. ऋषि गुप्ता ने कहा कि ऐसी घटना दोबारा ना हो, इसलिए आरोपियों को कठोर सजा दी जाए।

बता दें कि शनिवार को भी आईएमए के आह्वान पर अस्पताल डॉक्टर्स ने हड़ताल की थी। इस दौरान ओपीडी सहित सभी सेवाएं बंद थी। डॉक्टरों ने अस्पताल के बाहर रैली और कैंडल मार्च निकाल कर विरोध जताया था। इसी क्रम ने सोमवार को डॉक्टर्स ने अपना विरोध दर्ज कराया। अस्पताल के वरिष्ठ सर्जन डॉ. प्रबल रॉय, नेफ्रोलॉजी डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ. जितेंद्र कुमार, न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ. रोहित गुप्ता, ऑर्थोपेडियक सर्जन डॉ. युवराज कुमार तथा गैस्ट्रोएंटरोलॉजी डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ. राम चंद सोनी सहित सभी डॉक्टर्स ने एक बार फिर राष्ट्रीय चिकित्सक सुरक्षा कानून लागू करने की मांग दोहराई है। उन्होंने बताया कि कोलकाता में न्याय की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे स्टूडेंट्स और डॉक्टर्स पर भीड़ ने हमला किया है।

ऐसी घटनाएं निंदनीय हैं। इस मामले की पारदर्शी तरीके से जांच हो और घटना का विरोध कर रहे डॉक्टरों पर पुलिस बर्बरता या दुर्व्यवहार नहीं होना चाहिए। शांतिपूर्वक विरोध करने के उनके अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। इस मौके पर वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉ. विक्रम दुआ, वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सिम्मी मनोचा, डॉ. उमेश कोहली, वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सन्नी जैन, वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. सुंदरी श्रीकांत, प्लास्टिक सर्जन डॉ. दीक्षा, वरिष्ठ आथोर्पेडिक सर्जन डॉ. राकेश कुमार समेत अनेक डॉक्टर ने बाजू पर काली पट्टी बांध कर विरोध जताया।

पुलिस ने 11 जुआरियों को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद जिले में जुआ खेलने वाले 11 आरोपियों को क्राइम ब्रांच सेक्टर 85 की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से मौके पर 1.28 लाख की नगदी बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नीरज कुमार, भारत उर्फ कल्लू, राजीव सिंह उर्फ डॉक्टर, अनिल कुमार, देवेंद्र कुमार, मनोज उर्फ. मन्नू, संजय, राजकुमार, ओमपाल, गौरव और आकाश का नाम शामिल है। आरोपी ओमपाल और अनिल कुमार तावडू के रहने वाले हैं। अन्य सभी आरोपी बल्लभगढ़ और एनआईटी एरिया के रहने वाले हैं। मुख्य आरोपी राजीव सिंह उर्फ डॉक्टर पर पूर्व में सट्टा खिलाने का काम करता था।

जिस पर पूर्व में भी सट्टा खाई के मामले दर्ज हैं। सभी आरोपी मुख्य आरोपी के जानकार हैं। अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से साई मंदिर के पास मयूर होटल से रेड कर 11 आरोपियों को मौके से काबू किया है। आरोपियों से मौके पर 1320 टोकन, सफेद तीन गड्डी ताश, एक कैलकुलेटर, दो छोटी बुक और 1,28,450 रुपए नगद बरामद किए गए हैं। आरोपियों के खिलाफ थाना खेड़ी पुल में जुआ खेलने की धाराओं में मुकदमा दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से पूछताछ के बाद नियम अनुसार कार्रवाई की गई।

अवैध शराब फैक्ट्री का भांडाफोड़, चार गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर थाना ग्रेटर नोएडा इलाके के औद्योगिक क्षेत्र साइट में जहरीली शराब बनाने की फैक्ट्री का एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने भंडाफोड़ करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में अवैध जहरीली शराब, शराब बनाने के उपकरण, खाली बोतल, होलो ग्राम व शराब बनाकर तस्करी में इस्तेमाल किये जाने वाला एक गाड़ी भी बरामद किया है। पकड़े गए सभी तस्कर अवैध शराब बनाकर इसे आसपास सप्लाई भी कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर अवैध शराब फैक्ट्री के खुलासे के बाद सूरजपुर थाना पुलिस व आबकारी विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे है। जो इस अवैध फैक्ट्री की भनक तक नहीं पा सके। एसपी राजकुमार मिश्रा ने बताया है कि एसटीएफ की टीम को एक गोपनीय सूचना मिली थी कि सूरजपुर क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र साइट सी में शराब बनाने का अवैध धंधा किया जा रहा है। जब टीम ने देर रात छापेमारी की तो मौके से 4 लोगों को इसमें गिरफ्तार किया है जबकि इनके पास से अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली स्पिरिट, खाली बोतल होलोग्राम खाली पेटी व तस्करी में इस्तमाल किये जाने वाला एक वाहन को भी जब्त किया है। यह सब लोग काफी समय से गोपनीय तरीके से यहां पर अवैध शराब बनाने का कारोबार कर रहे थे और आसपास के क्षेत्र में सप्लाई भी कर रहे थे। वहीं पकड़े गए आरोपियों की पहचान कमल, निखिल, अमित, गोविंदा के रूप में की हुई है। सभी कानपुर के रहने वाले है फिलहाल इनके गैंग में कितने लोग और शामिल है ये भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

दादरी में डकैती व लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले दो बदमाश मुठभेड़ में घायल

ऋषि तिवारी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी में डकैती व लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किर लिया है और पुलिस मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से घायल हो गए है। वहीं उनके तीन साथी मौके से फरार हो गए। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। फरार साथियों की तलाश का दावा दादरी थाना पुलिस कर रही है। गिरफ्तार बदमाशों ने गौर अतुल्यम सोसायटी के पास से एक युवक की चेन 12 अगस्त को लूटी थी। डीसीपी अशोक कुमार ने बताया है कि रविवार शाम को दादरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि कार सवार कुछ बदमाश अपने साथियों के साथ मिलकर किसी घटना को अंजाम देने जा रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर दादरी पुलिस ने न्यू बोड़ाकी रेलवे स्टेशन के पास इनकी घेराबंदी की, जिसके बाद कार सवार बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की इस दौरान दो बदमाश बुलंदशहर निवासी सलीम व सौरभ कुमार पैर में गोली लगने से घायल हो गए । घायल अवस्था में दोनों को अस्पताल में एडमिट किया गया। बदमाशों के कब्जे से लूट के 15100 रुपए, 02 तमंचा, 03 जिन्दा कारतूस, 02 खोखा कारतूस, एक शटर/ताला काटने वाला कटर, क्विड कार बरामद की गई।

जीडीए वीसी ने रद्द किया सिग्नेचर होम्स का लाइसेंस, अन्य पर भी तलवार लटकी

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने प्रधानमंत्री आवास के निर्माण में हीला हवाली करने वाले बिल्डर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सिग्नेचर होम्स नाम की बिल्डर कंपनी को राजनगर एक्सटेंशन में प्रधानमंत्री आवास योजना के 400 फ्लैट्स ?का निर्माण करना था, लेकिन उसने निर्माण नहीं कराया। इस पर जीडीए ने राजनगर एक्सटेंशन में प्रोजेक्ट के लिए दिया गया लाईसेंस रद्द कर दिया है। बताया जा रहा है कि शासन के आदेश पर जीडीए ने मामले में सख्त एक्शन लिया है। इसके साथ ही अन्य बिल्डर्स पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है।11 बिल्डर्स को मिली थी जिम्मेदारी, आधों ने नहीं शुरू किया काम जिस मामले में जीडीए ने राज नगर एक्सटेंशन में सिग्नेचर होम्स प्रोजेक्ट का लाइसेंस रद्द कर दिया है, उस मामले में कई और बिल्डर्स पर भी कार्रवाई की गाज गिर सकती है। फ्लैट बनाने की जिम्मेदारी 11 बिल्डर्स को गाजियाबाद में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत फ्लैट बनाने की जिम्मेदारी 11 बिल्डर्स को दी गई थी।

योजना के तहत कुल 6,481 फ्लैटों का निर्माण होना था। आधे बिल्डर्स ने भी अभी निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है।

महानगर में 70 कॉलोनियां मच्छरों के लिहाज से संवेदनशील

गाजियाबाद, एजेंसी। महानगर में 70 कॉलोनियां मच्छरों के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। इन कॉलोनियों में पिछले छह सालों में मलेरिया के 349 और डेंगू के 3575 मरीज सामने आ चुके हैं। इसको देखते हुए स्वास्थ्य विभाग लगातार इन कॉलोनियों में नजर बनाए है और सर्वे कर रहा है। इस साल डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया रोग को फैलन से रोकने के लिए एंटी लार्वा और फॉगिंग का कार्य किया जा रहा है। विश्व मच्छर दिवस हर साल 20 अगस्त को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वेक्टर जनित बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करा है। चौंकाने वाली बात यह है कि हर साल भारत में 40 मिलियन लोग मच्छर जनित बीनारियों से पीड़ित होते हैं। इनमें से मलेरिया सबसे आम हैं। गाजियाबाद के आंकड़ों के मुताबिक छह सालों में मलेरिया के 349 और डेंगू के 3575 मरीजों की पहचान की गई। इस साल अब तक मलेरिया के आठ और डेंगू के चार रोगी मिले है। हालांकि चिकनगुनिया के रोगी बेहद कम रहे। लेकिन संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत लोगों में जागरूकता और रोकथाम के लिए गतिविधियां की गई। मच्छर प्रजनन को नियंत्रित करने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में साफ-सफाई, एन्टीलार्वा स्प्रे एवं फॉगिंग का कार्य कराया जा रहा है। महानगर की यह कॉलोनियां संवेदनशील महानगर की 70 से ज्यादा कॉलोनियां मच्छरों के लिहाज से संवेदनशील माना गया है। इन कॉलोनियों में आदर्श कॉलोनी, अर्थला, बीएलएस, बुद्ध विहार, दौलतपुरा, नेहरूनगर द्वितीय और तृतीय, दीनदयालपुरी, राजनगर एक्सटेंशन, मरियमनगर, नंदग्राम, घूकना, घूकना मोड, हरसांव, गोविंदपुरम के एच, जी, आई, जे ब्लॉक, पुलिस लाइन, हिंडन विहार, कड़कड़ मॉडल, सूर्यनगर, कैला भट्टा, कनावनी, करहैड़ा, कार्टे, शास्त्रीनगर के ए, बी, सी, एच और चिरंजीव विहार की कालोनी शामिल हैं। इसके अलावा खैरातीनगर, कोटगांव, पंचवटी, वैशाली सैक्टर- एक, चार, पांच, नीलगिरी, हिमगिरी अपार्टमेंट, मकनपुर, मिजार्पुर, प्रताप विहार सैक्टर-11 व 12, राजबाग, राजेंद्र नगर सैक्टर-दो-तीन, संजयनगर सैक्टर-23, सद्दीकनगर, साधना इन्कलेव, सरस्वती विहार, शहीदनगर, शालीमार गार्डन, एक्सटेंशन-प्रथम, न्यायखंड, शक्तिखंड, नीतिखंड इंदिरापुरम, वसुंधरा सैक्टर- दो, चार, 16, विजयनगर, क्रसिंग रिपब्लिक, भीमनगर आदि कॉलोनियों को संवेदनशील माना गया है।

एक नजर

आरआरटीएस स्टेशन से कूदकर जान देने वाले छात्र का मोबाइल पुलिस ने कब्जे में लिया

गाजियाबाद, एजेंसी। मुरादनगर में नमो भारत रैपिड रेल स्टेशन परिसर से शनिवार को बीटेक के छात्र ने कूदकर जान दे दी थी। मामले में पुलिस आत्महत्या का पता लगाने के लिए छात्र के मोबाइल का डेटा जांच रही है। हरियाणा बहादुरगढ़ के झज्जर निवासी केशव मोदीनगर स्थित एसआरएम संस्थान में बीटेक द्वितीय वर्ष का छात्र था। शनिवार दोपहर तीन बजे केशव ने मुरादनगर नमो भारत रैपिड रेल स्टेशन कूदकर जान दे दी। जानकारी के मुताबिक 45 फीट की ऊंचाई से कूदने वाले छात्र का मोबाइल भी क्षतिग्रस्त हो गया था। पुलिस ने मोबाइल को कब्जे में लिया है। पुलिस का कहना है कि छात्र के मोबाइल का डेटा रिकवर करने की कोशिश की जाएगी। जिससे पता लग सके कि छात्र के आत्महत्या के पीछे क्या कारण है। वहीं, कॉलेज खुलने पर छात्र के बारे में जानकारी एकत्र की जाएगी। परिजन छात्र का शव हरियाणा ले गये। एसीपी का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है।

एक साल के बच्चे और भतीजी के साथ विवाहिता लापता

गाजियाबाद, एजेंसी। मोदीनगर के चूनाभट्टी कॉलोनी से विवाहिता एक वर्षीय पुत्री और 12 वर्षीय भतीजी सहित लापता हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है। सुशील कुमार ने बताया कि रविवार दोपहर उनकी पत्नी रंजना एक वर्षीय पुत्री व 12 साल की भतीजी के साथ खरीदारी करने बाजार गईं थीं, मगर लौटी नहीं। परिजनों ने उन्हें काफी तलाश किया लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लगा। रंजना दस हजार रुपये और मोबाइल भी अपने साथ ले गई। विवाहिता का मोबाइल भी बंद आ रहा है। एसीपी ज्ञानप्रकाश राय का कहना है कि मोबाइल की लोकेशन और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के माध्यम से तलाश शुरू कर दी गई है। परिजनों ने आज विवाहिता की गुमशुदगी दर्ज करा दी है।

जिलाधिकारी ने दिवंगत अधिवक्तागण के आश्रितों को किए प्रतीकात्मक चेक वितरित

गाजियाबाद, एजेंसी। महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री द्वारा दिवंगत अधिवक्तागण के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने का कार्यक्रम देखा गया। मुख्यमंत्री ने रविवार को स्मृतिशेष 577 अधिवक्ताओं के आश्रितों को लोकभवन में अधिवक्ता कल्याण निधि से सहायता राशि प्रदान की।

इस दौरान उन्होंने बताया कि मृतक अधिवक्ता के आश्रित के लिए अधिवक्ता कल्याण निधि की राशि डेढ़ लाख से बढ़ाकर पांच लाख की गई। आयु भी 60 से बढ़ाकर 70 वर्ष की गई। सीएम योगी ने कहा कि रक्षाबंधन का त्योहार है। इस मौके पर यह आयोजन बताता है कि त्योहार का आनंद इससे अच्छा नहीं हो सकता। जब हम किसी निराश्रित के साथ खड़े होकर उसकी सहायता के लिए तत्पर दिखाई देते हैं। दिवंगत अधिवक्तागण के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने के शासनादेश के अनुसार जिलाधिकारी इन्द्र व्रिकम सिंह द्वारा जनपद के आठ अधिवक्ताओं के आश्रितों को 5–5 लाख के प्रतीकात्मक (डमी) चेक वितरित किये।

सातवीं के छात्र को क्लास में बंदकर पीटा

गाजियाबाद, एजेंसी। कविनगर के एक स्कूल में सातवीं कक्षा के छात्र को उसके सहपाठियों ने क्लास में बंद कर बुरी तरह से पीट दिया। मामले में अभिभावक ने चार सहपाठियों के अलावा स्कूल के दो कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। अभिभावक ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उनका बेटा रोजाना की तरह स्कूल पढ़ने गया था। इस दौरान सहपाठियों से कुछ कहासुनी हो गई। इसी बात से नाराज होकर चार सहपाठियों ने उसको क्लासरूम में बंद कर दिया और आधे घंटे तक पीटा। इससे छात्र की आंख पर गंभीर चोट आई है। इसकी शिकायत उन्होंने स्कूल प्रशासन से की थी। लेकिन स्कूल प्रशासन मामले की लीपापोती में जुट गया। उन्होंने घटना के तीन दिन बार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने छात्र का मेडिकल परीक्षण कराया है। सीसीटीवी फुटेज देखने पर सही स्थिति का पता चलेगा।

गाजियाबाद में रिश्वत मांगने वाले प्रशिक्षु दरोगा पर मुकदमा दर्ज,विभागीय जांच शुरू

गाजियाबाद, एजेंसी। पीड़ित से उधारी के 15 हजार रुपये दिलाने की एवज में पांच हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोपी प्रशिक्षु दरोगा जगपाल सिंह पर लोनी बॉर्डर थाने में रविवार को भ्रष्टाचार अधिनियम का मुकदमा दर्ज हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में प्रशिक्षु दरोगा ने पांच हजार रुपये लेने की बात कबूल की थी। चौकी प्रभारी ने वीडियो के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसीपी अंकुर विहार भास्कर वर्मा ने बताया कि प्रशिक्षु दरोगा जगपाल सिंह के खिलाफ रिश्वत लेने का मामला सामने आया था। इस मामले में संगम विहार पुलिस चौकी प्रभारी आरिफ अली ने थाने पर शिकायत दी है, जिसमें उन्होंने प्रशिक्षु दरोगा जगपाल सिंह का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने का हवाला दिया। वीडियो में जगपाल सिंह एक व्यक्ति को किसी मुकदमे से बचाने के एवज में रुपये के लेनदेन की बात कह रहे हैं। इतना ही नहीं, प्रशिक्षु दरोगा व्यक्ति को अपशब्द के बाद पांच हजार रुपये लेने व बाकी सात हजार रुपये बाद में लेने की बात कहता नजर आ रहा है। इस मामले में प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट होता है कि जगपाल सिंह द्वारा वीडियो में पैसे मांग रहा है। वीडियो से पुलिस की छवि धूमिल हुई है। प्रशिक्षु दरोगा पर धारा-7 भ्रष्टाचार अधिनियम, 13 और 352 में रिपोर्ट दर्ज हुई है। वीडियो वायरल के बाद अधिकारियों ने जगपाल सिंह को निलंबित कर दिया था। उसके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू हो गई है।

जेल प्रशासन ने किया रक्षाबंधन का विशेष आयोजन, कैदियों की कलाई पर बहनों ने बांधी राखी

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के डासना जेल में रक्षाबंधन पर जेल प्रशासन की ओर से खास आयोजन किया गया। बहनों ने अपने जेल में बंद भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। जेल परिसर में सुबह से ही राखी बांधने के लिए बहनों की लंबी कतारें लगी थीं। यह दृश्य न केवल मार्मिक था बल्कि भाई-बहन के अटूट प्रेम और समर्पण का प्रतीक था। बहनों के लिए जेल प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की थी। उन्होंने जेल के भीतर तैयार की गई राखियों को प्रदर्शनी में रखा था, जहां से बहनों ने उन्हें चुना और अपने भाइयों की कलाई पर बांधा। जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा ने बताया कि इस साल रक्षाबंधन पर विशेष तैयारियां की गई थीं ताकि जेल में बंद भाइयों और उनकी बहनों के लिए यह दिन यादगार बन सके। साथ ही दूर -दूर से अपने भाइयों से मिलने आई बहनों को कोई परेशानी ना हो। गर्मी के बावजूद बहनों ने बड़ी श्रद्धा और प्रेम से अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। जेल परिसर में बहनों के चेहरे पर भावनाओं का उमड़ता समंदर साफ दिखाई दे रहा था। कई बहनों की आंखें आंसूओं से भरी थीं, जो इस पवित्र बंधन की गहराई को दर्शा रहा था। डासना जेल में आयोजित इस रक्षाबंधन के आयोजन ने इस त्योहार को एक नई पहचान दी है। आयोजन सिर्फ एक धार्मिक परंपरा नहीं बल्कि एक ऐसा पल था, जिसने जेल के कठोर वातावरण को भी भावनाओं से सराबोर कर दिया। यह भाई-बहन के अटूट प्रेम और समर्पण की अनूठी मिसाल बन गया। जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा के अनुसार, इस आयोजन से कैदियों में भी एक सकारात्मक बदलाव देखा गया है।

संक्षिप्त खबरें

बर्बरता : महिला से सामूहिक दुष्कर्म, प्राइवेट पार्ट में सरिया से चोट पहुंचाने का आरोप, एक गिरफ्तार

प्रयागराज। सरायममरेज थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। तीन लोगों ने उसके साथ दरिंदगी की। महिला के भाई का आरोप यह भी है कि बहन के प्राइवेट पार्ट में सरिया से चोट पहुंचाई गई। पुलिस ने आरोपी जेठ को गिरफ्तार कर लिया है। दो अन्य की तलाश की जा रही है। उधर, महिला को डफरिन अस्पताल भेजा गया है। पुलिस अफसरों का यह भी कहना है कि सामूहिक दुष्कर्म हुआ या नहीं, यह मेडिकल रिपोर्ट सामने आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

महिला मूल रूप से सरायममरेज की रहने वाली है और उसकी शादी उतरांव में हुई है। पिछले कुछ दिनों से वह अपने मायके में रह रही है। घटना देर रात एक बजे के करीब की बताई जा रही है। सुबह लोगों ने उसे लहूलुहान देखा तो पुलिस को सूचना दी। इस पर सबसे पहले डायल 112 की पुलिस पहुंची। कुछ देर बाद थाने की फोर्स भी आ गई और फिर सरकारी एंबुलेंस से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर ले जाया गया। वहां से रेफर किए जाने पर उसे एसआरएन अस्पताल ले आया गया जहां से मेडिकल के लिए उसे डफरिन अस्पताल में भेजा गया है।एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

डीसीपी गंगानगर अभिषेक भारती ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में महिला ने अपने जेठ व दो अन्य अज्ञात पर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाया है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी जेठ को गिरफ्तार कर लिया गया है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आगरा में युवकों का दुस्साहस: स्कूटी सवार युवती से छेड़खानी, टक्कर मारकर गिराई; पुलिसकर्मी को देख भागे

आगरा। आगरा में रक्षाबंधन से पहले दबंग शोहदों के दुस्साहस का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। ये वीडियो रविवार रात यमुना किनारा रोड का, जहां स्कूटी सवार युवती से छेड़छाड़ की गई। बुलेट और बाइक पर सवार पांच शोहदों ने कई किलोमीटर तक युवती का पीछा किया। स्कूटी में टक्कर मारकर युवती को गिरा दिया। इसके बाद उसे ले जाने का प्रयास किया। उसी दौरान वहां से गुजर रहे एक सिपाही ने युवती की मदद की। सिपाही को देख आरोपी मौके से भाग निकले।

मामला ताजगंज से बेलनगंज वाले मार्ग का है। यहां रात में युवती स्कूटी से अपने घर जा रही थी। इस बीच उसके पीछे बुलेट और बाइक पर सवार पांच शोहदों पड़ गए। आरोपियों ने कई किलोमीटर तक युवती का पीछा किया। इस दौरान युवती बुरी तरह घबरा गई। आरोपियों ने युवती को टक्कर मारकर गिरा दिया और अपने साथ ले जाने का प्रयास किया। तभी वहां ट्रैफिक पुलिस के सिपाही राजीव कुमार आ गए। सिपाही ने युवती को बचाया। इस दौरान आरोपी वहां से भाग निकले। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों की शिनाख्त युसूफ और फिरोज के रूप में की है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उनके तीन साथियों की तलाश की जा रही है।

देहरादून में हैवानियत: 12 दिन पहले घर से गायब हो गई थी पीड़िता, मानसिक स्थिति कमजोर, मुरादाबाद से परिजन रवाना

मुरादाबाद देहरादून में बस में किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद देहरादून पुलिस ने पीड़िता से पूछताछ कर मुरादाबाद पुलिस के अधिकारियों को जानकारी दी। इसके बाद मूंढापांडे थाने की पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया। पीड़िता के पिता ने बताया कि उसकी बेटी 12 दिन पहले घर से निकली थी।

उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती है। देहरादून आईएसबीटी पर खड़ी रोडवेज बस में किशोरी के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद उत्तराखंड पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। देहरादून के पटेल नगर थाने की पुलिस ने पीड़ित किशोरी से पूछताछ के बाद मुरादाबाद पुलिस से संपर्क किया।ग्राम प्रधान ने बताया कि किशोरी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती है। बेटी की हालत ठीक न होने से माता-पिता की भी मानसिक रूप से परेशान रहते हैं। पिता ने बताया कि पहले भी कई बार उसकी बेटी बिना बताए ही घर से जा चुकी है।

ग्राम प्रधान किशोरी के परिजनों को लेकर देहरादून रवाना हो गए। किशोरी की देहरादून में सीडब्ल्यूसी काउंसलिंग कर रही है। देहरादून पुलिस के अनुसार, पहले किशोरी ने अपना पता पंजाब का बताया था, लेकिन रविवार को उसने मुरादाबाद के मूंढापांडे का पता बताया।

वारदात के बाद भी दिल्ली रूट पर दौड़ रही थी बस

देहरादून आईएसबीटी पर हुए सामूहिक दुष्कर्म प्रकरण में सीएनजी बस की फोरेंसिक जांच की जाएगी। फोरेंसिक टीम जांच के दौरान बस से सबूत जुटाएगी, लेकिन यह सब कुछ इतना आसान नहीं होगा। दरअसल जिस सीएनजी बस में सामूहिक दुष्कर्म की वारदात हुई, वह बस घटना के बाद भी लगातार देहरादून-दिल्ली रूट पर चलाई जा रही थी।

इस दौरान बस की सफाई भी की गई। इससे साक्ष्यों के प्रभावित होने की आशंका है। गौरतलब है कि अब तक की जांच में सामने आया है कि आईएसबीटी परिसर में 12 अगस्त की रात सीएनजी बस संख्या यूके 07 पीए 5299 में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। उसी रात किशोरी को सीडब्ल्यूसी के बूथ में पहुंचाया गया। यहां से उसे पुलिस की जनरल डायरी में सूचना दर्ज कराकर बालिका निकेतन भिजवाया गया।

रिमांड पर लिए गए अवनीश से साउथ जोन की पुलिस ने की छह घंटे पूछताछ, कबूले 12 वसूलीबाजों के नाम

कानपुर। रिमांड पर लिए गए अवनीश दीक्षित से अलग-अलग टीमें पूछताछ कर रही हैं। रविवार को साउथ जोन की पुलिस ने अवनीश से छह से ज्यादा पूछताछ की। इस दौरान अवनीश ने कई सवालों को टाल दिया। वसूली के सवाल पर उसने कहा कि मैं उतना बुरा नहीं, मुझसे भी बुरे बहुत सारे लोग यहां है। उसने 12 वसूलीबाजों के नाम पुलिस को बताए हैं। पुलिस अधिकारी के मुताबिक इन नामों का सत्यापन कराए जाने के बाद कार्रवाई की जाएगी।अवनीश से उसकी विदेश यात्रा के बारे में पुलिस ने सवाल पूछे तो आरोपी ने जवाब दिया कि उसे याद नहीं कि उसने कहां से टिकट कराया और किसके साथ गया। पुलिस ने उससे फॉरच्युनर गाड़ी आदि को लेकर सवाल जवाब किए तो कहा कि उसे याद नहीं कि कब गाड़ी खरीदी गई। इसके बाद पुलिस ने अन्य मामलों में भी उससे सवाल किए।

वसूली के लिए खबरें बनाते और वायरल करते

टीम ने शराब ठेका संचालक से वसूली के मामले में दर्ज की गई एफआईआर में भी सवाल किए। अवनीश ने करीब 12 वसूलीबाजों के नाम बताए। इनके बारे में उसने कहा कि सिर्फ वसूली करने के लिए खबरें बनाते और वायरल करते थे।

वह मेरा दोस्त है, समय खराब है तो हर कोई तहरीर दे रहा

अवनीश और उसकी पत्नी के खिलाफ किदवईनगर में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर देने वाले कारोबारी को लेकर पुलिस ने पूछताछ की। अवनीश ने कहा कि वह उसका दोस्त है। वर्तमान में समय खराब चल रहा तो हर कोई तहरीर दे रहा है। हालांकि उसने कहा कि उसके पास पूरे रिकॉर्ड है कि पैसा क्यों और किस मद में लिया गया।

हड़ताल बनी मुसीबत: 450 मरीजों के नहीं हो सके ऑपरेशन, ओपीडी भी बंद

आगरा आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल से 7 दिन में करीब 450 मरीजों के सामान्य ऑपरेशन नहीं हो पाए हैं। इसमें हड्डी, नेत्र और सर्जरी विभाग के मरीज हैं। पहले ऑपरेशन के लिए 10-15 दिन की तारीखें मिल रही थीं। हड़ताल से मरीजों की परेशानी और बढ़ गई है।

कोलकाता में प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में एसएन के जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर हैं। ओपीडी में औसतन 2500 मरीज आते हैं। इनमें 60-65 मरीज ऑपरेशन वाले होते हैं। इन मरीजों की सर्जरी नहीं हो पा रही है। इमरजेंसी प्रभारी डॉ. मनीष बंसल ने बताया कि इमरजेंसी-आईसीयू में चिकित्सकीय सेवाएं चल रही हैं। ओपीडी की हड़ताल के चलते इमरजेंसी में 5-10 फीसदी मरीज बढ़ गए हैं। ट्रॉमा और इमरजेंसी में हो रहे ऑपरेशन

प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता का कहना है कि ट्रामा और इमरजेंसी में ऑपरेशन हो रहे हैं। इसमें गंभीर हाल के सभी तरह के ऑपरेशन के लिए अतिरिक्त टीम भी लगाई गई है। आईसीयू में भी मरीजों को पूर्ण इलाज मिल रहा है। ओपीडी से औसतन रोजाना 60-65 मरीज ऑपरेशन वाले रहते हैं। हड़ताल से इनको लाभ नहीं मिल पा रहा है।

ऑपरेशन के लिए मिली थी तारीख... कालिंदी विहार निवासी राकेश कर्दम ने बताया कि उनके भाई के पथरी का ऑपरेशन होना है। हड़ताल से पहले ओपीडी में भी दिखाया था। 17 अगस्त को बुलाया था, लेकिन हड़ताल से नहीं हो सका।

हड़ताल खत्म होने का इंतजार... आवास विकास कॉलोनी निवासी राजीव कुमार ने बताया कि कान में परेशानी होने पर 10 दिन पहले एसएन में दिखाया था। यहां डॉक्टरों ने छोटा ऑपरेशन की बात कही थी लेकिन हड़ताल हो गई। हड़ताल खत्म होने का इंतजार है।

छात्रों से मिले जनप्रतिनिधि... डॉक्टरों की हड़ताल पर कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्य, मेयर हेमलता दिवाकर, विधायक पक्षालिका सिंह ने मुलाकात की। जनप्रतिनिधियों ने उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का भरोसा दिया। एसएन के जूनियर रेजिडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. साहिल का कहना है कि सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने और कोलकाता में डॉक्टर से बलात्कार और हत्या के दोषियों को फांसी और एसएन में सुरक्षा के लिए इंतजाम कराने की मांग के लिए ज्ञापन दिया है।

कम कीमत में जमीन दिलाने का दिया झांसा, कानपुर के युवक से लाखों ठगी

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में जमीन दिलाने के नाम पर कानपुर के रहने वाले एक युवक से करीब 22.60 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। रुपया वापस मांगने पर आरोपियों ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी। मुकदमा दर्ज करने के बाद कोतवाली पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। कानपुर के जूही सफेद कालोनी थाना किदवई नगर निवासी पीयूष अग्निहोत्री ने सदर कोतवाली में तहरीर दी।

बताया कि उनका ननिहाल खरसुलिया जनपद एटा में है। अनिल कुमार बालिग निवासी गांव अकबरपुर का ननिहाल में आना जाना था। उसने विश्वास में लेकर बेवर के गांव नगला बरी निवासी राहुल कुमार से मिलाया। दोनों ने साजिश के तहत गांव हसनपुर में एक जमीन को कम कीमत पर बैनामा कराने की बात कही। कहा कि वह जमीन खरीदने के बाद अधिक रुपये में बिक्री कर लाभ कमा सकता है। इन लोगों की बातों में आकर 7 जुलाई 2021 को एक फर्जी बैनामा के जरिए 22.60 लाख रुपये ले लिए। 2022 में जब दाखिल खारिज की प्रक्रिया शुरू की तो पता चला कि राहुल अपनी सारी जमीन उनके पक्ष में बैनामा करने से पहले ही दूसरों को बेच चुका था।

जानकारी होने के बाद जब अपना रुपया मांगा तो वह लोग टाल मटोल करने लगे। 18 जून 2024 को पुलिस से शिकायत करने की बात कही तो आरोपी झगड़ा करने पर आमादा हो गए। उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पीयूष की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

वाराणसी में भीषण हादसा: डंपर की चपेट में तीन की मौत

वाराणसी। वाराणसी जिले के जंसा थाना के गंजारी स्थित निमार्णाधीन स्टेडियम के समीप रिंग रोड पर सड़क हादसे में बाइक सवार मासूम बेटी, महिला समेत तीन की मौत हो गई। हादसे से आक्रोशित लोगों ने रिंग रोड पर शव रखकर जाम कर दिया।

शव कब्जे में लेने के लिए पुलिस ग्रामीणों का मान मनौव्वल कर रही है। मौके पर पहुंचे परिजनों में चीख- पुकार मची है। ग्रामीणों द्वारा डंपर चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क जाम किया गया है।मृतकों की शिनाख्त राजू पटेल (35) व मृतक की पत्नी नीलम पटेल (32) और पुत्री परी पटेल (05) निवासी परसूपुर थाना राजातालाब के रूप में हुई है। निमार्णाधीन स्टेडियम गंजारी पर डंपर की चपेट आने से मौत हुई है। परिजन घटनास्थल पर पहुंच चुके है।

साबरमती हादसा: कंक्रीट के स्लीपर लगाकर अपग्रेड किया जाएगा ट्रैक, 110 ङ्त प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी ट्रेनें

कानपुर । साबरमती एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने से पनकी क्षेत्र में क्षतिग्रस्त हुई रेलवे लाइन रविवार को चालू जरूर हो गई है, लेकिन इसको अपग्रेड किया जाएगा। अभी इस पर निर्धारित दूरी तक ट्रेनें कॉशन लेकर (10 किलोमीटर प्रति घंटे) गुजरेंगी। इस पर नए सिरे से कार्य होने के बाद ट्रेनें 110 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल सकेंगी।हादसे में 500 मीटर की अप लाइन खराब हो गई। रेलवे की ओर से लोहे के सीएसटी-9 स्लीपर लगाए गए। इनके बीच की दूरी एक मीटर रहती है, जबकि कंक्रीट वाले पीएससी स्लीपर के बीच की दूरी 60 सेंटीमीटर होती है। सीएसटी-9 स्लीपर से अप लाइन तैयार होने के बाद इसकी टेस्टिंग हो गई। अब इसको नए सिरे से तैयार किया जाएगा। रेलवे की ओर से नए कंक्रीट के स्लीपर आ गए हैं। इन्हें ट्रैक के किनारे रखवाया गया है।नाट्य रूपांतरण करा हादसे की वजह जानने का प्रयास

पुलिस, आरपीएफ और रेलवे के विशेषज्ञों ने रविवार को कानपुर-झांसी रूट पर साबरमती एक्सप्रेस हादसे का नाट्य रूपांतरण कराया। ट्रैक पर लोहे के बोल्डर को क्लैंप से फंसाकर हादसे की वास्तविकता देखी गई। डीसीपी वेस्ट राजेश कुमार सिंह, पनकी एसीपी श्वेता, पनकी इंस्पेक्टर के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोहे की पटरी के टुकड़े जैसे बोल्डर को ट्रैक में फंसाकर जांच की। यह परीक्षण डाउन लाइन पर किया गया। पुलिस अधिकारियों ने रेलवे और ट्रैक के विशेषज्ञों से सभी तरह की संभावनाओं के बारे में पूछताछ की। उन्होंने देखा की बोल्डर किस तरह से रखा होगा, जिससे साबरमती के इंजन के दोनों ओर लगे कैटल गार्ड क्षतिग्रस्त हो गए। यह किस मजबूती से कसा गया था, जिससे ट्रेन की गति और इंजन के भार की वजह से ट्रैक से हट नहीं सका। पुलिस अधिकारियों ने क्लैंप को औजारों से कसवाकर भी देखा। पुलिस बोल्डर को अपने साथ ले गई।

प्रेमी के साथ मिलकर बड़ी मां ने किया था तीन साल की बच्ची का अपहरण, बंगाल में बेचने का था प्लान

बलिया। बलिया जिले के सुखपुरा क्षेत्र के आसन गांव से तीन वर्षीय बालिका घर से गायब हो गई। इसकी सूचना परिजनों ने सुखपुरा पुलिस को दी। पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर बालिका को 36 घंटे के अंदर शहर कोतवाली के तिखमपुर, रामदहीनपुरम स्थित आवास से रविवार की देर रात बरामद कर लिया। अपहरण की आरोपी बालिका की बड़ी मम्मी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। दोनों किराये का कमरा लेकर चोरी से यहां रहते थे। पैसों के लिए बालिका का अपहरण किया था और पश्चिम बंगाल में बेचने की फिराक में थे।

यह है पूरा मामला... 17 अगस्त की शाम श्रीकृष्ण सिंह उर्फ अकलू सिंह निवासी आसन ने सुखपुरा थाने में तहरीर दी। आरोप लगाया कि उनकी तीन वर्षीय भतीजी अनुष्का स्व. अशोक सिंह सुबह से गायब है। पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू की। शक के आधार पर प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र प्रसाद सिंह ने बालिका की बड़ी मां सपना से भी पूछताछ की। उसने बताया कि घटना के दिन गाजीपुर में थी। जब उसके मोबाइल का लोकेशन देखा गया तो उसकी बात गलत निकली। उसके मोबाइल में एक युवक का फोटो भी मिला। जब लोकेशन चेक किया गया तो शहर कोतवाली के तिखमपुर में दिखा रहा था।

18 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली की उक्त बच्ची तिखमपुर में एक मकान में देखी गई है। पुलिस ने दबिश देकर एक युवक को गिरफ्तार किया और बच्ची को बरामद कर लिया। युवक ने अपना नाम मो. राजा पुत्र स्व. कासिम निवासी डोमनपुरा थाना सिकन्दरपुर बताया। राजा और सपना तिखमपुर एक मकान में पति-पत्नी की तरह रहते थे। दोनों के पास इस समय पैसा नहीं था। उन लोगों ने अपहरण की योजना बनाई थी कि बच्ची को पश्चिम बंगाल में बेच देंगे। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र प्रसाद सिंह, बेरुआरबारी चौकी प्रभारी अखिलेश नारायण सिंह आदि शामिल थे।

अभी खुलना है साढ़े पांच लाख रुपये का राज... थाना क्षेत्र के आसन गांव से बच्ची के अपहरण में उसकी बड़ी मां सपना व उसके प्रेमी राजा का हाथ था। राजा खुद को सपना का पति संतोष बता कर बलिया में एक किराये के मकान में रहता था, जबकि सपना का पति घर पर ही रहता है। सपना की कोई संतान नहीं है। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ वर्ष पहले भी वह एक बच्ची को लेकर घूम रही थी। पूछने पर बताती थी कि गोद लिया है।

बाद में बच्ची के न दिखने पर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह मर गई। ग्रामीणों का आरोप है कि सपना ने उसको भी कहीं बेच दिया होगा। यही नहीं सपना के खाते में पिछले दिनों एक बड़ी धनराशि आने की भी चर्चा है। ये धनराशि कहां से आई अभी इसकी जांच होनी है। सोमवार को रक्षाबंधन की छुट्टी होने के कारण इसकी जांच नहीं हो सकी थी।

दादी के सहारे रहती है अनुष्का... आसन गांव निवासी जिस बालिका अनुष्का का अपहरण हुआ था। उसके पिता की मौत नवंबर 2023 में हो गई थी। उसकी 12 वर्ष की एक और बहन है। दोनों दादी के साथ गांव में रहती हैं। मां घर संभालने के लिए बाहर नौकरी करती है।

अमरोहा में जल ले जा रहे कांवड़ियों का रास्ता रोका, जमकर हंगामा

हसनपुर। सावन के अंतिम सोमवार पर जल लेकर जा रहे शिव भक्तों का रास्ता रोकने को लेकर हंगामा हो गया। शिवभक्तों ने हसनपुर अतरासी मार्ग पर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शिव भक्तों को समझाकर मामला शांत कराया। मामले में रास्ता रोकने की कोशिश के आरोप में तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

बताते हैं कि कोतवाली क्षेत्र के गांव चकौरी निवासी राजकुमार चौहान, अमरपाल चौहान, सचिन चौहान, अनुज चौहान, अंकित चौहान, मोहित चौहान समेत 30 से 40 शिव भक्तों का जत्था सोमवार को सुबह करीब 7:00 बजे हरिद्वार से जल लेकर डाक कांवड़ के साथ अपने गांव जा रहा था। गांव बामनखेड़ी में चार युवकों ने शिव भक्तों को रोकने की कोशिश की। कहा कि इस रास्ते से ना जाएं। इसी को लेकर से भक्तों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने हसनपुर अतरासी मार्ग पर जाम लगा दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई।

सीओ दीप कुमार पंत ने लोगों को समझाकर शांत कराया। करीब डेढ़ घंटे तक जाम लगा रहा। सीओ दीप कुमार पंत का कहना है कि मामूली बात पर शिव भक्तों से कुछ लोगों की कहानी हो गई थी। तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया है कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दूसरे समुदाय के युवक को बेचा मकान मोहल्ले के लोगों ने किया विरोध

बरेली बरेली के किला थाना क्षेत्र के पंजाबपुरा की वकीलों वाली गली में एक ही समुदाय के लोगों की घनी आबादी है। वहां एक युवक ने अपने मकान को दूसरे समुदाय के युवक को बेच दिया है। इसका पता वहां रहने वाले लोगों को चला तो उन लोगों ने सोमवार को हंगामा कर दिया। लोगों ने सामूहिक पलायन लिखे बैनर थामकर नारेबाजी की। काफी देर तक प्रदर्शन किया। सामूहिक पलायन करने की चेतावनी दी। काफी देर तक वहां गहमागहमी का माहौल रहा। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि उस गली में दूसरे समुदाय का एक भी मकान नहीं है। युवक ने अपना मकान दूसरे समुदाय के व्यक्ति को बेचकर माहौल खराब करने का प्रयास किया। वह लोग किसी भी कीमत पर दूसरे समुदाय को वहां रहने नहीं देंगे। सूचना पर पहुंचे किला इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह ने विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझा कर हटा दिया। प्रदर्शन करने वाले लोगों ने मंगलवार को डीएम और एसएसपी से शिकायत करने की बात कही है।

जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल ने सोनभद्र में बंधवाई राखी

सोनभद। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा को सोनभद्र के आमडीह में बहन आभा राय ने राखी बांधी। बहन से राखी बंधवाने उप राज्यपाल रविवार को ही आमडीह पहुंच गए थे। दोपहर में भद्रा काल खत्म होने के बाद बहन ने उन्हें राखी बांधी और तिलक लगाकर आरती उतारी। इसके बाद उप राज्यपाल वाराणसी के लिए रवाना हो गए। उप राज्यपाल की मौजूदगी को लेकर पुलिस प्रशासन चौकन्ना रहा। एक दिन पहले से ही गांव में सुरक्षा प्रबंध कड़े कर दिए गए थे। भारी फोर्स तैनात रही। इस दौरान वह मीडिया से दूर रहे। घर में भी पारिवारिक सदस्य और बेहद करीबी लोगों की ही मौजूदगी थी।

मना करती रहीं बहनें, काल की तरफ बढ़ गया भाई, राखी बांधने से पहले आंखों के सामने मौत

आगरा उत्तर प्रदेश के आगरा में रक्षाबंधन से एक दिन पहले रविवार को दिल दहलाने वाला हादसा हो गया। यहां दो बहनों की आंखों के सामने उनका भाई यमुना में डूब गया। घटना के बाद बहनें बिलखकर यही कहती रहीं कि यमुना मैया ने राखी भी नहीं बांधने दी। युवक बहनों के साथ बटेश्वर में दर्शन पूजन को आया था। मना करने के बावजूद नहाने के लिए नदी में उतर गया।

बटेश्वर के पंचमुखी महादेव मंदिर के घाट पर फिरोजाबाद जिले के ब्रह्माबाद गांव निवासी अमन कुमार (19) की यमुना में डूबने से मौत हो गई। वह अपनी बहनों नीतू और राखी के साथ यमुना स्नान और दर्शन-पूजन के लिए यहां आया था। आंखों के सामने भाई के डूब जाने से रो-रोकर बहनों की हालत खराब हो गई।सीढ़ियां उतरते समय मना कर रही थीं बहनें

अस्पताल में भाई का शव देख बिलखतीं नीतू और राखी बोलीं कि अमन नदी में नहाने के लिए सीढ़ियां उतर रहा था। दोनों उसे मना करतीं रह गईं। पलक झपकते ही यमुना ने उसे लील लिया। रक्षा बंधन पर उसकी कलाई पर राखी भी नहीं बांधने दी। नीतू की इसी साल शादी हुई है। उसने भाई के लिए स्पेशल राखी खरीदी थी।

दो बेटों में बड़ा था अमन... किसान धर्मेंद्र सिंह के दो बेटे बड़ा अमन कुमार, छोटा देवेश और तीन बेटियां नीतू, राखी और स्वार्थी हैं। दोनों बहनों ने बताया कि अमन बटेश्वर में स्नान और दर्शन के लिए उन्हें जिद कर लाया था। एक दिन पहले ही दिल्ली से घर पर रक्षा बंधन मनाने आया था। वर्मी, शव जैसे ही घर पहुंचा, पिता के अलावा मां सरला देवी सुध-बुध खो बैठीं।

इसी घाट पर शनिवार को डूबे थे दो सगे भाई... शनिवार की दोपहर बटेश्वर के पंचमुखी महादेव मंदिर के घाट पर स्नान करते समय शिकोहाबाद के नौशेरा गांव के सगे भाई आर्यन एवं वंश पुत्र नरेश कुशवाह की यमुना नदी में डूबने से जान गई थी। दोनों चाचा राजेश के साथ भंडारे में शामिल होने के लिए बटेश्वर आए थे।

लगाया चेतावनी बोर्ड, घाट पर बांधी रस्सी... दो दिनों में पंचमुखी महादेव मंदिर घाट पर डूबने से 3 युवकों की मौत होने के बाद रविवार को प्रशासन ने चेतावनी बोर्ड लगा कर रस्सी बंधवा दी है। बोर्ड पर लिखा है कि घाट यमुना की गहराई 40 फीट से अधिक है, इस घाट पर न नहाएं।

जलस्तर बढ़ने के साथ बढ़ा बहाव... एसडीएम बाह सृष्टि ने घाट पर स्नान रोकने के लिए पुलिस अधिकारियों से भी बात की है। यमुना नदी का जलस्तर बढ़ा है। बहाव भी तेज है। हादसे के खतरे के मद्देनजर प्रशासन ने सोमवार के स्नान पर्व को लेकर सतर्कता बरतने का निर्णय लिया है।

राज्यसभा चुनाव 2024: बिहार बीजेपी से किसकी लगेगी लॉटरी,'RRP' के नामों पर जोरों पर चर्चा

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार से बीजेपी किसे राज्य सभा भेजेगी? हालांकि इस नाम का खुलासा एक दो दिन में हो जाना है। पर जातीय तुष्टिकरण की राह पर यह माना जा रहा है कि इस बार अगड़ी या पिछड़ी जाति से उस जाति को जायेगा जो इधर अपनी भागीदारी से एक हद तक वंचित रहा है। बीजेपी संगठन के अंदर इस बात की चर्चा उफान मार रही है कि जातीय समीकरण को ठीक करने के लिए खुद को सत्ता की भागीदारी में वंचित बताने वाले समाज से ही कैंडिडेट चुने जाएंगे।

पिछले रविवार को प्रदेश चुनाव अभियान समिति की बैठक में 17 में से शामिल 12 सदस्यों ने लगभग हर जाति के नामवर नेताओं पर चर्चा की। और चर्चा के बाद सभी जाति से एक या दो नाम की सूची बना कर चुनाव समिति की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल को सौंप दी। इस पर अंतिम निर्णय के लिए डॉ. जायसवाल और संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया को अधिकृत कर दिया गया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सवर्ण में इस बार कायस्थ और राजपूत जाति से जिन एक नाम की चर्चा है वह नाम ऋतुराज सिन्हा और आरके सिंह का। पिछड़ी जाति से जिस एक नाम की चर्चा है वह कुर्मी से प्रेम पटेल का भेजा गया है।

दरअसल, गत लोक सभा में ही ऋतुराज सिन्हा के बारे में चर्चा थी कि पटना साहिब से चुनाव लड़ेंगे। लेकिन तब बाजी रवि शंकर के हाथ जा लगी। तभी यह चर्चा शुरू हो गई थी कि वह राज्य सभा जायेंगे। पिछड़ी जाति से इस बार बाजी कुर्मी जाति के नेता और कई बार के विधायक रहे प्रेम रंजन पटेल के हाथों जा सकती है। कहा जा रहा है कि इसके पहले भी चर्चा प्रेम रंजन पटेल को लेकर हुई थी। लेकिन तब भाजपा के अंदरूनी राजनीति के कारण बाजी जदयू से आए शंभू पटेल के हाथ जा लगी थी। इस बार फिर कई दशकों से भाजपा की राजनीति कर रहे प्रेम रंजन पटेल को लेकर चल रही है।

प्रदेश चुनाव समिति ने अपनी तरफ से छोटी सूची केंद्रीय चुनाव समिति को भेज दी है। अब यह निर्भर करता है कि केंद्रीय चुनाव समिति किस नाम पर अपनी मुहर लगाती है। आम तौर पर प्रदेश चुनाव समिति की सिफारिश वाली सूची में से किसी नाम की मुहर लग जाती है। पर कभी-कभी केंद्रीय चुनाव समिति जरूरी समझती है तो भेजी गई सूची से इतर नामों की घोषणा कर देती है। सूत्रों की माने तो शंभू पटेल को राज्य सभा और अनामिका सिंह पटेल को विधान परिषद भेजे जाने का फैसला केंद्रीय चुनाव समिति का था।

9 राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों पर चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी हो चुकी है। 14 अगस्त को नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा तो वहीं 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन होगा। 22 अगस्त को स्क्रूटिंग होगी। अगर जरूरत पड़ी तो तीन सितंबर को होंगे चुनाव और शाम पांच बजे परिणाम घोषित भी हो जायेंगे।

नीतीश सरकार अब बेचेगी साग-सब्जी सहकारिता विभाग का नया प्लान

दीपक कुमार तिवारी/भवेश कुमार

पटना। बिहार के किसानों के लिए अच्छी खबर है। राज्य सरकार जैविक खेती करने वाले किसानों की मदद के लिए आगे आई है। नीतीश सरकार ने फैसला किया है कि जैविक खेती करने वाले किसानों को उनके उत्पादों का बाजार मुहैया कराया जाएगा। इसके लिए सहकारिता विभाग ने एक योजना बनाई है। इस योजना के तहत, विभाग राज्य में सब्जी बूथ खोलेगा, जहां किसान अपनी उपज बेच सकेंगे। पहले चरण में, पटना समेत प्रमुख शहरों में 15 बूथ खोले जाएंगे। यह एक तरह का ट्रायल होगा। अगर इन बूथों पर बिक्री बढ़ती है, तो आगे और भी बूथ खोले जाएंगे। सहकारी संघों के जरिए इन बूथों पर ताजी जैविक सब्जियां उपलब्ध कराई जाएंगी। बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने बताया कि सचिवालय और अन्य 15 इलाकों में सब्जी बूथ खोलने की योजना है। इस बारे में जल्द ही फैसला लिया जाएगा। सरकार जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है। इसी के तहत विभाग ने भी जैविक सब्जियों की बिक्री को बढ़ावा देने का फैसला लिया है।

जैविक खेती में लागत ज्यादा आती है। इसलिए जैविक सब्जियों का दाम भी ज्यादा होता है। लेकिन बाजार में सस्ती सब्जियां आसानी से मिल जाती हैं। इसलिए किसानों को अपनी जैविक उपज बेचने के लिए स्थानीय स्तर पर बाजार नहीं मिल पाता है। मजबूरन उन्हें अपनी उपज कम दाम पर ही बेचनी पड़ती है। सब्जी बूथों के जरिए किसानों को जैविक सब्जियों का उचित दाम दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

आज कल लोग ऑनलाइन भी सब्जियां खरीद रहे हैं। मार्ट से लोग सब्जी खरीद सकते हैं। मार्ट से कई होटल, इस्कॉन मंदिर जैसी संस्थाएं सब्जी खरीद रही हैं। सामान्य दिनों में तरकारी मार्ट के जरिए रोजाना 75 हजार से एक लाख रुपये तक की सब्जी बिक रही है। वेजफेड के जरिए वर्ष 2019 से अब तक 74251 टन सब्जी बेचकर 130 करोड़ रुपये से अधिक का टर्नओवर हुआ है।

इससे पहले, राजधानी में कृषि विभाग के उद्यान निदेशालय की ओर से सब्जी बिक्री केंद्र खोला गया था। पंत भवन में इसकी दुकान थी। यहां सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की मदद से सब्जी बेची जा रही थी। यह योजना सफल नहीं हुई तो विभाग ने इसे फ्रेंचाइजी को दे दिया। अभी यह दुकान नहीं खुलती है।

शर्मनाक! गोद में बच्चे का शव लेकर रो रहे थे परिजन तब ही गार्ड ने चला दी लाठी,दौड़ा-दौड़ाकर मारा

संवाददाता।

पटना/नालंदा। बिहारशरीफ के सदर अस्पताल में एक बच्चे की मौत के बाद हाहाकार मच गया। गुस्साए परिजनों ने अस्पताल कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाया, जिसके बाद ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने उनपर हमला कर दिया। गार्ड ने बच्चे का शव गोद में लिए परिजनों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, जिसमें एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आईं। घटना रहुई के बरांदी गांव की है, जहां गुड्डू यादव का 8 साल का बेटा गुलशन कुमार एक तालाब में डूब गया। परिजन उसे तुरंत रहुई अस्पताल ले गए, जहां से उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बच्चे के पिता गुड्डू यादव ने आरोप लगाया कि सदर अस्पताल में आधे घंटे तक कोई डॉक्टर या कर्मचारी उनकी मदद के लिए नहीं आया। आखिरकार एक डॉक्टर ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। इस पर परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया और लापरवाही का आरोप लगाया। परिजनों का आरोप है कि हंगामा देखकर अस्पताल का गार्ड आग बबूला हो गया और उसने उन पर हमला कर दिया। गार्ड ने बच्चे का शव गोद में लिए परिजनों को भी नहीं बख्शा और लाठी से पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में दिलखुश कुमार नाम के व्यक्ति की आंख में गंभीर चोट आई है।

हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया। थानाध्यक्ष कुणाल कुमार ने गार्ड के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। बच्चे का पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। अस्पताल उपाधीक्षक डॉ अशोक कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गायघाट लोजपा के नेताओं ने थामा राजद का दामन,विधायक ने दिलाई सदस्यता

दीपक तिवारी।

■ **कहा:एनडीए में हो रहा था घुटन,सभी जाति को साथ ले चलने वाली पार्टी है राजद**

■ **तेजस्वी में है उम्दा नेतृत्व क्षमता,2025 की सरकार बनाएगी राजद**

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट एनडीए परिवार को फिर झटका लगा है। लोजपा के नेताओं ने अब राजद की सदस्यता ग्रहण की है। गायघाट प्रखंड के भूसरा में आयोजित "मिलन समारोह" की अध्यक्षता दहिला पटशर्मा पंचायत के पैक्स अध्यक्ष राजेश रंजन ने किया। मिलन समारोह में लोजपा के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, धर्मेंद्र कुमार सिंह,वार्ड सदस्य सत्येंद्र कुमार सिंह,विकास सिंह,आलोक सिंह, दिलीप राम,संजीव कुमार सिंह अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ तेजस्वी प्रसाद यादव के विचारधारा से प्रभावित होकर गायघाट विधायक निरंजन राय की मौजूदगी में राष्ट्रीय जनता दल का सदस्यता ग्रहण किया। सभी लोगों को फूल माला और अंग वस्त्र पहनाकर राजद प्रखंड अध्यक्ष पांचू महासेठ ने सदस्यता ग्रहण करवाया। समारोह को संबोधित करते हुए गायघाट विधायक निरंजन राय ने कहा कि राजद "ए टू जेड" की पार्टी है। राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव "ए टू जेड" को साथ लेकर चलने वाले एक वाहिद नेता हैं, जो समान रूप से सबके उत्थान और विकास के लिए काम करते हैं। मिलन समारोह को संबोधित करने वालों में प्रमुख रूप से जिला राजद प्रवक्ता अरविंद राय, जिला महासचिव फूलबाबू राय, प्रखंड उपाध्यक्ष दिनेश राय,रौशन सिंह,परशुराम राम, प्रेमशंकर सहनी, डॉ. सुरेंद्र राय ,मोहन यादव, पंसस ललिता देवी, वार्ड सदस्य रंजू देवी, विजय कुमार सिंह आदि ने सम्बोधित किया।

दलित लड़की की हत्या मामले मे मुख्य आरोपी संजय राय गिरफ्तार

भवेश कुमार

मुजफ्फरपुर। जिले के पारू में दलित लड़की की हत्या मामले में मुख्य आरोपी संजय राय को गिरफ्तार कर लिया गया है। वारदात के मुख्य आरोपी संजय यादव के अलावा उसके तीन साथियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मुजफ्फरपुर एसएसपी राकेश कुमार ने इसकी गिरफ्तारी की पुष्टि कर दी है। 14 वर्षीय दलित नाबालिग लड़की की हत्या मामले में पुलिस ने आरोपी संजय राय के घर की कुर्की जब्ती भी की थी। आरोपी का एक अन्य सहयोगी पहले ही गिफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस ने कल ही उसके घर पर बुलडोजर चलाया था। हत्या का ये मामला राजनीतिक रूप ले चुका है। आरोपी की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की जा रही थी। बीते 12 अगस्त को पारू थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की की हत्या का मामला सामने आया था। मृतका की मां के बयान पर संजय यादव सहित अन्य सहयोगियों के खिलाफ हत्या और दुष्कर्म का केस पुलिस ने दर्ज किया था।मामला दर्ज होने के बाद से सभी आरोपी फरार हो गए थे।

प्राथमिकी में लड़की के परिजनों ने दुराचार का आरोप भी लगाया था, हालांकि एसएसपी राकेश कुमार ने साफ कर दिया था कि नाबालिग के साथ दुराचार नहीं हुआ है, मेडिकल जांच में इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी। इसी बीच इस मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली। मुख्य आरोपी संजय यादव सहित उसके तीन सहयोगियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अन्य करीब आधा दर्जन लोगों को संदेह के आधार पर पूछताछ के लिए पुलिस ने उठाया है। मुख्य आरोपी संजय यादव वारदात के बाद से ही फरार था, जिसके चलते कोर्ट से आदेश के बाद आरोपी के घर को बुलडोजर तोड़ा गया था। एक ट्रैक्टर ट्रॉली में भरकर उसके घर का सामान निकाल लिया गया है। इस मामले में संजय यादव को भागने में मदद करने वाले आरोपी को पुलिस ने पकड़ा है।

बिहार के सुपौल में 250 ट्रेनी जवानों की तबीयत बिगड़ी,फूड पॉइजनिंग के हुए शिकार

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/सुपौल। बिहार के सुपौल में इंडो-नेपाल बॉर्डर से सटे भीमनगर स्थित बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के 250 ट्रेनी जवान फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए हैं. सभी बीमार जवानों का वीरपुर अनुमंडल अस्पताल में उपचार जारी है. बता दें कि यह जवान बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस की 12वीं एवं 15वीं बटालियन में ट्रेनिंग के लिए आए थे. बताया जा रहा है कि रविवार की दोपहर ये सभी ट्रेनी जवान भोजन किए थे. देर शाम से अचानक सभी की तबियत बिगड़ने लगी है. जवानों को उल्टी और दस्त हो रहे हैं. रात 11 बजे तक लगभग 250 जवान अनुमंडल अस्पताल वीरपुर पहुंच गए हैं.

जानकारी के मुताबिक पूरे बिहार के सभी जिले से करीब 400 पीएसआई जवान सुपौल के वीरपुर में ट्रेनिंग कर रहे हैं. वहीं घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है. वीरपुर एसडीएम नीरज कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित तमाम आलाधिकारी अस्पताल में मौजूद हैं. जवानों ने बताया कि लगातार ट्रेनिंग के दौरान खाना खराब मिल रहा था. इसका लगातार जवानों के द्वारा विरोध भी किया जा रहा था. वहीं रविवार को आखिरकार खाना खाने के बाद ट्रेनिंग कर रहे जवानों की तबियत बिगड़ने लगी. इस दौरान जब वहां जवान पहुंचे तो खाना बनाने की जगह पर उन्होंने जहरीले पदार्थ की पुड़िया देखी गई थी. लगातार जवानों के तबियत बिगड़ने का सिलसिला जारी है.

अंतिम सोमवारी पर सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में उमड़ी भीड़

संवाददाता।

मोतिहारी । उतर बिहार के प्रसिद्ध अरेराज सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में सावन के अंतिम सोमवारी को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। शिव भक्त हाथो में जल ले कर बोल बम के नारे लगाते हुए नजर आ रहे थे। जिससे पूरा माहौल भक्ति मय हो गया है। बाबा सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर का पट रात 12 बजे ही खोल दिया गया।अब तक एक लाख से अधिक शिव भक्तों ने जलाभिषेक कर लिया है। अभी भी भक्तों की लंबी लाइन लगी है। भक्तों को जल चढ़ाने में कई परेशानी ना हो इसे लेकर मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन की तरफ से विशेष व्यवस्था की गई है।

महिला शिव भक्त और बुजुर्गों को कोई परेशानी न हो इसको लेकर मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन महिला पुलिस बल की तैनाती की है। ताकि बिना किसी परेशानी के वह आसानी से बाबा सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर पर जल चढ़ा सके।अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार ने बताया कि सुरक्षा को लेकर पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके अलावा सिविल ड्रेस से में भी मेले का भ्रमण कर रहे है। वहीं असामाजिक तत्व पर विशेष नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरा पर नजर रखा जा रहा है।

मुजफ्फरपुर नाबालिग लड़की हत्याकांड में बड़ा खुलासा प्रेम प्रसंग में हुआ मर्डर,आरोपी सहित 5 गिरफ्तार

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के चर्चित महादलित नाबालिग हत्या कांड मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है. पुलिस ने कहा कि नाबालिग की हत्या प्रेम प्रसंग में हुई थी. आरोपी और मृत लड़की के बीच 1 महीने के अंदर 422 बार फोन कॉल से बात हुई थी. घटना के दिन भी पीड़ित और उसके परिजन से आरोपियों की बात हुई थी. पुलिस के गिरफ्त से फरार चल रहे मुख्य आरोपी संजय यादव को बस से भागने के दौरान अररिया से गिरफ्तार किया गया है. साथ ही घटना में शामिल पांच आरोपियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है.

बता दें कि पुरा मामला मुजफ्फरपुर जिले के पारू थाना क्षेत्र के लालू छपडा पंचायत के गोपालपुर नया टोला गांव का है. जहां बीते दिनों महादलित नाबालिग का शव गांव के ही एक पोखर के समीप से अर्द्धनग्न स्थिती में बरामद किया गया था. घटना को अंजाम देने के बाद मुख्य आरोपी संजय यादव के साथ उसका सहयोग करने वाले सभी आरोपी घर छोड़कर फरार हो चुके थे. परिजनों ने गांव के ही रहने वाले संजय यादव पर अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर उसकी बेटी को घर से अगवा कर दुष्कर्म के बाद हत्या करने का आरोप लगाया था.

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी राकेश कुमार के निर्देश पर एसडीपीओ सरैया कुमार चंदन के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम का गठन किया गया था. साथ में डिआईयू की टीम भी लगातार आरोपी के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी. आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने के बाद घटना के महज 6 दिनों के अंदर ही कोर्ट से आदेश निर्गत होने के बाद आरोपी संजय यादव के घर पर यूपी मॉडल की तरह बुलडोजर से कुर्की कर दिया गया. बिहार में बुलडोजर वाली कार्रवाई इसलिए किया गया की घटना को कोई भी अपराधी अंजाम देंगे तो उनको या तो एनकाउंटर का सामना करना पड़ेगा या फिर उनके घर को बुलडोजर से ढाई जाएगी.

पूरे मामले को लेकर एसएसपी राकेश कुमार ने बताया कि नाबालिग को अगवा करने के बाद दुष्कर्म नहीं किया गया बल्कि प्रेम प्रसंग में उसकी हत्या हुई है. वहीं आरोपी और नवालिंग के बिच एक महीने में 422 बार फोन पर बात करने का सबूत भी पुलिस को कॉल डिटेल से प्राप्त हुआ है. एसएसपी ने बताया कि हत्या के दिन भी रात को नाबालिग से आरोपी को बात हुई थी. जिसके बाद नाबालिग लड़की आरोपी के बताए जगह पर पहुंचीं थी. वही संजय यादव ने अपने अन्य सहयोगी के साथ मिलकर नाबालिग की हत्या कर दी थी. अब मुख्य आरोपी संजय यादव को अररिया जिले से गिरफ्तार किया गया है. उसकी निशानदेही पर तीन अन्य आरोपी की भी गिरफ्तारी की गई है और मुख्य आरोपी को घर से भागने वाले एक आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है.

बिहार से पहली बार दिल्ली गया पटना के कारोबारी का बेटा, जाते ही हुआ 'गायब',परिवार को अनहोनी का डर

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/नई दिल्ली। बिहार के पटना में एक कारोबारी का बेटा पहली बार दिल्ली आते ही संदिग्ध हालात में लापता हो गया। परिवार किडनैपिंग या हत्या की आशंका जताते हुए पटना से दिल्ली पहुंचा। करीब एक हफ्ते से दिल्ली के संभावित ठिकानों पर खोज रहा है। मंगोलपुरी थाने में कंप्लेंट देकर पुलिस से मामले की गुत्थी को सुलझाने की गुहार लगाई है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 140(3) (किसी को जबरदस्ती अगवा कर किसी गुप्त जगह पर बंदी बनाकर रखना) के तहत मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है। आधी रात को करीब 1 बजे एक सीसीटीवी फुटेज में लापता लड़के के पास एक ट्रक दिखाई देता है। ट्रक के जाते ही लड़का भी गायब है। पुलिस की टीमें सभी पहलुओं पर तहकीकात कर रही हैं।

पुलिस के मुताबिक, लापता लड़के का नाम पंकज है। उसके छोटे भाई चंदन ने बयान दिया कि वह मूल रूप से पटना के रहने वाले हैं। पिता नगेंद्र राय बिजनेसमैन हैं, 6 ट्रक हैं जो पटना में चलते हैं। गांव में खेती है। चंदन ने पुलिस को बताया कि बड़े भाई पंकज के साथ में तीन लड़के और एक लड़की दिल्ली के लिए घर से निकले थे।

आरोप है कि इन सभी को गांव का एक युवक जो पिछले 20 साल से दिल्ली में रह रहा है, वो जॉब के नाम पर बुलाकर लाया था। मां-पिता के मना करने पर भी पंकज इनके बहकावे में 4 अगस्त को दिल्ली आ गया। 5 अगस्त को मंगोलपुरी स्थित एक कंपनी से लौटकर रात में करीब 9 बजे अपनी पत्नी से पंकज ने फोन पर बात की। फिर खाना खाने के बाद बात करने को कहा। उसके बाद फोन नहीं आया।

6 तारीख की सुबह मां ने फोन किया। गांव से आए लड़कों में से एक ने फोन उठाया, लेकिन वह सही जवाब नहीं दे पाया। चंदन का दावा है कि मां के पूछने पर उस लड़के ने कहा कि पिस्तौल दिखाकर पंकज को कोई अगवा कर ले गया है। पंकज के साथ आई लड़की ने बताया कि उसकी चप्पल, मोबाइल, बैग सब यहीं पर पड़े हैं। इसके बाद परिवार को अनहोनी की आशंका हुई।

7 अगस्त को परिजन दिल्ली पहुंचे। खोजबीन के बाद परिजनों ने मंगोलपुरी थाने में शिकायत दी। परिजनों ने साथ आई उस लड़की की मां पर शक जताया है। क्योंकि पंकज का उस लड़की की मां से निजी संपर्क था। परिजनों को शक है पंकज का अपहरण कर हत्या की गई है। तीन दिन पहले मंगोलपुरी पुलिस ने संबंधित धारा में केस दर्ज कर लिया है।

बिहार में जमीन सर्वे का असली वजह यह है, नीतीश को जनता के साथ-साथ सरकार की भी चिंता?

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार में जमीन के रिकॉर्ड को अपडेट करने और ज्यादा पारदर्शी बनाने के लिए 20 अगस्त से सर्वे शुरू हो रहा है। यह सर्वे राज्य के 45 हजार से अधक गांवों में होगा। इस सर्वे के जरिए जमीन से जुड़े विवादों को सुलझाने और असली मालिकों की पहचान करने में मदद मिलेगी। सरकार को यह भी पता चल सकेगा कि कितनी जमीन सरकारी है और उस पर किसका कब्जा है। बिहार के सभी राजस्व गांवों में ग्राम सभा का आयोजन करके लोगों को इस बारे में जानकारी दी जाएगी।

दरअसल, इस सर्वे का मकसद है जमीन के रिकॉर्ड को और भी पारदर्शी बनाना। इससे ना सिर्फ जमीन से जुड़े विवाद कम होंगे बल्कि यह भी पता चल सकेगा कि जमीन का असली मालिक कौन है। साथ ही, सरकार को यह जानने में मदद मिलेगी कि बिहार में कितनी जमीन सरकारी है और उस पर किसका कब्जा है। बता दें कि गैरमजरूआ जमीन को लेकर अक्सर विवाद होते रहता है। जनता दरबार में भी कई बार इस तरह के केस सामने आए हैं। इतना ही नहीं, सरकार को गरीबों को घर बनाने के लिए जमीन देने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अगर गांव-गांव सर्वे हो जाता है तो सरकार आसानी से गरीबों को सरकारी जमीन मुहैया करा देगी।बिहार में होने वाले इस भू-सर्वेक्षण और बंदोबस्ती की प्रक्रिया को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए ग्राम सभा का आयोजन किया जा रहा है। सभी राजस्व गांवों में ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। इस ग्राम सभा में लोगों को जमीन सर्वे से जुड़ी सारी जानकारी दी जाएगी। जैसे कि जमीन के कागजात कैसे जमा करने हैं और कौन-कौन से कागजात जरूरी है। सर्वे के लिए अगर जमीन आपके पूर्वजों के नाम पर है और अब वे जीवित नहीं हैं, तो उनकी मृत्यु तिथि या मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी। आपके पास जो भी जमाबंदी या मालगुजारी रसीद है, उसकी संख्या और वर्ष का विवरण देना होगा। अगर आपके पास खतियान की कॉपी है तो उसे भी साथ में लगाना होगा।

अगर आपके पास जमीन से संबंधित कोई और दस्तावेज हैं, जैसे की खरीद-बिक्री के कागजात, तो उन्हें भी साथ में लगाना होगा। अगर आपके पास जमीन से जुड़ा कोई कोर्ट का आदेश है तो उसकी कॉपी भी लगानी होगी। आवेदक या हित प्राप्त करने वाले व्यक्ति के उत्तराधिकारी (वारिस) के बारे में एक प्रमाण पत्र भी जमा करना होगा, जिसके जरिए आपको यह साबित करना होगा कि आप ही जमीन के असली उत्तराधिकारी (वारिस) हैं। इसके साथ ही आवेदनकर्ता के आधार कार्ड की फोटो कॉपी भी जरूरी होगी।

जमीन सर्वे के लिए आप ऑनलाइन या ऑफलाइन, दोनों तरीकों से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के लिए आप राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की वेबसाइट या फिर बिहार सर्वे ट्रैकर मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप ऑफलाइन आवेदन करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपने जिले में लगे शिविर में जाना होगा। आवेदन करते समय आपको जमीन का विवरण प्रपत्र दो भरकर जमा करना होगा। साथ ही आपको एक सेल्फ डिक्लेरेशन फॉर्म भी भरकर देना होगा।

चरण सिंह

विचार

अब केंद्र के नेता भी पढ़ेंगे योगी की तारीफ में कसीदे!

जो उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खामियों को गिना रहे थे, सरकार से बड़ा संगठन कहकर सीएम योगी पर निशाना साध रहे थे। जिन केशव प्रसाद मौर्य के पीछे दूसरे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी, विधायक रमेश मिश्रा यहां तक कि अपना दल की सांसद अनुप्रिया पटेल भी इस घेराबंदी सक्रिय हो गई थीं। वह केशव प्रसाद मौर्य अब योगी आदित्यनाथ की तारीफ में कसीदे पढ़ रहे हैं। योगी आदित्यनाथ को देश का सबसे अच्छा मुख्यमंत्री बता रहे हैं। ऐसे में यह प्रश्न हर किसी के मन में कौंध रहा होगा कि जब केशव प्रसाद मौर्य के पीछे गृहमंत्री अमित शाह का हाथ बताया जा रहा था तो फिर किसके दबाव में केशव प्रसाद मौर्य को शांत कर दिया गया कि वह योगी आदित्यनाथ की तारीफ करने को मजबूर हो गये।

दरअसल योगी आदित्यनाथ के पक्ष में न केवल आरएसएस बल्कि केंद्र सरकार के मंत्री और भाजपा के कई मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री खुलकर सामने आ गये हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, राव इंद्रजीत सिंह और शिवराज चौहान के खड़े होने की बात समाने आ रही हैं। राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी मोर्चा खोलने को तैयार हैं। आरएसएस न केवल उत्तर प्रदेश का विवाद बल्कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर भी गंभीर है। हाल ही में आरएसएस में मोहन भागवत के बाद सबसे पावरफुल नेता दत्तात्रेय होसबले, संगठन महामंत्री बीएल. संतोष, बीजेपी और आरएसएस के बीच समन्वय का काम करने वाले अरुण कुमार, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की एक बैठक हुई है। इस बैठक में पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया गया कि अब दो नेताओं पर ही बीजेपी केंद्रित नहीं रहने वाली है।

जानकारी मिली है कि बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष आरएसएस की पसंद का होगा। आरएसएस ४ राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव तक मामले को ऐसे ही टाले रखना चाहता है। इसकी बड़ी वजह है कि इन चारों ही राज्यों में बीजेपी की हालत बड़ी खस्ता है। आरएसएस चाहता है कि ये चारों राज्यों के चुनाव इसी नेतृत्व में लड़े जाएं। यदि अध्यक्ष का चयन होने पर चुनाव होता है तो अमित शाह और मोदी को बचाव करने का मौका मिल जाएगा। बीजेपी नेतृत्व जल्द ही अध्यक्ष पद का चुनाव चाहती है। आरएसएस अब दो नेताओं के हाथ में पार्टी की बागडोर नहीं रहने देना चाहता है। अगले साल तक प्रधानमंत्री और गृहमंत्री बदल जाएं तो कोई बड़ा आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

इस समय जब पड़ोसी देश पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका जैसे देशों में अराजकता का आलम है तो देश को सुरक्षित रखने के लिए योगी आदित्यनाथ को केंद्र में लेने की मांग जोर-शोर से हो रही है। दरअसल जो जानकारी मिल रही है कि उसके हिसाब से योगी आदित्यनाथ को बीजेपी का चेहरा बनाने की तैयारी है। उत्तर प्रदेश उप चुनाव को जीतने के लिए आरएसएस ने सब कुछ टाइट कर रखा है। योगी आदित्यनाथ को खुलकर खेलने की छूट मिल चुकी है। पहले उत्तर प्रदेश और देश में योगी आदित्यनाथ के पीछे सभी नेताओं को खड़ा करने की तैयारी चल रही है। उम्मीद जताई जा रही कि पूर्व सीएम और मौजूदा कृषि मंत्री शिवराज चौहान को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

फिलहाल ठंडे बस्ते में

-रजनीश कपूर-

बीते सप्ताह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विधान सभा में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश किया गया। इस बिल को विधान सभा में तो पास कर दिया गया परंतु उत्तर प्रदेश विधान परिषद में इसका भारी विरोध हुआ जिसके चलते बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी की मांग पर इसे सदन ने पास करने की जगह प्रवर समिति को भेजने का फैसला लेकर इसे फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया। उत्तर प्रदेश में कड़े फैसले लेने के लिए मशहूर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लिया गया यह निर्णय सही जरूर प्रतीत होता है, परंतु जिस तरह इस विधेयक का विरोध उन्हीं की पार्टी द्वारा किया जा रहा है, तो ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में शायद कुछ संशोधन के साथ इसे पुनः पेश किया जाए। उल्लेखनीय है कि जिस भी जमीन का कोई वारिस न हो और वो सरकार के अधीन हो, उसे नजूल जमीन कहते हैं। गौरतलब है कि औपनिवेशिक शासन में अंग्रेजों द्वारा भारत में बड़ी संख्या में जमीनों पर कब्जा किया गया था, लेकिन आजादी के बाद जिस भी नागरिक के पास उसकी जमीन के दस्तावेज थे उन्हें उनकी जमीन वापस मिल गई, परंतु ऐसी कई जमीनें थीं जिनकी मिल्कियत के प्रमाण या जीवित स्वामी उपलब्ध नहीं थे। ऐसी जमीनों को सरकार ने अपने पास रखा, जिसे नजूल जमीन कहा गया। आजादी के बाद इस नजूल जमीन पर यदि कोई रह रहा था तो उससे सरकार ने किराया वसूलना शुरू किया और उस जमीन को लंबे समय के लिए लीज पर देना शुरू कर दिया। इसके बावजूद ऐसी कई नजूल जमीनें हैं जिन पर लोग अवैध कब्जा कर रह रहे हैं, परंतु जैसे ही उत्तर प्रदेश में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश हुआ, तो सरकार ने इस बात को स्पष्ट कर दिया कि जिस-जिस नजूल जमीन पर लोग गैरकानूनी ढंग से रह रहे हैं या जिन नजूल जमीनों की लीज का किराया सरकार को नहीं दिया जा रहा, उस नजूल जमीन को उत्तर प्रदेश की सरकार वापस ले लेगी और इस भूमि को सरकारी विकास कार्य के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। योगी जी द्वारा उठाया गया ये कदम सही था, परंतु विपक्ष को इस बात पर शक है कि विकास कार्य के नाम पर कहीं प्रदेश की लाखों करोड़ की हजारों एकड़ जमीन को अपने खास चुनिंदा लोगों के बीच बांट दिया जाएगा। इतना ही नहीं भाजपा के विधायक भी इस अधिनियम के विरोध में उतर आए हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में ऐसी कई जमीनें हैं जिन पर शागिर्द-पेशा वाले परिवार रह रहे हैं, जो सदियों से वहां रह रहे हैं, परंतु उनके पास कोई भी प्रमाण नहीं है। ऐसे में उनका क्या होगा? कई भाजपा विधायकों का तो यह भी कहना है कि एक तरफ तो प्रधानमंत्री आवास योजना से बेघर लोगों को घर दिए जा रहे हैं और वहीं दूसरी ओर जो गरीब दशकों से यहां रह रहे हैं उन्हें बेघर किया जा रहा है। तो भला ऐसे बिल का क्या औचित्य? जैसे ही इस अधिनियम पर राजनीति तेज हुई विपक्ष भी खुलकर सामने आया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर इसका विरोध जताते हुए लिखा, नजूल लैंड का मामला पूरी तरह से घर उजाड ?इ का फैसला है क्योंकि बुलडोजर हर घर पर नहीं चल सकता है। जनता को दुख देने में भाजपा अपनी खुशी मानती है। जब से भाजपा आई है, तब से जनता रोजी-रोटी-रोजगार के लिए भटक रही है, और अब भाजपाई मकान भी छीनना चाहते हैं। क्या भू-माफियाओं के लिए भाजपा जनता को बेघर कर देगी? अगर भाजपा को लगता है कि उनका ये फैसला सही है तो हम डंके की चोट पर कहते हैं, अगर हिम्मत है तो इसे पूरे देश में लागू करके दिखाएं क्योंकि नजूल लैंड केवल यूपी में ही नहीं पूरे देश में है। इ देखा जाए तो इस अधिनियम के विरुद्ध हो रहे विवाद में भाजपा और विपक्षी नेताओं का एतराज सही है। यदि सरकार को ऐसा अधिनियम लाना ही था तो उसे नजूल भूमि पर सदियों से बसे हुए परिवारों को पुनर्वास करने की योजना भी बनानी चाहिए थी। इसके हर पहलू पर गहन विचार के बाद ही इसे पेश किया जाना चाहिए था। चूंकि उत्तर प्रदेश और केंद्र दोनों ही जगह भाजपा की सरकार है तो योगी जी को प्रधानमंत्री मोदी से इस पर चर्चा करनी चाहिए थी। इसे भाजपा शासित किसी छोटे राज्य में लागू करना चाहिए था।

लाल किले से राष्ट्र के नाम संदेश था या विपक्ष पर हमला

अरुण श्रीवास्तव

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री का इस बार का संबोधन और संसद या चुनावी सभाओं में कही गई बातों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं दिखा। कुछ चीज परंपरागत होती हैं जैसे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव। हर बार सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने विचार व्यक्त करते हैं। हर बार सत्ता पक्ष विपक्ष की आलोचना करता है तो विपक्ष सरकार को कोसता है। यह बात यहीं तक सीमित रहे तो भी समझ में आती है लेकिन इस बार तो हद हो गई। सरकार द्वारा अपनी उपलब्धियों का बखान करने और जनता को सब जवाब दिखाने को किनारे भी रख दे तो भाषण के कुछ अंश परंपरा के खिलाफ जाते हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करने की बात कही और कहा कि इसके लिए उन्हें भारी कीमत भी चुकानी पड़ती है। अब तक क्या कीमत चुकाई कभी बताया नहीं।

अभी कुछ ही महीने हुए हैं चुनाव हुए बावजूद इसके पीएम मोदी हमेशा चुनावी मोड में ही रहते हैं और कोई मौका नहीं छोड़ते नेहरू परिवार को, राहुल को कोसने का। सीधा नहीं कोस पाते तो विपक्ष की आड़ लेकर कोसते हैं। अब तीसरे कार्यकाल पर लाल किले की प्राचीर वाले 11वें भाषण को ही ले लीजिए। पहले भ्रष्टाचार व परिवारवाद के बहाने विपक्ष पर हल्ला बोल दिया जबकि विपक्षी दलों से ज्यादा नहीं तो कम भी नहीं परिवारवाद और परिवारवादी सत्तारूढ़ दल और उसके गठबंधन में हैं और भ्रष्टाचारी भी।

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री का ही संबोधन होता है वह भी साल में एक बार। यह संबोधन आम संबोधनों से हटकर होता है और उसमें गंभीरता भी होती है भाषाई मयार्दा भी। चुनावी सभाओं व रैलियों में सामने बैठी भीड़ पार्टी के कार्यकताओं व समर्थकों की होती है पर स्वाधीनता दिवस और गणतंत्र दिवस समारोहों पर सामने मंत्री, सांसद, सेना के तीनों अंगों के मुखिया, सीजेआई, विभिन्न देशों के राजदूत व विदेशी मेहमान भी होते हैं। वो क्या सोचते होंगे?

आमतौर पर ऐसे संबोधनों में अपने सरकार की उपलब्धियों व भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी जानी चाहिए। आदर्श स्थिति तो यह है कि पिछली सरकारों के अच्छे कामों को भी रेखांकित किया जाना चाहिए। ऐसे अवसरों पर देश की उपलब्धियों की जानकारी देने के होते हैं न कि, अपनी सरकार की। नेतागण यह कब जानेंगे कि देश और सरकार में अंतर होता है ऐसा नहीं कि वो जानते नहीं वो अक्सर कहते भी हैं कि सरकारें तो आएंगी जाएंगी पर देश रहेगा लेकिन ये बात अमल में नहीं ला पाते या आदतन लाते नहीं।

गौरतलब है कि लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री का इस बार का संबोधन और संसद या चुनावी सभाओं में कही गई बातों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं दिखा। कुछ चीज परंपरागत होती हैं जैसे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव। हर बार सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने विचार व्यक्त करते हैं। हर बार सत्ता पक्ष विपक्ष की आलोचना करता है तो विपक्ष सरकार को कोसता है। यह बात यहीं तक सीमित रहे तो भी समझ में आती है लेकिन इस बार तो हद हो गई। सरकार द्वारा अपनी उपलब्धियों का बखान करने और जनता को सब जवाब दिखाने को किनारे भी रख दे तो भाषण के कुछ अंश परंपरा के खिलाफ जाते हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करने की बात कही और कहा कि इसके लिए उन्हें भारी कीमत भी चुकानी पड़ती है। अब तक क्या कीमत चुकाई कभी बताया नहीं। हां प्रधानमंत्री जी जिस पार्टी से गुजरात के सीएम और फिर देश के पीएम बने उस पार्टी ने तमाम कांग्रेसी नेताओं सहित अन्य विपक्षी दलों

पर भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े आरोप लगाए और कई के खिलाफ जांच की मांग की लेकिन बाद में उसे ही अपनी पार्टी में शामिल कर लिया। एक चुनावी सभा में तो उन्होंने एनसीपी को नेचुरल करप्ट पार्टी कहा तो उसके प्रमुख नेता अजीत पवार पर 70 हजार करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। आज अजीत पवार भाजपा में हैं तो उनके द्वारा लगाए गए 70 हजार करोड़ के आरोपों का क्या हुआ ? इसी तरह प्रधानमंत्री की पार्टी ने कभी असम के मुख्यमंत्री रहे हेमंता विश्व सरमा पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे और तृणमूल कांग्रेस के तमाम नेताओं, सांसदों विधायकों पर आरोप लगाए, जांच की मांग की कुछ पर जांच बैठा भी दी लेकिन बाद में उनको अपनी पार्टी में शामिल करा लिया। छगन भुजबल, प्रफुल्ल पटेल, अजीत पवार शुभेंदु अधिकारी, मिथुन चक्रवर्ती आदि थोक में नेता और कार्यकर्ता हैं जिनको भाजपा ने अपनी पार्टी में शामिल कराया। एक समय था जब भाजपा कांग्रेस के समय के आदर्श घोटाले पर जिन लोगों पर आरोप लगाती थी आज वही लोग भाजपा में शामिल हैं।

भ्रष्टाचार के बाद एक नजर परिवार और परिवारवाद पर। पीएम मोदी, उनकी पार्टी, उनकी सरकार और भगवा समूह की नजर में पूरे ब्रह्माण्ड में एकमात्र परिवार नेहरू-गांधी परिवार है, एकमात्र परिवारवादी राहुल गांधी हैं और परिवारवाद के एकमात्र लाभार्थी भी। नेहरू गांधी परिवार पर आरोप लगाने वालों को यह भी सोचना चाहिए कि देश की आजादी में नेहरू जी की तीन-तीन पीढ़ियों ने मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी ने संघर्ष किया था, जेल भी गए थे।

अमित शाह के बेटे जय शाह, राजनाथ सिंह के पुत्र पंकज सिंह, कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह, चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर, चौधरी चरणसिंह के पुत्र अजित सिंह व पौत्र जयंत चौधरी, विजय राजे सिंधिया के पुत्र माधवराव सिंधिया, पौत्र ज्योतिरादित्य सिंधिया, पुत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, यशोधरा राजे सिंधिया, नाती दुष्यंत सिंह, देवीलाल के ओमप्रकाश चौटाला, पौत्र अभय चौटाला, यशवंत सिन्हा के पुत्र जयंत सिन्हा, गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा मुंडे, प्रमोद महाजन की बेटी पूनम महाजन, सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज, पीयूष गोयल के पिता वेद प्रकाश गोयल राजनीति में थे पर भाजपा परिवारवादी नहीं सत्यवादी है। भाजपा को जो विपक्ष में रहता है और जब तक विपक्ष में रहता है तब तक परिवारवादी रहता है। मसलन जब तक टीडीपी, टीएमसी, पीडीपी, नेशनल कांफ्रेंस, अपना दल, जेडीएस, एलजेपी, आरएलडी, बीजद, अकाली दल और शिवसेना भाजपा में थे प्रगतिशील थे भाजपा से अलग होते ही प्रतिक्रियावादी हो जाते हैं। उदाहरण के लिए महबूबा मुफ्ती, अजित सिंह, जतिन प्रसाद, ममता बनर्जी, प्रकाश सिंह बादल, नवीन पटनायक, चिराग पासवान, अनुप्रिया पटेल, फारुख अब्दुल्ला आदि समय-समय पर कांग्रेस से बीजेपी में व बीजेपी से कांग्रेस में आते - जाते रहे ये लोग सुविधानुसार परिवारवादी हो जाते हैं तो सुविधानुसार गैर परिवारवादी। यही नहीं मौके की नजाकत को देखते हुए खुद मौकापरस्ती की राजनीति करते हैं। पिछले चुनाव में जयंत चौधरी अखिलेश यादव के साथ थे तो वे परिवारवादी थे चुनाव करीब आते ही चरणसिंह को भारत रत्न दे दिया गया और जयंत सिंह भाजपा की गोद में बैठ लिए। इसी तरह कभी राजीव गांधी के करीबी रहे जितेन्द्र प्रसाद व माधवराव सिंधिया के पुत्र जतिन प्रसाद और ज्योतिरादित्य सिंधिया आज भाजपा की गोद में बैठे हैं तो परिवारवादी नहीं हैं और तब तक नहीं रहेंगे जब तक भाजपा में रहेंगे। इसी तरह उद्धव ठाकरे लंबे समय तक भाजपा के साथ पींगे लड़ाते रहे तो ईमानदार थे आज भ्रष्ट हैं। सनद रहे अजित पवार जैसे ही भाजपा का दामन छोड़ेंगे भ्रष्ट हो जाएंगे।

ध्यान देने वाली बात यह है कि आज अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव दोनों परिवारवादी ही नहीं वंशवादी भी हैं। दोनों दूसरी पीढ़ी के हैं। जबकि हेमवती नंदन बहुगुणा की तीसरी पीढ़ी राजनीति में है और इस पीढ़ी में दो पीढ़ी मुख्यमंत्री रह चुकी है। हेमवती नंदन बहुगुणा की पत्नी, दो पुत्र पुत्री और पोता साकेत बहुगुणा न सिर्फ राजनीति में हैं बल्कि मंत्री भी हैं। सिंधिया परिवार की तीसरी पीढ़ी राजनीति में है फिर भी वंशवादी नहीं हैं। लालू और मुलायम की दो पीढ़ी राजनीति में हैं वो वंशवादी हैं पर सिंधिया की तीन पीढ़ी राजनीति में है किन्तु वे परिवारवादी नहीं हैं। राहुल गांधी के अलावा 34 परिवार ऐसे हैं जिनकी तीन तीन पीढ़ी राजनीति में है पर बदनाम गांधी नेहरू परिवार ही है। शेख अब्दुल्ला फारूक की तीन पीढ़ियां राजनीति में रहीं। इस परिवार की तीन पीढ़ियां मुख्यमंत्री रही लेकिन बदनाम सिर्फ और सिर्फ राहुल गांधी हैं जबकि अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवार दोनों कभी न कभी भाजपा के साथ रहा है। इसी तरह तड़प और टीएमसी अलग-अलग समय में भाजपा और कांग्रेस के साथ रहे बताते चले की आज चंद्रबाबू नायडू भाजपा के लिए एक इमानदार राजनेता है और जब यह कांग्रेस में थे तो भ्रष्टाचारियों थे ज्यादा दूर क्यों जाए हाल फिलहाल की राजनीति को ही लेने तो जब तक अजीत पवार अपने चाचा शरद पवार के साथ थे तब तक भ्रष्टाचारी थे और जब उन्होंने चाचा की पार्टी को तोड़कर भाजपा में आ गए तो वो सदाचारी हो गए।

लाल किले की प्राचीन से मोदी जी ने देश को गलत जानकारियां दीं तो हमेशा की तरह सब्जबाग भी दिखाते हुए कहा कि हमने देश की जनता की आय दोगुनी की अब जनता की आय दोगुनी हुई या नहीं हुई ये तो हर कोई अपनी आमदनी को देखकर जान ही सकता है। वैसे मोदी के सत्ता में आने के बाद अदानी की संपत्ति/आय जहां 27 गुना बढ़ी वहीं अंबानी की पांच गुना। हमारी आपकी आय कितनी बड़ी इसका अंदाजा हम और आप खुद ही लगा लें। मोदी जी ने गलत जानकारी दी। बिरसा मुंडा के विषय में गलत जानकारी देते हुए कहा कि 1857 की लड़ाई में एक 20-22 साल के युवक ने अंग्रेजों की नाक में दम कर रखा था। लाल किले की प्राचीर से सरकारें पिछली उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को रेखांकित करती है पर प्रधानमंत्री ऐसे अवसरों पर भी राजनीति करते हैं विपक्षी दलों पर हमले करते हैं। अन्य देशों के मुखिया भी ऐसे मौकों पर ऐसी ही राजनीतिक बातें करते हैं पता नहीं। बहरहाल इस बार उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने लगभग 15 कानूनों को रद किया।

एक जानकारी के अनुसार अपने देश में मार्च 2024 तक, विधायी विभाग, कानून और न्याय मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा होस्ट किए गए ऑनलाइन रिपोजिटरी के अनुसार लगभग 893 केंद्रीय कानून हैं। तो क्या अपने देश में जितने कानून हैं नहीं उससे ज्यादा भाजपा सरकार ने नष्ट कर दिए ?

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से दिए गए भाषण में मोदी जी ने बांग्लादेश की घटना घटनाओं पर चिंता व्यक्ति की लेकिन मणिपुर पर एक शब्द भी नहीं कहा।

इससे पहले के प्रधानमंत्री भी लाल किले की प्राचीर से अपने भाषण के माध्यम से इसी तरह का संदेश देते थे पता नहीं।

यज्ञोपवीत-देव, पितृ एवं ऋषि उऋण संस्कार

-हरिश्चंद्र व्यास-

यज्ञोपवीत को आज के युवक चाबी एवं अंगूठी बांधने के काम में लेने के अतिरिक्त उसकी कोई उपयोगिता नहीं समझते। आज-कल बाजार में नायलॉन के धागे से निर्मित बाजार से खरीदा हुआ जनेऊ का जोड़ा मनुष्य अपने गले में डालकर अपने आपको ब्राह्मण बने रहने का स्वांग रचने में सफल होता रहता हैं। यह तथ्य हम भूल जाते हैं कि, जिस जनेऊ को हम धारण कर रहे हैं उसमें न तो उपयुक्त कपास का धागा ही है और न विधि-विधान से वेदान्ती आचार्य द्वारा ही वह अभिमंत्रित है। इसके धारण करने से पूर्व एवं पश्चात जिन-जिन नियमों एवं कर्तव्यों का निर्वाह करना वांछित है इन सबसे आज हम अनभिज्ञ हैं। लाखों जनेऊधारी भी उसकी उपयोगिता के बारे में अनभिज्ञ होने के फलस्वरूप उसे निष्फल समझते हैं और विज्ञान के इस युग में यह मानते हैं कि प्राचीन मशीन के जंग खाये हुए पुरजे के समान ही यह उपयोगहीन है, लेकिन वे भूल जाते हैं कि इस यज्ञोपवीत के माध्यम से प्रातःकाल ही भिन्न-भिन्न प्रकार के बल और तेज हमारे शरीर को प्राप्त होते रहे है। जो लोग इसे निष्फल समझते हैं वे अग्नि, सोम, प्राण ऋण से उऋण नहीं हो पायेंगे। साथ ही साथ अपने जीवन के क्रियाकलाप में बगैर ऊर्जा के मानसिक एवं शारीरिक रूप से अस्वस्थ ही बने रहेंगे। प्राकृतिक पर्यावरण को भी प्रदूषित करने में भी वे कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। यज्ञोपवीत द्वारा प्राप्त होने वाला तेजस्व एवं समृद्धि भूलकर पश्चिम सभ्यता के चहेते यह भी भूल जाते हैं कि इसका आधार पूर्ण रूप से विज्ञान से ओत-प्रोत है। इस संस्कार के उपरांत अनुभूति एवं परिवर्तन स्वतः परिलक्षित होते हैं।

यज्ञोपवीत संस्कार हेतु वांछित आयु आठवें वर्ष मानी गई है। इस संस्कार को बालक के लिए दूसरे जन्म की संज्ञा दी जाती है। जब बालक पिता के सोम और माता की अग्नि के मेल से माता के अन्दर गर्भ केन्द्र स्थापित हो जाता है तो क्रमशः पार्थिक पिण्ड बनने लगता है। ऋषि (प्राण) उसमें संस्कारिता प्रदान करते हैं। वेदों के अनुसार यज्ञोपवीत संस्कार से पूर्व बालक किसी ऋणशोधक कर्म का अधिकारी नहीं होता क्योंकि वह अबोध और आचार्य द्वारा संस्कार विहीन होता है। साथ ही साथ सोम, अग्नि और वायु जिससे उसका निर्माण हुआ, आठ वर्ष की आयु तक मिश्रित अवस्था में होते हैं। हमारी संस्कृति की प्रमुख और सनातन विशेषता रही है कि जिन-जिन से हमने जो कुछ प्राप्त किया है, उसे जीवन पर्यन्त ऋणी के रूप में बोझिल समझते हुए कालान्तर में उन्हें पुनः लौटाकर ऋण से उऋण होकर ही इस दुनिया से विदाई लें। भारतीय संस्कृति एवं वेदों के अनुसार मनुष्य पर तीन ऋण होते हैं- देव, पितृ एवं ऋषि। यद्यपि इनके उऋण होने के निश्चित सिद्धांत तो नहीं हैं, परन्तु यह निश्चित है कि विभिन्न पद्धतियों के माध्यम से ऋण से उऋण होना हमारा पुनीत कर्तव्य बन जाता है, कि जिन पदार्थों से यह तीन वस्तुएं प्राप्त हुई हैं, उन्हें पुनः संसार में पहुंचाएं। वैदिक ग्रन्थों के अनुसार यज्ञोपवीत की शक्ति से पूर्ण लाभ उठाकर ही संसार के पोषण में सहायक सिद्ध होकर हम अपने ऋणों से उऋण हो सकते हैं।

जब बालक यज्ञोपवीत संस्कार हेतु आचार्य द्वारा निर्मित मंडप पर आरोहण करता है, तब वह आचार्य के सम्मुख प्रतिज्ञा करता है, कि जो तीन ऋण उस पर है उसे वह चुकायेगा। इस प्रतिज्ञा के उपरांत ही वह मंडप में प्रविष्ट होने का अधिकार प्राप्त करता है। यह मंडप आजकल के राजनैतिक मंडपों की भांति नहीं होते, जहां प्रतिज्ञा करने के उपरांत भी राजनेता अपने किए गए वचन से विमुख हो जाते हैं। यह वह मंडप है, जहां भिन्न-भिन्न प्रकार के शुद्धि कर्म होते हैं। तदुपरांत आचार्य उसे पवित्र कपास से तैयार जनेऊ धारण करवाता है। आचार्य कपास से निर्मित धागे के यज्ञोपवीत को ही धारण क्यों करवाता है? इसके पीछे भी विशिष्ट कारण है। हमारे ऋषि और आचार्यों का विश्वास रहा है कि आठ वर्ष की आयु के उपरांत सोम, अग्नि और वायु लगभग भिन्न-भिन्न स्थान व क्रियाएं करने में सक्षम हो जाते हैं। इसके साथ ही साथ वेदान्तियों का विश्वास है कि जब बालक के शरीर में कोई ऐसी आकर्षण शक्ति का निर्माण हो जाये जो अपने समान प्रवाह को अविलम्ब आकर्षित करते हुए अपने में स्थायी रूप से ठहरा सके। इसी कारण ऋषियों ने निरन्तर शोध की और मालूम करने का प्रयत्न किया कि इस पृथ्वी पर ऐसा कौन-सा उपयुक्त पदार्थ उपलब्ध है जो सोम, अग्नि और प्राण से निर्मित हुआ है और उन्हें अलग कर सकता है। मनुष्य जिन-जिन पदार्थों से निर्मित है, वे पदार्थ ही मनुष्य के लिए उपादेय हो सकते है, क्योंकि एक जाति गुण के पदार्थ अपनी जाति गुण वाली वस्तु को आकर्षित ही नहीं करते, बल्कि अपने अन्दर बनाये रखते हैं। अपने से विपरीत जाति की वस्तु के संसर्ग में आने पर शक्तिवान पदार्थ दूसरे पदार्थ को झटका देकर अलग कर देता है। यह तथ्य आज के वैज्ञानिक भी मानते हैं।

फिर भला हमारे ऋषि भी आज के वैज्ञानिकों से कौन-से कम प्रखर थे। उन्होंने भी खोज कर आखिर ऐसा पदार्थ खोज निकाला जो उन सोम, अग्नि और प्राण से बना है, जिनसे मनुष्य बना है। वह पदार्थ है कपास। लाल फूल वाली कपास की उत्पत्ति इस प्रकार है- जिस समय हमारे यहां प्रातःकाल के चार बजे से कुछ क्षण पूर्व परमेष्ठी मण्डल में जो सोम समुद्र है उसमें बड़ी हिलोर होती है उस हिलोर के कारण वहां से सोम की धारा प्रवाहित होती है। इस सोम धारा के पड? से सूर्य के ऊपर से पृथ्वी पर रश्मियां आती हैं। यह रश्मियां अपने धक्के से रात्रि के वरुण प्राण को धका देती है जिसके फलस्वरूप पृथ्वी पर पहले प्रवाह का भाप फिर सूर्य के ऊपर से आई हुई रश्मियां और पीछे आई हुई सोमधारा क्रम से पड़ती है- इन तीनों वस्तुओं के मिट्टी में मिलने से कुशा की उत्पत्ति होती है। यह मान्यता है कि ब्रह्म-मुहूर्त में सोमधारा पृथ्वी पर आ जाती है। कुशा में सूर्य रश्मियां विशेष रूप से निहित होती है। कुशा सोने के समान शोधक होती है। परमेष्ठी से गिरती हुई सोमधारा का एक अंश सूर्य के ऊपर के छिद्र द्वारा सूर्य की शिखाओं को भीतर दबाता हुआ अन्दर प्रवेश करता है। सूर्य-गर्भ के सोम के गायत्री रस से उसका मार्ग बाधित हो जाता है तथा वायुमण्डल में गंदी गैसों के फैलाव के कारण ऊंचाई की ओर नहीं उठ पाती, परन्तु अन्तोगत्वा सूर्य की गर्मी के धक्के से गायत्री रस पृथ्वी पर आ जाता है। गायत्री की धारा अपने साथ सूर्य की किरणें और सोम वायु को भी साथ लाती है और आकाश में विस्तृत रूप से विस्तारित होने में सफल होती है। इसी कारण प्रातःकाल सूर्योदय के समय उसकी लालिमा दिखाई देती है।

वेदों में इस गायत्री स्वरूप को पूज्य माना है। गायत्री रस और सोम वायु मिलकर ही कपास की उत्पत्ति करता है। यह तथ्य वैदिक ग्रंथों में चर्चित है। अतः हम विभिन्न प्राचीन ग्रन्थों, वैदिक साहित्य एवं ऋषियों के शोध ग्रंथों के आधार पर इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि लाल फूल वासी कपास में सोम, ज्योति एवं वायु तीनों पदार्थ विद्यमान हैं। जब कपास में ज्योति है तो स्वाभाविक रूप से बालक द्वारा उसे धारण करने के पीछे यही उद्देश्य है कि वह सूर्य के ताप को सहन करने का अभ्यासी हो सके, ताकि वह यज्ञ की अग्नि को सहन कर सके। जब यज्ञों की अग्नि सहन करने की शक्ति नहीं होगी तो भला सूर्य की ज्वाला को कैसे सहन कर सकता है? अतः बालक को सोम और सूर्य की ज्वाला को सहन करने की क्षमता ही नहीं बल्कि उसे अपने में ठहराये रखने की शक्ति का निरन्तर अभ्यास करवाते रहने तथा शुद्ध अग्नि और सोम से संपर्क रखे रहने से ही अग्नि (देव), सोम (पितृ), प्राण (ऋषि) उन तीनों ऋणों से उऋण हो सकता है। यज्ञोपवीत को कपास द्वारा निर्मित करने के पीछे यही प्रमुख कारण है। इसीलिए मंडप में आचार्य मंत्र पढ़कर कपास से बने जनेऊ को धारण करवाते हैं।

यज्ञोपवीत को बायें कंधे से दाहिने घुटने तक धारण करवाते हैं, क्योंकि शरीर में शुद्ध और अशुद्ध वायु क्रमशः दाहिनी और बाईं ओर स्थित होना माना गया है। आज भी वैज्ञानिक इस तथ्य से पूर्णतः सहमत हैं कि हृदय बायीं ओर स्थित है जहां वह गन्दी वायु को हृदय द्वारा शुद्ध कर शरीर में प्रवाहित करता रहता है और शरीर तब तक प्राणमय बना रहता है जब तक हृदय की गति इस प्रक्रिया को निरन्तर चालू रखती है। आचार्य द्वारा अभिमंत्रित जनेऊ एकमात्र ऐसा साधन है, जो दूषित तत्व को समीप ही नहीं फटकने देता। गायत्री की शक्ति ठीक उसी तडित चालक के समान है, जिस पर बिजली गिरने पर तडित चालक के माध्यम से वह पृथ्वी में समा जाती है, ठीक इसी प्रकार गायत्री मंत्रित जनेऊ के पास दूषित तत्व, गायत्री के विद्युत से कट कर समाप्त हो जाता है।

आधुनिक युग में जहां पश्चिम की सभ्यता का प्रभाव फैलता जा रहा है और पश्चिमी देश अपने द्वारा प्रतिपादित तथ्यों का ही मंडन करते हैं, जबकि प्राचीन भारतीय साहित्य, वैदिक साहित्य है एवं वेद-पुराणों में यज्ञोपवीत संस्कार को मनुष्य के एक जीवनकाल में ही दूसरे जन्म की संज्ञा दी है।

जब प्रातः प्रभातकाल में सूर्य के भीतर से गायत्री रस (अग्नि) बाहर आता है और दो अरब योजन से सोम वायु आती है तो सौर और सोम शक्तियों को आकाश मंडल से कपास का अभिमंत्रित जनेऊ लोहे के चुम्बक के समान आकर्षित करता है और हमारे शरीर के अन्दर उन शक्तियों को भरता है। कपास से निर्मित जनेऊ में सौर और सोम स्वजाति गुण होने के फलस्वरूप इन शक्तियों का प्रवाह सीधे हमारे शरीर पर न पड़कर जनेऊ पर पड़ता है क्योंकि उसमें स्वाजातीय गुण है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

सीएम सैनी का हुड्डा पर जुबानी हमला, बोले- पहले मिर्चपुर और गोहाना कांड का हिसाब दे हुड्डा

रोहतक। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश में सियासी गरमा-गर्मी बढ़ गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर सियासी हमला बोला है। उनका कहना है कि हुड्डा भाजपा से हिसाब मांगने से पहले मिर्चपुर कांड व गोहाना कांड का हिसाब दें।

सड़कों के गड्ढे तो भाजपा सरकार भर देगी, हुड्डा पहले कांग्रेस कार्यकाल में खोदे गए गड्ढों को भरें। मुख्यमंत्री रविवार देर रात भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे रहे, अब ईमानदारी का चोला ओढ़कर लोगों के बीच जा रहे हैं, लेकिन प्रदेश की जनता को पता है कि कांग्रेस के 10 साल के कार्यकाल में किस तरह भ्रष्टाचार हुआ। युवाओं को नौकरी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि एक तरफ हुड्डा किसान हितेषी होने का दावा करते हैं, दूसरी तरफ कांग्रेस राज में 2 से 5 रुपये तक के मुआवजे के चेक दिए जाते थे, जबकि 500 रुपये बैंक में खाता खुलवाने में लग जाते थे।

उन्होंने हुड्डा 14 सवाल पूछ थे, बताएं कि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश क्यों लागू नहीं की। किसानों की कितने फसलें किस दाम पर खरीदी, लेकिन अभी तक जवाब नहीं मिला है। बुढ़ापा पेंशन को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस राज में 500 रुपये के लिए बुजुर्ग परेशान रहते थे, जबकि अब हुड्डा 6 हजार रुपये पेंशन करने की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि खाली घोषणाओं से कुछ नहीं होगा। भाजपा सरकार बुजुर्गों को 3 हजार रुपये बुढ़ापा पेंशन दे रही है।

100 दिन का बनाया था प्लान, जल्द आयोग की घोषणा हो गई...मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव के समय ही उन्होंने कहा था कि वे चुनाव परिणाम आने से विधानसभा चुनाव की घोषणा होने तक 100 दिन लगातार काम करेंगे। इसमें गरीबों को गांव व शहरों में प्लॉट दिए गए। जबकि कांग्रेस ने केवल घोषणा की थी। गरीबों के पास कागज था न कब्जा। प्रदेश की जनता का मूड साफ है कि डबल इंजन की सरकार संपूर्ण विकास करवाएगी। 4 अक्तूबर को तीसरी बार भाजपा सरकार बनने जा रही है। उन्होंने जजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दुष्यंत चौटाला की वजह से विधायक उनकी पार्टी छोड़ रहे हैं। लगता है कि विधायकों को चुनाव आचार संहिता लगने का इंतजार था।

PM मोदी को लिखा पत्र: चंडीगढ़ के सरकारी स्कूल में बच्चों को बैठने की जगह नहीं, पीएम से नए स्कूल की मांग

चंडीगढ़। चंडीगढ़ को स्मार्ट सिटी का दर्जा है। बावजूद शहर के कई हिस्सों में स्मार्ट सिटी के नाम पर कुछ भी नहीं है। चंडीगढ़ के पूर्व प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित ने हल्लोमाजरा में दो साल पहले नया स्कूल बनाने की घोषणा की थी। घोषणा को दो साल बीत चुके हैं लेकिन धरातल पर कोई काम नजर नहीं आ रहा है। योजना की फाइल अप्रूवल के लिए चक्कर काट रही है। नया स्कूल न बनने और पुराने में कम जगह होने के कारण बच्चों को आ रही परेशानियों को लेकर हल्लोमाजरा निवासी अरविंद कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर योजना का अमलीजामा पहनाने की गुहार लगाई है।

अभिभावकों ने पहले भी उठाया था मुद्दा...हल्लोमाजरा के एकमात्र स्कूल में बच्चों के खेलने के लिए मैदान नहीं है। स्कूल का मुद्दा अभिभावकों की ओर से मई 2022 में भी उठाया गया और 17 मई 2023 को प्रधानमंत्री के शिकायत निवारण पोर्टल पर रजिस्टर शिकायत नंबर ढटडढऋ / ए / 2024 / 00103563 से इसके बारे में सूचित किया।

टीन शेड में बढ़ाए जा रहे थे बच्चे...जगह के अभाव में बच्चों को उस समय टीन शेड में पढ़ाया जा रहा था, जिसका दौरा पूर्व प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित ने किया और नया स्कूल बनाने के आदेश दिए। टीन शेड में बैठने वाले नौवीं और दसवीं कक्षा के बच्चों को तीन किलोमीटर दूर कॉलोनी नंबर चार के सरकारी स्कूल में शिफ्ट किया। कॉलोनी नंबर 4 औद्योगिक क्षेत्र में है, जिस कारण बच्चों को वहां से आने-जाने में खराब रास्ते के चलते खतरा है। स्कूल में इस बार दूसरी कक्षा में एक बच्चे को दाखिला नहीं दिया, जिसका मुख्य कारण जगह न होना बताया गया है।

क्या कहते हैं अधिकारी...प्रशासन के चीफ इंजीनियर सीबी ओझा का कहना है कि स्कूल बनाने की जगह को लेकर कुछ समस्या है। मेरे पास स्कूल का नक्शा बनकर नहीं आया है। अभी अन्य विभागों के पास काम है, हमारे पास आखिर में प्लान आना है।

स्कूल शिक्षा निदेशक हरसुहिंदर पाल सिंह बराड़ ने कहा कि हल्लोमाजरा में स्कूल बनाने को लेकर मास्टर प्लान में बदलाव होना है। उसके अप्रूवल के लिए फाइल गई हुई है। उस पर अप्रूवल मिलते ही स्कूल बनने का काम इंजीनियरिंग विभाग को चला जाएगा।

चाचा ने की भतीजे की हत्या: चरखी दादरी में भतीजे पर कस्सी से किए वार

चरखी। दादरी हरियाणा के चरखी दादरी में चाचा ने भतीजे की हत्या कर दी। चरखी दादरी के गांव पिचौपा कलां में रविवार रात घर के बाहर सो रहे भतीजे की चाचा ने कस्सी से वार कर हत्या कर दी। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। वहीं, आरोपी अभी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। अटेला कलां चौकी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर दादरी सिविल अस्पताल में रखवा दिया है। मृतक के परिजनों के बयान दर्ज करने के बाद मृतक का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार गांव पिचौपा कलां निवासी रामफल (56) रविवार शाम अपने घर के बाहर चारपाई पर लेटा हुआ था। उसी दौरान परिवार में उसका चाचा पवन वहां पहुंचा और कस्सी से पांच वार कर रामफल की हत्या कर दी। हत्याकांड से दो घंटे पहले आरोपी पवन मृतक रामफल और उसके परिवार के लोगों के साथ घर के बाहर बैठा था। वहीं, हत्याकांड की सूचना मिलते ही अटेला कलां चौकी पुलिस पिचौपा कलां पहुंची और रामफल के शव को कब्जे में ले लिया। इसके बाद एफएसएल टीम घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने रामफल के शव को पोस्टमार्टम के लिए दादरी सिविल अस्पताल में भेज दिया। फिलहाल मृतक के परिजनों के पुलिस बयान दर्ज नहीं हो पाए हैं।

कपूरथला में परिवार पर दुखों का पहाड़: आठ महीने पहले फ्रांस गया बेटा आज तक नहीं पहुंचा

कपूरथला। पंजाब के कपूरथला की सब डिवीजन भुलत्थ से आठ महीने पहले फ्रांस गया 18 वर्षीय युवक लापता है। युवक को डोंकी बनाकर एजेंट ने फ्रांस भेजा था। युवक अभी तक न तो फ्रांस पहुंचा है और न ही वापस घर आया है। हालांकि उसके साथ गए दोस्तों ने परिवार को फोन कर यह भी बताया कि रास्ते में बर्फ के कारण उनके बेटे की मौत हो चुकी है, लेकिन दोस्तों की बात पर परिवार को विश्वास नहीं हो रहा है।

वहीं, दूसरी तरफ ट्रेवल एजेंटों ने परिवार को बताया है कि पुलिस ने उसे पकड़ा है और वह इस समय जेल में है। परिवार की बेटे से आखिरी बार फरवरी में बात हुई थी। वहीं युवक के पिता के अनुसार लताविया पुलिस ने उन्हें फोन पर डीएनए भेजने की बात कही है। परंतु वह इतनी लंबी कार्रवाई कैसे कर सकते हैं। पीड़ित परिवार ने ट्रेवल एजेंटों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है और कड़ी कार्रवाही की मांग भी की है। थाना भुलत्थ

एसएचओ हरजिंदर सिंह ने कहा कि मामला उच्चाधिकारियों के ध्यान में है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

एजेंटों को दिए 8.20 लाख रुपये...कपूरथला की सब डिवीजन भुलत्थ के वार्ड 5 के रहने वाले बॉबीचंद ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले महिला सहित तीन ट्रेवलों एजेटों ने उनके बेटे सागर (18) को फ्रांस भेजा था। पड़ोसी ट्रेवलों एजेटों ने बेटे को फ्रांस भेजने के लिए 14 लाख रुपये मांगे थे। उन्होंने पहली किस्त 8.20 लाख रुपये उन्हें दे दिए। जनवरी 2024 के पहले हफ्ते में बेटे सागर को ट्रेवल एजेंटों ने रूस भेज दिया और कहा कि उनका बेटा बेलारूस, लताविया देशों से होकर जर्मनी होते हुए फ्रांस पहुंचेगा।

फरवरी में हुई थी आखिरी बार बात...बॉबीचंद ने बताया कि फरवरी में बेटे का फोन आया था तब उसने बताया था कि वह बेलारूस में है। उसके बाद 6 माह बीत चुके है। उनके बेटे का न तो कोई फोन आया और न ही कुछ पता चला है। इस कारण पूरा परिवार चिंतित है।

दोस्त बोले- बर्फ में फंस गया था सागर...परिवार ने जब ट्रेवल एजेंटों से बात की तो उन्होंने कहा कि उनका बेटा जर्मन पुलिस ने पकड़ा है। वह जल्द उसे छोड़ देंगे। कुछ दिन बाद उसके साथ गए 8 दोस्तों में से एक ने फोन कर बताया कि वे सभी लखानिया से लताविया होते हुए डोंकी में जा रहे थे। रास्ते में बर्फ गिरने लगी। 5 युवक तो सामने खड़ी गाड़ी में बैठ गए। जबकि तीन बर्फ की चपेट में आ गए। बाद में पता चला कि दो युवक किसी तरह बर्फ से निकल कर सुरक्षित स्थान पर पहुंच गए हैं,

रक्षा बंधन पर सुरक्षा की गुहार: PGI चंडीगढ़ में डॉक्टरों ने सिक्योरिटी गार्ड्स को बांधी राखी

चंडीगढ़। आज भाई बहन के प्रेम का त्योहार रक्षा बंधन है। इस मौके पर पूरे देशभर में बहनें अपने भाइयों को राखी बांधकर उनसे अपनी सुरक्षा का प्रण ले रही हैं। वहीं, पीजीआई चंडीगढ़ में अनोखे अंदाज में रक्षा बंधन मनाया गया। कोलकाता की घटना के विरोध में पीजीआई के चिकित्सक सड़कों पर हैं। रोष जता रही महिला डॉक्टर्स ने पीजीआई के सुरक्षा कर्मियों को राखी बांधी। महिला डॉक्टर्स ने सुरक्षा कर्मियों को राखी बांधकर उनसे अपनी सुरक्षा का प्रण लिया। महिला चिकित्सकों का कहना है कि कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की महिला डॉक्टर के साथ जो दुखदाई घटना हुई है उससे पूरा देश शर्मशार हुआ है। महिलाओं की रक्षा और सुरक्षा अहम हो गई है। इस रक्षा बंधन पर हर बहन अपने भाई को राखी बांधकर यही प्रण ले कि जैसी घटना कोलकाता में हुई है। ऐसा किसी भी बहन के साथ न हो। इसलिए उन्होंने संस्थान के सुरक्षा

कर्मियों को राखी बांधकर अपनी सुरक्षा का प्रण उनसे लिया है। कोलकाता की घटना पर डॉक्टरों का रोष थम नहीं रहा है। सोमवार को भी पीजीआई के रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। पीजीआई की ओपीडी में नए मरीजों को इलाज नहीं मिल रहा है।

बैनर लेकर सड़कों पर उतरे डॉक्टर...पीजीआई के डॉक्टरों ने सोमवार को भी रोष रैली निकाली। रैली के दौरान चिकित्सक हाथों में बड़े-बड़े बैनर लेकर चल रहे थे। बैनर में कई तरह के स्लोगन लिखे हुए थे। बेटी को पढ़ाया पर बचा न पाए, वी वांट जस्टिस, सुनो द्रौपदी शस्त्र उठालो, अब गोविंद ना आएंगे इस तरह के स्लोगन लिखे बैनर लेकर डॉक्टरों ने अपना रोष जाहिर किया।

सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट पास होने तक जारी रहेगा प्रदर्शन...रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट पास होने तक प्रदर्शन जारी रहेगा। रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल पिछले सोमवार से चल रही है। इस दौरान पीजीआई की ओपीडी ठप होने से अब तक लगभग 30 से 35 हजार मरीज इलाज से वंचित हो गए हैं क्योंकि सामान्य दिनों में पीजीआई की ओपीडी में आठ से दस हजार मरीज इलाज कराने आते हैं।

अमृतसर के गोल्डन गेट के पास हादसा: बुलेट सवार युवक की मौत

अमृतसर। अमृतसर के गोल्डन गेट के पास बुलेट मोटरसाइकिल सवार एक युवक हादसे का शिकार हो गया है। युवक की बाइक को एक वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से भाग गया। मृतक की पहचान मनप्रीत सिंह निवासी अमृतसर के रूप में हुई है। घटना की जानकारी जैसे ही मृतक के परिजनों को मिली तो वे भी घटनास्थल पर पहुंच गए। बेटे का शव देखकर माता-पिता रोने लगे। मृतक युवक की मां रोते-रोते बेहोश भी हो गई।घटना की

जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि मृतक मनप्रीत अपनी बुलेट पर सवार होकर रखड़ पुनिया मेला देखने के लिए व बाबा बकाला गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने जा रहा था। इसी दौरान गोल्डन गेट के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बुलेट को टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार मृतक मनप्रीत को न्यूजीलैंड का वीजा मिल गया था और 10 दिनों के बाद 30 अगस्त को उसने विदेश जाना था।

अमृतसर के एडीसीपी हरपाल सिंह ने बताया कि घटना को लेकर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी वाहन चालक की तलाशी के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए हैं। जल्द ही आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पूर्व सीएम हुड्डा के खिलाफ नांदल नहीं लड़ेंगे चुनाव, भाजपा को किसी दमदार चेहरे की तलाश

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल चुनाव नहीं लड़ेंगे। नांदल ने कहा है कि वे एक साल पहले ही पार्टी को चुनाव लड़ने से मना कर चुके हैं। ऐसे में भाजपा अब हुड्डा के खिलाफ किसी दमदार चेहरे की तलाश में है।

प्रदेश में गढ़ी सांपला-किलोई हलका काफी अहम है। तय है कि यहां से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस के टिकट पर मैदान में उतरेंगे। भाजपा, जजपा, इनेलो, आप व बसपा सहित अन्य दलों ने अभी प्रत्याशी तय नहीं किए हैं। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल तीन बार इस हलके से

चुनाव लड़ चुके हैं।तीनों ही बार उनका सामना पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से हुआ है। नांदल ने पहला चुनाव इनेलो के टिकट पर 2009 में लड़ा था। तब वे हुड्डा से 72 हजार 100 मतों से हार गए थे। 2014 में नांदल ने इनेलो के टिकट पर चुनाव लड़ा। इस बार 47 हजार 183 मतों से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। 2019 के विधानसभा चुनाव से पहले नांदल भाजपा में शामिल हो गए। लेकिन, उनकी हार का सिलसिला नहीं थमा। पिछले विधानसभा चुनाव में नांदल को 58 हजार 312 वोट से हार झेलनी पड़ी थी।

एक साल पहले पार्टी को कह दिया था कि अबकी बार मैं गढ़ी सांपला-किलोई से विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा। पार्टी ने उनको रोहतक शहर हलके का संयोजक बनाया है। विधानसभा चुनाव में न केवल रोहतक शहर में काम करेंगे, बल्कि गढ़ी सांपला-किलोई हलके से पार्टी उम्मीदवार का पूरा सहयोग करेंगे। -सतीश नांदल, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा

अटारी-वाघा बॉर्डर पर महिलाओं ने BSF जवानों को बांधी राखी

चंडीगढ़। रक्षा बंधन का त्योहार पूरे देश में मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ ऐसे भाई भी हैं जो देश की रक्षा के लिए सीमाओं पर तैनात हैं। बॉर्डर पर अपनी ड्यूटी निभा रहे हमारे देश के जवान जो अपने परिवार से दूर हैं, उनके लिए यह त्योहार खाली न जाए इसलिए कई बहनों ने भारत-पाकिस्तान सीमा अटारी-वाघा बॉर्डर पर जवानों को राखी बांधी है।

पंजाब के अमृतसर स्थित वाघा बॉर्डर पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को कई महिलाओं को राखी बांधी। इतना ही नहीं कई बहनों ने बीएसएफ की महिला जवानों को भी राखी बांधी और उनके मुंह मीठा कराया।

बता दें कि हर रक्षा बंधन पर कई महिलाओं वाघा बॉर्डर सहित पंजाब के साथ लगते पाकिस्तान की सीमा पर तैनात हमारे जवानों को खास तौर पर राखी बांधने पहुंचती हैं। यह सिलसिला कई वर्षों से चला आ रहा है। इस सिलसिले में सोमवार को भी रक्षाबंधन के त्योहार पर महिलाओं ने अमृतसर के अटारी-वाघा सीमा पर सेना के जवानों को राखी बांधी और उन्हें मिठाई खिलाई।

कैप्टन अजय यादव के बेटे ने डिप्टी CM के पद के लिए पेश की दावेदारी, लालू यादव के हैं दामाद

रेवाड़ी। हरियााणा में रेवाड़ी शहर से विधायक चिरंजीव राव ने हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने पर डिप्टी सीएम के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। उन्होंने टिकट फाइनल होने से पहले ही नामांकन की तिथि भी 9 तारीख तय कर दी। दरअसल, शहर स्थित कोठी पर चुनाव को लेकर कार्यकताओं की बैठक हुई। इस दौरान विधायक चिरंजीव राव ने कार्यकताओं के बीच अपने 5 साल का रिपोर्ट कार्ड भी पेश किया। कार्यकर्ता बैठक के दौरान चिरंजीव राव ने कहा कि अगर रेवाड़ी की जनता उन्हें इस बार

विधायक चुनती है तो सरकार बनने पर वे डिप्टी सीएम के दावेदार होंगे।उन्होंने आगे कहा कि महत्वाकांक्षा हर किसी की होती है और महत्वाकांक्षा रखना गलत नहीं है, वैसे ही मेरी भी है। क्योंकि 2019 के चुनाव में भाजपा की लहर के बावजूद रेवाड़ी की जनता ने उन्हें जिताया था। उस समय भाजपा का 75 प्लस का नारा चल रहा था, लेकिन इस बार जनता खुद कांग्रेस के पक्ष में 75 प्लस का नारा दे रही है।

रेवाड़ी सीट पर चिरंजीव राव की दावेदारी के दो अहम कारण...लालू यादव के दामाद चिरंजीव राव की रेवाड़ी सीट पर दावेदारी के दो अहम कारण हैं। पहला, उनके पिता कैप्टन अजय सिंह यादव 1989 से 2014 तक लगातार 6 बार इस सीट से विधायक चुने गए। उन्होंने पूर्व सीएम भजन लाल और भूपेंद्र सिंह हुड्डा दोनों के कार्यकाल में अहम मंत्रालय संभाले, जिसके चलते इलाके में उनकी अपनी पकड़ है। दूसरा कारण चिरंजीव राव का 2019 में पहली बार चुनाव लड़ना और फिर पहले ही चुनाव में जीत दर्ज करना है। क्योंकि 2019 में खासकर अहीरवाल में कांग्रेस के लिए हालात बिल्कुल विपरीत थे। अहीरवाल की 11 सीटों में से केवल महेंद्रगढ़ से राव दान सिंह और रेवाड़ी से चिरंजीव राव ही अपनी सीट बचाने में कामयाब रहे।

ऑनलाइन टास्क पूरा करने के नाम पर धोखाधड़ी आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने ऑनलाइन टास्क पूरा कर कमीशन कमाने के लालच में एक युवक से 39 लाख रुपये ठगने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान रिजुल वालिया निवासी लुधियाना के रूप में हुई है।

मामले के मुताबिक पुलिस ने 7 मई को धोखाधड़ी को लेकर केस दर्ज किया था। शिकायत में गांव हमजापुर निवासी जरनैल सिंह ने बताया था कि उसके टेलीग्राम एप पर मैसेज आया, जिसमें कहा गया कि अगर वह ऑनलाइन काम करना चाहता है तो कंपनी की वेबसाइट महिन्द्रानाउ डॉट

कॉम और वर्कमहिन्द्रा डॉट कॉम पर उनकी प्रॉपर्टीज को ऑनलाइन प्रमोट करना है।जिसके बदले में कंपनी उसे कमीशन देगी। इसके बाद उसने उक्त ऑनलाइन कंपनी को ज्वाइन कर लिया और काम शुरू कर दिया। इसके बाद टास्क पूरा करने के नाम पर उससे 29 मार्च से 5 अप्रैल तक कुल 39 लाख 16 हजार 610 रुपये जमा करवा लिए गए।

रक्षाबंधन के दिन दो बहनों के भाई की मौत: सड़क हादसे में चली गई जान

जालंधर। रक्षाबंधन के दिन दो बहनों से उसका भाई हमेशा-हमेशा के लिए जुदा हो गया। अपनी बहन से राखी बंधवाने के लिए आ रहे 22 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। गोराया के गांव रूडका कलां निवासी गौरव रौली को इलाज के लिए पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से गांव में शोक की लहर है।

सोमवार को गौरव का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया है। गौरव हिमाचल में धार्मिक मेलों में अपना सामान बेचने के लिए गया हुआ था। रविवार को गौरव बहन से राखी बंधवाने के लिए हिमाचल प्रदेश से लौटा था। दौरान उसकी बाइक अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई। हादसे में गौरव को गंभीर चोटें आईं। राहगीरों ने मामले की सूचना तुरंत गौरव के परिजनों को दी गई और उसे लुधियाना के डीएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डीएमसी से गौरव को पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

गौरव के परिवार में दो बहनें और एक भाई है। परिजनों ने गौरव का अंतिम संस्कार उसके पैतृक गांव में कर दिया है। रक्षाबंधन के त्योहार के दिन परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। नौजवान बेटे की मौत से परिवार को गहरा सदमा लगा है।

पीजीआई चंडीगढ़ में फॉलोअप मरीज ही देखे जाएंगे, जीएमसीएच-32 में ओपीडी बंद

चंडीगढ़। कोलकाता की घटना पर डॉक्टरों का रोष थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को पीजीआई के फैकेल्टी फॉलोअप मरीजों का ही ओपीडी में इलाज करेंगे। इसके लिए सुबह 8 बजे से 9.30 बजे तक पंजीकरण होगा। वहीं, नए मरीजों का पंजीकरण और इलाज नहीं किया जाएगा। वहीं, जीएमसीएच-32 के फैकेल्टी सुबह 9 से 11 बजे तक पेन डाउन हड़ताल पर रहेंगे। उसके बाद वे मरीज देखेंगे। पीजीआई के साथ ही जीएमसीएच-32 के रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी रहेगी। पीजीआई में सोमवार सुबह

डॉक्टरों ने रोष रैली निकाली। हाथों में बैनर थे और चिकित्सकों ने घटना के विरोध में जमकर नारेबाजी भी की। डॉक्टरों का कहना है कि जबतक कोलकाता घटना के सभी दोषी गिरफ्तार नहीं होते और मृतका डॉक्टर को इंसाफ नहीं मिलता तब तक उनका रोष प्रदर्शन जारी रहेगा। पीजीआई फैकेल्टी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. धीरज खुराना का कहना है कि वे सोमवार से ओपीडी में फोलोअप मरीज देखेंगे।

फिरोजपुर में चार तस्कर गिरफ्तार: हेरोइन, अफीम पिस्टल, 13 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद

फिरोजपुर पंजाब के फिरोजपुर सीआईए स्टाफ ने दाना मंडी (फिरोजपुर कैंट-तलवंडी भाई) के पास से चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो आरोपी दो सगे भाई हैं। तलाशी दौरान एक किलोग्राम हेरोइन, एक किलो 16 ग्राम अफीम, एक पिस्टल, सात कारतूस और 12 लाख 90 हजार रुपये की ड्रग मनी बरामद हुई है। थाना कुलगढ़ी व तलवंडी भाई पुलिस ने चारों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक सीआईए की टीम गश्त कर रही थी कि मुखबिर से सूचना मिली कि दो सगे भाई हेरोइन बेचने का धंधा करते हैं। इनके पास अवैध असलहा भी है। इन्होंने नशे के कारोबार के लिए गांव नवां पूर्वा में किराये पर कोठी ली है। दोनों भाई नवां पूर्वा से टोयोटा कार पर सवार होकर दाना मंडी फिरोजपुर कैंट की तरफ आ रहें हैं। ये दोनों पुल के पास खड़े ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं।

सूचना के आधार पर सीआईए टीम ने उक्त जगह पर दबिश दी। आरोपी विशाल उर्फ शैली व सोनू वासी माछियां (जीरा) को काबू कर लिया है। तलाशी दौरान एक किलोग्राम हेरोइन, एक पिस्तौल, सात कारतूस व 12 लाख 90 हजार रुपये की ड्रग्स मनी बरामद हुई है। थाना कुलगढ़ी पुलिस ने आरोपी विशाल व सोनू के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इसी तरह सीआईए टीम ने तलवंडी भाई की दाना मंडी के गेट के पास खड़े दो नौजवान पुलिस को शक की बुनियाद पर काबू कर तलाशी ली। इनके पास से एक किलो 16 ग्राम अफीम बरामद हुई है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान शंभू सिंह व दीरप सिंह वासी जहालावाड़ा (राजस्थान) के रूप में हुई है। थाना तलवंडी भाई पुलिस ने उक्त दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

जिनपिंग फिलीपीन से तनाव के बीच शीर्ष वियतनामी नेता से मिले, सबीना शोल पर टकराव क्यों?

ताइपे। दक्षिण चीन सागर के सबीना शोल में सोमवार तड़के चीन और फिलीपीन के तट रक्षक जहाज टकरा गए। इससे कम से कम दो नावों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। अब दोनों देश सबीना शोल के पास हुई भिड़त के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। आपको बता दें कि सबीना शोल को लेकर दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आने वाले देशों के बीच क्षेत्रीय विवाद बढ़ रहा है।

वियतनाम के शीर्ष नेता से जिनपिंग की मुलाकात...उधर, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सोमवार को वियतनाम के शीर्ष नेता तो लाम से मुलाकात की। जिनपिंग ने चीन और वियतनाम के समुद्री विवादों के बेहतर प्रबंधन पर जोर दिया। जिनपिंग ने मुलाकात के दौरान खास तौर पर विवादित दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव का जिक्र किया। आपको बता दें कि दो सप्ताह पहले, तो लाम ने वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव के रूप में पदभार संभाला था। लाम ने गुयेन फू त्रोंग की जगह ली थी, जिनका पिछले महीने निधन हुआ था। गुयेन फू त्रोंग ने 13 वर्षों तक वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी का नेतृत्व किया था।

वियतनाम के शीर्ष नेता तो लाम, 18 अगस्त को चीन पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की पुरानी पीढ़ियों के नेताओं ने आपस में गहरी दोस्ती की नींव रखी है। तो लाम ने आगे कहा कि उनकी पार्टी ने हमेशा चीन के साथ मजबूत रिश्तों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

सबीना शोल द्वीप क्या है?...दरअसल, सबीना शोल मूंगे से तैयार हुआ द्वीप (प्रवाल द्वीप) है। इस द्वीप पर वियतनाम और ताइवान भी अपना दावा ठोकते हैं। फिलीपीन का आरोप है कि चीन यहां कृत्रिम द्वीप तैयार कर रहा है। उधर, चीन के तट रक्षक बल का कहना है कि फिलीपीन ने जानबूझकर अपने एक जहाज से चीनी जहाज को टक्कर मारी। चीन के तट रक्षक बल के प्रवक्ता गान यू का दावा है कि चीनी तट रक्षक बल की चेतावनी को अनदेखा किया गया।

इसके बाद फिलीपीन के तट रक्षक बल के दो जहाज सबीना शोल के जल क्षेत्र में दाखिल हुए। आरोप है कि इन जहाजों ने जबरन चीनी पोत को टक्कर मारी। चीन के तट रक्षक बल के प्रवक्ता ने आगे कहा, ह्यहम फिलीपीन को चेतावनी देते हैं कि तुरंत इस उल्लंघन पर रोक लगाएं। वरना फिलीपीन को इसके परिणाम भुगतने होंगे।

चीन ने किया हमला- फिलीपीन का दावा...उधर, फिलीपीन की नेशनल टास्क फोर्स का कहना है कि उनके (फिलीपीन के) तट रक्षक बल के दो जहाजों पर चीन के तट रक्षक जहाजों ने हमला किया। इस वजह से फिलीपीन के दोनों जहाजों को नुकसान पहुंचा है। फिलीपीन द्वारा अपने दोनों जहाजों का नाम बीआरपी बागाके और बीआरपी केप एंगानो बताया गया है। फिलीपीन की नेशनल टास्क फोर्स ने आगे कहा, चीन के एक जहाज ने फिलीपीनी जहाज के डेक पर करीब पांच इंच व्यास का एक छेद कर दिया। टास्क फोर्स के मुताबिक, इसके 16 मिनट बाद चीन के जहाज ने फिलीपीन के एक और जहाज को टक्कर मारी।

इस वजह से जहाज को मामूली नुकसान पहुंचा है। फिलीपीन का कहना है कि वह किसी भी खतरे से निपटने और समुद्री सुरक्षा मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

क्या सबीना शोल में कृत्रिम द्वीप बना रहा है चीन?...सबीना शोल, फिलीपीन के पश्चिमी द्वीप प्रांत पलावन से लगभग 140 किलोमीटर दूर पश्चिम में हैं। फिलीपीन को शक है कि चीन के इस क्षेत्र में कृत्रिम द्वीप बनाने की तैयारियां कर रहा है। इसी को देखते हुए चीन ने अप्रैल महीने में इस क्षेत्र में अपने एक जहाज को तैनात किया था।

32 पुलिस थानों के प्रमुखों का तबादला, हसीना सरकार के गिरने के बाद पुलिस विभाग में फेरबदल

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर फेरबदल किए गए। 18 प्रभारी अधिकारियों के तबादले के बाद ढाका के 32 पुलिस थानों के प्रमुखों का तबादला कर दिया गया है। सोमवार को इसकी जानकारी दी गई। बांग्लादेश मीडिया के अनुसार, तबादले का आदेश रविवार आधी रात को दिया गया। इस दौरान ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अंतर्गत आने वाले सभी 50 पुलिस थानों के प्रमुखों का तबादला कर दिया गया है। बता दें कि 18 अधिकारियों का तबादला 13 अगस्त को ही कर दिया गया था।

जिन लोगों का तबादला किया गया उनके पास वो अधिकार नहीं होंगे, जो उनके पास प्रमुख के तौर पर थे। इस अधिकारियों को देशभर के प्रशिक्षण केंद्रों में भेजा गया है, जहां उन्हें पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित करने का काम सौंपा गया। वहीं अन्य अधिकारियों का तबादला पर्यटक पुलिस, सशस्त्र पुलिस बटालियन या औद्योगिक पुलिस में किया गया है। पांच अगस्त को शेख हसीना के इस्तीफे के बाद ही सभी पुलिस में सभी स्तरों पर फेरबदल हुआ।

13 अगस्त को गृह मंत्रालय ने तीन अलग-अलग नोटिस जारी कर में तीन अतिरिक्त आईजी सहित 51 पुलिसकर्मियों को बदल दिया गया। रविवार को शनिवार को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के अतिरिक्त उपायुक्त और सहायक आयुक्त रैंक के 13 अधिकारियों का तबादला शहर के बाहर कर दिया गया। इसके बाद डीएमपी उपायुक्त के पदों पर सात अन्य अधिकारियों को नियुक्त किया गया। रविवार को 73 पुलिस अधिकारियों को उप महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया।

बांग्लादेश में क्यों भड़की हिंसा...बांग्लादेश को साल 1971 में आजादी मिली थी। आजादी के बाद से ही बांग्लादेश में आरक्षण व्यवस्था लागू है। इसके तहत स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को 30 प्रतिशत, देश के पिछड़े जिलों के युवाओं को 10 प्रतिशत, महिलाओं को 10 प्रतिशत, अल्पसंख्यकों के लिए 5 प्रतिशत और दिव्यांगों के लिए एक प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था। इस तरह बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में 56 प्रतिशत आरक्षण था।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन का आरोप, रेलवे परियोजनाओं के लिए केंद्र ने फंड में की कटौती

तमिलनाडु। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को राज्य में रेलवे परियोजनाओं के लिए केंद्रीय निधि में कटौती पर निराशा व्यक्त की और कहा कि इस कदम से तमिलनाडु की प्रगति पर भारी असर पड़ेगा। नियमित रेल बजट 2024-2025 में दक्षिणी रेलवे के लिए निधि आवंटन में कमी के संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष मुद्दा उठाते हुए, उन्होंने तमिलनाडु में नई लाइनों, दोहरीकरण और ग्राहक सुविधा परियोजनाओं के लिए निर्धारित पर्याप्त निधियों के आवंटन को सुनिश्चित करने के लिए मंत्री के हस्तक्षेप की मांग की।

सीएम एमके स्टालिन ने रेल मंत्री को लिखा पत्र...सीएम एमके स्टालिन ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को संबोधित एक पत्र में कहा, मैं दोहराता हूं कि इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं में धन की कमी के कारण और देरी नहीं होनी चाहिए। मैं इस संबंध में आपके व्यक्तिगत हस्तक्षेप की आशा करता हूं।

'राज्य में परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर पड़ेगा प्रभाव'...इस मामले की ओर रेल मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि निधि आवंटन में महत्वपूर्ण कमी का तमिलनाडु में परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर परिणामी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने पत्र में कहा, हम इस बात से निराश हैं कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए भारतीय रेलवे के नियमित बजट में कुछ लेखा शीर्षों के तहत दक्षिणी रेलवे के लिए धन का आवंटन उसी वर्ष के अंतरिम बजट में आवंटन की तुलना में बहुत कम है।

'कटौती दोहरीकरण परियोजनाओं को कर देगी धीमा'...नई लाइन परियोजनाओं के लिए 674.8 करोड़ रुपये की यह भारी कटौती और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए 285.64 करोड़ रुपये की इसी तरह की कटौती तमिलनाडु में चल रही कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति को गंभीर रूप से प्रभावित करेगी और साथ ही निश्चित रूप से राज्य में बहुत जरूरी दोहरीकरण परियोजनाओं को धीमा कर देगी।

उन्होंने स्पष्ट करने के लिए ऐसी बारह दोहरीकरण परियोजनाओं को सूचीबद्ध किया। साथ ही, सीएम एमके स्टालिन ने चेन्नई और उसके आसपास के क्षेत्रों के लिए दक्षिणी रेलवे के साथ लंबित महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से किलाम्बक्कम बस टर्मिनस, ईएमयू सेवाओं और एमआरटीएस लाइनों से संबंधित रेलवे कार्यों को तेज करने की आवश्यकता है।

इमरान की पार्टी का चुनाव आयोग पर आरोप, कहा- हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायाधिकरणों में बदलाव गलत

इस्लामाबाद। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया है। पार्टी की ओर से कहा गया है कि चुनाव आयोग ने पंजाब प्रांत में चुनावी विवादों को निपटाने के लिए लाहौर हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त चुनाव न्यायाधिकरणों को बदलने का प्रयास किया। यह सरासर गलत है। पार्टी के नेता सलमान अकरम राजा ने कहा कि पंजाब में नियुक्त चुनाव न्यायाधिकरणों को काम करने की अनुमति नहीं दी गई। जबकि अन्य प्रांतों में चुनाव न्यायाधिकरण मुख्य न्यायाधीशों द्वारा दी गई सूची के अनुसार काम करते हैं। चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हुए राजा ने कहा कि पाकिस्तान के लोग आठ फरवरी को हुए आम चुनावों को भूल नहीं सकते हैं। इसमें सबसे ज्यादा धांधली की गई। उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को जनादेश चोर कहा। राजा ने कहा कि सरकार को पंजाब में सबसे ज्यादा डर लगता है। अगर एलएचसी के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त न्यायाधिकरण विवादों की सुनवाई करेंगे तो कई खुलासे होंगे। उन्होंने कहा कि जो संस्थाओं और लोगों के बीच मतभेद पैदा करता है, वह पाकिस्तान का दुश्मन है। पीटीआई नेता मेहर बानो कुरैशी ने कहा कि लोकतंत्र की ताकत महिलाओं के प्रतिनिधित्व में निहित है। अफसोस है कि केवल तीन महिला नेता संसद में पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रही थीं। दरअसल राजा ने पंजाब में चुनाव न्यायाधिकरणों को कार्यात्मक बनाने की मांग करते हुए पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय में एक समीक्षा याचिका दायर की थी। चार जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब में आठ चुनाव न्यायाधिकरणों की नियुक्ति के संबंध में एलएचसी के फैसले और उसकी अधिसूचना को निलंबित कर दिया था। अब पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पांच सदस्यीय पीठ एलएचसी के फैसले को लेकर सुनवाई करेगी। साथ ही चुनाव आयोग की अपील पर भी विचार करेगी।

पाकिस्तान में हुए आम चुनाव में नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पीएमएल-एन और बिलावल भुट्टो की पीपीपी ने व्यक्तिगत रूप से इमरान खान की पीटीआई से 92 से कम सीटें जीतीं। दोनों पार्टियों ने चार अन्य छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन किया। इससे खान की पार्टी को सरकार बनाने का मौका नहीं मिला।

जयशंकर ने कुवैत में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की

कुवैत विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कुवैत में भारतीय समुदाय, पेशेवर और विभिन्न सामुदायिक संगठनों के प्रतिनिधियों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भारत और कुवैत के बीच संबंधों मं उनकी उपलब्धी और योगदान की तारीफ की है।

एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा, "ईएएम ने कुवैत में भारतीय समुदाय के प्रमुख सदस्यों के साथ-साथ विभिन्न पेशेवर और सामुदायिक संघों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। कुवैत में बड़ा और जीवंत भारतीय समुदाय दोनों देशों के बीच एक पुल बनाने का काम करता है।

जयशंकर 18 अगस्त को कुवैत की एकदिवसीय आधिकारिक यात्रा पर थे। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, "कुवैत में भारतीय समुदाय के साथ एक अच्छी बातचीत। भारत-कुवैत संबंधों में उनकी उपलब्धियों और योगदान की सराहनीय है।"

कुवैत के प्रधानमंत्री से की मुलाकात

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कुवैत के प्रधानमंत्री शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद अल जाबेर अल-सबा तथा क्राउन प्रिंस शेख सबा अल-खालिद अल-सबा से मुलाकात की। जयशंकर ने कुवैत के नेताओं के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए विचारों का आदान-प्रदान किया।

एक दिवसीय यात्रा पर रविवार को कुवैत पहुंचे जयशंकर ने दोनों देशों के संबंधों को मजबूत बनाने संबंधी पीएम शेख सबा के विचारों की सराहना की और उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। विदेश मंत्री ने आर्थिक सहयोग को लेकर कुवैत के पीएम के विचारों को मूल्यवान बताया। जयशंकर ने इस मुलाकात की जानकारी खुद सोशल मीडिया पर साझा की। सरकारी समाचार एजेंसी केयूएनए के अनुसार, मुलाकात के दौरान नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों व सहयोग बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा हुई।

इससे पहले कुवैत पहुंचने पर विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या ने उनका स्वागत किया, जिसके बाद उन्होंने क्राउन प्रिंस से मुलाकात की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा अल-खालिद अल-सबा से मुलाकात करके गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

देशी शराब के साथ 3 अभियुक्त गिरफ्तार

हत्था पुलिस की कार्यवाई, हत्था एवं चकमेहशी थाना क्षेत्र का है अभियुक्त

संवाददाता।

बन्दरा। लगभग सवा 2 लीटर देशी शराब एवं बाइक के साथ तीन अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। हत्था थाना के अध्यक्ष शशि रंजन ने सोमवार को बताया कि देशी शराब एवं बाइक के साथ 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। 3 अभियुक्तों में रवि रंजन कुमार,रुपेश कुमार एवं विनय कुमार सहनी के नाम शामिल है। जो हत्था थाना क्षेत्र के हत्था सोमनाही एवं समस्तीपुर जिला के पड़ोसी चकमेहशी थाना के गंगौरा ग्राम का निवासी है। तीनों को न्यायिक हिरासत के बाद जेल भेज दिया गया।

पीएम मोदी इसी हफ्ते जाएंगे यूक्रेन, मॉस्को-कीव के बीच सीधे मध्यस्थता नहीं करेगा भारत

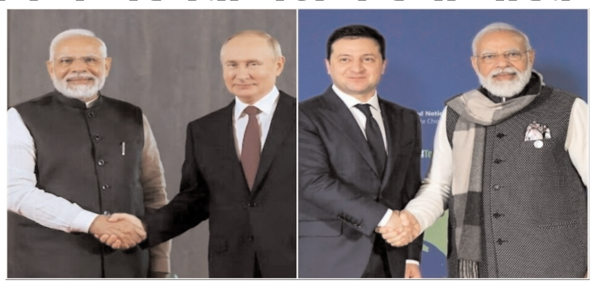

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी हफ्ते युद्धग्रस्त यूक्रेन का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि रूस के साथ जारी जंग के बीच यह पीएम मोदी की यूक्रेन की पहली यात्रा है। पीएम ने करीब एक महीने पहले ही रूस का दौरा कर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी और उनसे कहा था कि यूक्रेन संकट का सैन्य समाधान संभव नहीं है। वहीं सूत्रों ने बताया कि भारत रूस और यूक्रेन के बीच सीधे तौर पर मध्यस्थता नहीं करेगा। हालांकि वह दोनों देशों के बीच संदेश पहुंचाने में मदद कर सकता है। यूक्रेन ने कहा था, पीएम मोदी शांति स्थापना में निभा सकते हैं महत्वपूर्ण भूमिका

पिछले महीने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ फोन पर हुई बातचीत में राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ एंड्री यरमक ने कहा था कि मोदी यूक्रेन में शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि भारतीय पक्ष दोनों युद्धरत देशों के बीच किसी भी प्रत्यक्ष मध्यस्थता की भूमिका के लिए उत्सुक नहीं है। मध्यस्थता के बजाय उसने संकेत दिया है कि वह दोनों पक्षों के बीच संदेश पहुंचा सकता है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वे मध्यस्थता नहीं करेंगे लेकिन उन्होंने कहा है कि वे संदेश दे सकते हैं। हालांकि विदेश मंत्रालय से इस मामले पर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया।

भारत बातचीत और कूटनीति का करता रहा है समर्थन...भारत ने यूक्रेन में रूस की कार्रवाई की सार्वजनिक रूप से निंदा करने से परहेज किया है और संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन से संबंधित अधिकांश प्रस्तावों के खिलाफ मतदान किया है या उनसे दूर रहा है। नई दिल्ली ने लगातार कहा है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष में बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। वह स्थायी समाधान खोजने के उद्देश्य से किए जाने वाले सभी प्रयासों का समर्थन करेगा।

पीएम मोदी ने रूस को दी थी नसीहत...भारतीय विश्लेषकों का कहना है कि पीएम मोदी की कीव यात्रा का मकसद मॉस्को के दौरे से हुए नुकसान को नियंत्रित करना है। उनके दौरे के समय ही यूक्रेन की राजधानी कीव में बच्चों के एक अस्पताल पर घातक हमला हुआ था। इसके चलते यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की समेत कई पश्चिमी देशों के नेताओं ने पीएम की आलोचना की थी।

'कमला हैरिस की उम्मीदवारी से राष्ट्रपति चुनाव में आया नया उत्साह'

शिकागो। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष जैमी हैरिसन ने रविवार को कहा कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने से चुनाव में नई उर्जा और उत्साह आया है। उन्होंने कहा कि हैरिस ने बहुत सारी खुशी और उम्मीद दी है।

डर फैलाने और देश को बांटने की कोशिश कर रहे ट्रंप: हैरिसन...हैरिसन ने पीटीआई के साथ एक इंटरव्यू में कहा, "डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नामांकन ने राष्ट्रपति चुनाव को अत्यधिक उर्जा और उत्साह से भर दिया है। वह इस अभियान में बहुत सारे युवाओं और विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को शामिल कर रही हैं। लोग उनके प्रति बहुत उत्साहित हैं।" उन्होंने आगे कहा, "हैरिस इस चुनाव में बहुत सारी उम्मीद और खुशी लेकर आई हैं, जो (पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार) डोनाल्ड ट्रंप जैसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जरूरी है। ट्रंप डर फैलाने और देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। कमला हैरिस एक महान नेता हैं और उनका अभियान शानदार है।"

डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन आज से शुरू...चार साल में एक बार होने वाला डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन सोमवार से शिकागो में शुरू हो रहा है। उपराष्ट्रपति हैरिस गुरुवार को अपने नामांकन को स्वीकार करने का औपचारिक भाषण देंगी। हैरिसन ने कहा, "मुझे लगता है कि इस मंच से आपको बहुत सारी उम्मीद और खुशी मिलेगी। डेमोक्रेटिक पार्टी के पुराने और नए सभी नेता मंच पर होंगे।"

कन्वेंशन में 30000 से ज्यादा डेमोक्रेट्स जुटेंगे...हैरिसन ने कहा, "राष्ट्रपति जो बाइडन, पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन भी इस कन्वेंशन को संबोधित कर सकते हैं। कन्वेंशन में डेमोक्रेटिक पार्टी के 30 हजार से ज्यादा नेता और सदस्य शामिल होंगे। हर कोई मंच पर अपनी छवि देखेगा, जो एक बड़ी बात है। आप यह रिपब्लिकन पार्टी के बारे में नहीं कह सकते। हमारी पार्टी अमेरिका की विविधता दर्शाती है, जो पूरी दुनिया में देखी जाती है। यही बात हमें गौरवान्वित करती है।" उन्होंने सभी अमेरिकियों से अपील की कि वे कमला हैरिस और टिम वाल्ट्ज का समर्थन करें क्योंकि वे अमेरिका के भविष्य के लिए काम कर रहे हैं और सिर्फ अतीत में नहीं फंसे हुए हैं। डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में सभी 50 राज्यों से डेमोक्रेट्स शिकागो में एकत्र होंगे, ताकि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और गवर्नर टिम वाल्ट्ज का डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का समर्थन कर सकें।

20 अगस्त को होगा रोल कॉल उत्सव....20 अगस्त को उपराष्ट्रपति हैरिस और गवर्नर वाल्ट्ज का रोल कॉल उत्सव होगा। रोल कॉल के दौरान सभी 57 प्रतिनिधिमंडल टिप्पणियां देंगे और राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों के रूप में हैरिस और वाल्ट्ज के लिए औपचारिक मतदान करेंगे। हैरिसन ने कहा, "रोल कॉल एक लोकप्रिय और पारंपरिक परंपरा है। हमें इसे एक नए और मजेदार स्वरूप में लाने पर गर्व है।

मुडा मामले में सिद्धारमैया को राहत, हाईकोर्ट का निर्देश- 29 अगस्त तक कार्रवाई न करें विशेष अदालत

कर्नाटक। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने एमपी/एमएलए कोर्ट को निर्देश दिया कि वह कथित मैसूरू शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) स्थल आवंटन घोटाले में सिद्धारमैया के खिलाफ 29 अगस्त तक कोई कार्यवाही न करे। इसी दिन सीएम के खिलाफ शिकायतों के मामले की सुनवाई होनी है।

सीएम सिद्धारमैया की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने कहा कि मैंने प्रथमद्दष्टया प्रस्तुतीकरण पर विचार किया। यह तर्क दिया गया कि निचली अदालत के समक्ष कार्यवाही इस बात पर आदेश के लिए लंबित है कि मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी दी जानी चाहिए या नहीं। मुख्यमंत्री के खिलाफ आगे की कार्रवाई की अनुमति देने वाला कोई भी आदेश इस अदालत के समक्ष कार्यवाही को विफल कर देगा। चूंकि कार्यवाही इस अदालत के समक्ष लंबित है और दलीलें अभी पूरी नहीं हुई हैं। इसलिए मामले की अगली सुनवाई तक संबंधित अदालत अपनी कार्यवाही स्थगित रखेगी। इन शिकायतों के संबंध में कोई प्रारंभिक कार्रवाई नहीं की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और केंद्र के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता राज्यपाल थावरचंद गहलोत की ओर से पेश हुए।

सीएम के वकील ने कहा, योग्यता पर विचार किए छोटे आदेश में दी गई मंजूरी...सिंघवी ने कहा कि राज्यपाल ऐसे मामलों में कैबिनेट के फैसले से बंधे होते हैं लेकिन इसके बजाय उन्होंने मामले की योग्यता पर विचार किए बिना दो पेज के छोटे आदेश में मंजूरी जारी कर दी। यह तर्क दिया गया कि राज्यपाल ने बिना किसी विशेष कारण के कई लंबित शिकायतों में से वर्तमान शिकायत को चुना। यदि इस तरह की मंजूरी दी जाती है तो आपको सरकार के मालिकों को अस्थिर करने के लिए संविधान के किसी प्रावधान की आवश्यकता नहीं है। साथ ही कहा कि सिद्धारमैया की कथित घोटाले में कोई भूमिका नहीं है क्योंकि यह पिछली सरकार में हुआ था। उन्होंने तर्क दिया कि मंजूरी बिना सोचे समझे दी गई और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

रिट याचिका में कहा गया, आदेश वैधानिक आदेशों का उल्लंघन...सिद्धारमैया ने रिट याचिका दायर कर मुडा में अनियमितताओं के संबंध में उनके खिलाफ जांच की मंजूरी देने वाले राज्यपाल के आदेश को रद्द करने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि मंजूरी आदेश बिना सोचे-समझे जारी किया गया और यह वैधानिक आदेशों का उल्लंघन है। साथ ही कहा कि यह सांविधानिक सिद्धांतों के विपरीत है, जिसमें मंत्रिपरिषद की सलाह भी शामिल है और संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत बाध्यकारी है। उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत पूर्व अनुमोदन और मंजूरी देने वाले 16 अगस्त के आदेश को चुनौती दी थी।

उन्होंने याचिका में कहा था कि राज्यपाल का आदेश कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। यह प्रक्रियात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण है और बाहरी कारकों से प्रेरित है। गहलोत ने मुडा भूमि आवंटन घोटाले के संबंध में सिद्धारमैया के खिलाफ जांच करने को मंजूरी दे दी थी। आरोप है कि सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को मैसूरू में प्रतिपूरक भूखंड आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी उस भूमि की तुलना में अधिक था, जिसे मुडा ने अधिगृहीत किया था। राज्यपाल ने प्रदीप कुमार एसपी, टीजे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा के आवेदन पर आदेश दिया था। इसके बाद अब्राहम और कृष्णा ने एमपी/एमएलए कोर्ट का रुख किया और मामले की सुनवाई मंगलवार और बुधवार को होनी है।

राजनीतिक लड़ाई के दौरान मुझे और अधिक जोश आता है: सिद्धारमैया...रिट याचिका दायर करने के कुछ घंटों बाद सिद्धारमैया ने कहा कि मेरी अंतरात्मा साफ है। मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है। मुझे कोर्ट से राहत मिलने का पूरा विश्वास है, क्योंकि मैंने कोई गलत काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि वह पहली बार 40 साल पहले 17 अगस्त, 1984 को मंत्री बने थे और उनके राजनीतिक जीवन में एक भी दाग नहीं है। मेरा राजनीतिक जीवन एक खुली किताब है।

मैंने कोई गलत काम नहीं किया है, कोई गलत काम नहीं करूंगा। राजभवन का इस्तेमाल कर भाजपा और जद(एस) ने मेरी छवि खराब करने की साजिश रची है। आदेश को राजनीति से प्रेरित बताते हुए उन्होंने कहा कि वह इसका राजनीतिक और कानूनी तरीके से मुकाबला करेंगे। उन्होंने कहा कि हम कानूनी लड़ाई भी लड़ेंगे, हम राजनीतिक लड़ाई भी लड़ेंगे। राजनीतिक लड़ाई के दौरान मुझे और अधिक जोश आता है। मैं लगातार ऐसा करता रहा हूं। मैंने पहले भी ऐसा किया है, अभी भी कर रहा हूं और भविष्य में भी करूंगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस भ्रम में है कि अगर वह राजनीतिक रूप से खत्म हो गए तो पूरी कांग्रेस भी खत्म हो जाएगी। उनकी यह योजना साकार नहीं होगी।

मुडा मामले में कांग्रेस और भाजपा ने किया विरोध प्रदर्शन...कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जांच के आदेश को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने बंगलूरू, उडुपी, मंगलूरू, हुबली-धारवाड़, विजयपुरा, कलबुर्गी, रायचूर, तुमकुरु और मैसूरू सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन किए और राज्यपाल के खिलाफ नारेबाजी की। उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहाकि राज्यपाल बिना मतलब का मामला बना रहे हैं। यह लोकतंत्र की हत्या है और हम इसका विरोध करेंगे।

भाजपा ने प्रदर्शन कर मांगा सीएम का इस्तीफा...वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक के नेतृत्व में पार्टी ने विधान सौध परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास धरना दिया और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। भाजपा नेताओं ने कहा कि सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है और पारदर्शी तथा निष्पक्ष जांच के लिए उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा भी शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की समीक्षा बैठक में शामिल हुईं वित्त मंत्री, ये अधिकारी रहे मौजूद

मुंबई। सोमवार यानी 19 अगस्त को क्षाब्नई दिल्ली केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को दिल्ली में आयोजित एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान विभिन्न मापदंडों पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की गई। बैठक में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव डॉ. विवेक जोशी, नए सचिव एम. नागराजू, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के एमडी और सीईओ के अलावा वित्तीय सेवा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। वित्त मंत्रालय की ओर से एक्स पर इसकी जानकारी साझा की गई।

कसान को दरकिनार कर बेफिक्र बढ़ाएं कारोबार; पॉलिसी में कामगारों को मुआवजा, चोरी की भी भरपाई

नई दिल्ली। एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम) अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। यह न सिर्फ देश की कुल जीडीपी में 30 फीसदी का योगदान देती है बल्कि करोड़ों लोगों को रोजगार भी मुहैया कराती है। सरकार के स्वरोजगार पहल से लोगों में अपना कारोबार/उद्यम शुरू की धारणा बढ़ी है। किसी उद्यम का मालिक होना गर्व की बात है, लेकिन इस राह में कई जोखिम भी हैं। प्राकृतिक आपदा, दंगे, चोरी और आग लगने जैसे अन्य जोखिमों की वजह से कारोबार को भारी नुकसान पहुंच सकता है। अगर आप चाहते हैं कि ऐसे नुकसान की चिंता किए बिना आप कारोबार को आगे बढ़ाते रहें तो, इसमें एमएसएमई बीमा मददगार साबित हो सकता है। बीमा नियामक इरडा ने ऐसे जोखिमों से बचाने के लिए कई पॉलिसी पेश की हैं।

कामगारों को मुआवजा

यह कवर कारोबारी परिसर में सेवाएं देने वाले कर्मचारियों के लिए होती है। एक विनिर्माण इकाई में विभिन्न गतिविधियां होती है, जो मानव जीवन के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं। यह पॉलिसी ऐसे कर्मचारियों की कार्यस्थल पर कमाने की क्षमता और इलाज के कारण होने वाले नुकसान की मुआवजे के रूप में भरपाई करती है।

भारत सूक्ष्म व लघु उद्यम सुरक्षा

इरडा ने पांच करोड़ तक के निवेश वाले सूक्ष्म उद्यमों के लिए भारत सूक्ष्म उद्यम पॉलिसी बनाई है। यह व्यापक पॉलिसी संपत्ति संरचना और सामग्री दोनों के नुकसान को कवर करती है।

भारत लघु उद्यम सुरक्षा पॉलिसी पांच करोड़ से लेकर 50 करोड़ रुपये तक के निवेश वाले उद्यमों के लिए है। यह विशेष रूप से एमएसएमई के लिए उपयोगी पॉलिसी है। इसमें विभिन्न स्थानों पर मौजूद उन स्टॉक को होने वाला नुकसान भी होता है, जिनके मूल्य में भिन्नता है। इसके लिए ऐड-ऑन कवर लेना पड़ता है।

चोरी की भी भरपाई

यह पॉलिसी आपकी संपत्ति में चोरी या सेंधमारी या उसमें हुए नुकसान को कवर करती है। अगर आपके कारोबारी परिसर में किसी वस्तु की चोरी हो जाए, तो यह पॉलिसी उसकी भी भरपाई करती है। हालांकि, इसके लिए ?पॉलिसी लेते समय आपको परिसर में मौजूदा वस्तुओं की जानकारी देनी होगी। इसमें विक्रेताओं या निमार्ताओं के दोषपूर्ण उत्पाद से ग्राहक को होने वाली शारीरिक क्षति को कवर किया जाता है। अगर ग्राहक दोषपूर्ण उत्पाद से होने वाले नुकसान की वजह से शिकायत दर्ज कराता है, तो प्रॉडक्ट लायबिलिटी पॉलिसी बीमाधारक की ओर से जवाब देगी और आवश्यक क्षतिपूर्ति करेगी।

रियल एस्टेटः किराये के अलावा कमाई के और तरीके, बिना कागजी कार्रवाई घर देना खतरनाक हो सकता है

नई दिल्ली। छह साल पहले तक वमार्जी के लिए सबकुछ ठीक था। मुश्किल तब बढ़ी, जब उनका किरायेदार बिना नोटिस के और कोविड के कारण बकाया नहीं देकर थोड़े ही समय में घर छोड़कर चला गया। उन्हें स्वयं कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा और छह महीने की अवधि में उन्हें घर की मरम्मत करानी पड़ी। इससे उनकी वित्तीय स्थिति प्रभावित हुई। उनके बच्चे शहर चले गए थे। उनकी पेंशन बहुत कम थी। उनकी पत्नी को किडनी की समस्या के कारण बार-बार डायलिसिस के लिए जाना पड़ता था। लागतें लगातार बढ़ रही थीं और पहली मंजिल का किराया उनके नियमित खर्चे का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया था।

बिना कागजी कार्रवाई घर देना खतरनाक

दो साल पहले उनका एक दोस्त अपने बेटे के लिए मकान चाहता था। चूंकि, युवक दोस्त का बेटा था, इसलिए वमार्जी ने किसी रजिस्टर्ड एग्रीमेंट के लिए दबाव नहीं डाला। दोनों ने एक सादे कागत पर औपचारिक हस्ताक्षर किए। बैंक और अन्य जरूरी आईडी के विवरण का आदान-प्रदान किया। लीज नवीनीकरण के लिए आने तक सब ठीक था। लेकिन, उनके दोस्त के बेटे ने किराये में किसी भी तरह की बढ़ोतरी से इन्कार कर दिया, क्योंकि एग्रीमेंट में इसका उल्लेख नहीं किया गया था।

किराये की आय पर निर्भरता से बचें

अब, वमार्जी चिंतित हैं और उन्होंने इसमें अपने दोस्त को शामिल करने की कोशिश की है, लेकिन उनसे भी खास मदद नहीं मिल रही है। आजकल बड़े शहरों में यह आम बात है, जहां किरायेदार सख्त हो सकते हैं और मकान मालिकों को दोषी किरायेदारों से निपटना मुश्किल हो रहा है। सबसे बड़ा दोष बाद की उम्र में किराये की आय के लिए रियल एस्टेट पर निर्भर होना है। आय के स्रोत के रूप में रियल एस्टेट एक बेहतरीन उदाहरण है, लेकिन जरूरी नहीं है कि इससे आपको किराये के रूप में हमेशा अच्छा रिटर्न मिले।

अक्सर किराये की आय साल में सिर्फ 10 महीने के लिए होती है, जिसमें एक महीने का किराया मरम्मत और टैक्स में चला जाता है। इस बात की भी आशंका है कि कोई किरायेदार आपका घर आसानी से नहीं छोड़ेगा। इससे चिंता हो सकती है।

गहराई से विचार करने की है जरूरत

निवेश के रूप में रियल एस्टेट, विशेष रूप से किराये की आय एक गलत अवधारणा है, जिस पर गहराई से विचार करने की जरूरत है। ऐसे भी उदाहरण हैं, जब कोई अपनी संपत्ति बेचना चाहता है और उसके लिए खरीदार ढूंढना या उसे अपनी इच्छानुसार बेचना मुश्किल हो जाता है। तो, क्या रियल एस्टेट के इन मुद्दों से निकलने का कोई रास्ता है? हां और नहीं। हां, जिस घर में आप रहते हैं उसके अलावा रियल एस्टेट में निवेश से लाभ पाने के कई तरीके हैं। आज ऐसे रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट हैं, जिनमें आप पैसे लगा सकते हैं। ?ऐसे रियल एस्टेट प्रबंधक भी हैं जो शुल्क के लिए संपत्तियों का प्रबंधन करते हैं। ये सभी नए रास्ते हैं और लोगों को ऐसे विचारों को अपनाने में कुछ समय लगेगा।

अदाणी समूह का कर पूर्व लाभ जून तिमाही में 33 प्रतिशत बढ़ा, शुद्ध मुनाफा 50% ज्यादा

नई दिल्ली। जाने माने उद्योगपति गौतम अदाणी की अगुवाई वाले समूह ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में कर-पूर्व लाभ में 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इसका कारण मुख्य बुनियादी ढांचा कारोबार के साथ-साथ सौर और पवन विनिर्माण से लेकर हवाईअड्डों तक के उभरते कारोबारों का मजबूत प्रदर्शन है।

समूह ने एक बयान में कहा, ह्वपहली तिमाही में कर पूर्व लाभ(ईबीआईटीडीए) सालाना आधार पर 32.87 प्रतिशत बढ़कर 22,570 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले 12 महीनों (टीटीएम) का ईबीआईटीडीए 79,180 करोड़ रुपये रहा, जो उससे पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 45.13 प्रतिशत अधिक है ह्वचालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में समूह का शुद्ध लाभ 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 10,279 करोड़ रुपये रहा। समूह ने कहा, "लगातार बढ़ता ईबीआईटीडीए मुख्य रूप से समूह के अत्यधिक स्थिर और मजबूत ह्वमुख्य बुनियादी ढांचा मंच के कारण है।"मुख्य बुनियादी ढांचा मंच में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के प्रमुख बुनियादी ढांचा कारोबार, उपयोगिता (अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी पावर, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अदाणी टोटल गैस) और परिवहन (अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड) कारोबार हैं। अदाणी एंटरप्राइजेज का ईबीआईटीडीए अप्रैल-जून में 46 प्रतिशत बढ़कर 4,487 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 1,776 करोड़ रुपये पहुंच गया।

नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी का जून तिमाही में ईबीआईटीडीए 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,866 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ लगभग दोगुना होकर 629 करोड़ रुपये रहा। अदाणी पावर का लाभ जून तिमाही में 54 प्रतिशत बढ़कर 3,490 करोड़ रुपये हो गया, जबकि अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड का लाभ 47 प्रतिशत बढ़कर 3,107 करोड़ रुपये हो गया।

लाभ में सबसे कम वृद्धि सिटी गैस वितरण कंपनी अदाणी टोटल गैस लिमिटेड में हुई। कंपनी ने 14.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 172 करोड़ रुपये का लाभ कमाया। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के अंतर्गत आने वाली उभरती इन्फ्रा कंपनियां (अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड, हवाई अड्डे और सड़कें) कुल वृद्धि में सबसे आगे रही। इसमें ईबीआईटीडीए 70 प्रतिशत बढ़कर 2,991 करोड़ रुपये हो गया। अदाणी ने कहा ईबीआईटीडीए के अनुपात में शुद्ध कर्ज भी कई साल के निचले स्तर पर आ गया है।

घरेलू हवाई यातायात जुलाई में सालाना आधार पर 7.3% बढ़कर 1.29 करोड़ पर

नई दिल्ली। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने जुलाई में 1.29 करोड़ से अधिक यात्रियों को मंजिल तक पहुंचाया, जो सालाना आधार पर 7.3 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

हालांकि, जुलाई में हवाई यातायात इस साल जून की तुलना में कम था, जब 1.32 करोड़ यात्रियों ने उड़ान भरी थी।

इंडिगो ने घरेलू हवाई यातायात क्षेत्र पर अपना दबदबा जारी रखा और जुलाई में इसकी बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 62 प्रतिशत हो गई। दूसरी ओर एयर इंडिया की हिस्सेदारी घटकर 14.3 प्रतिशत रह गई।नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने विस्तारा की घरेलू बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 10 प्रतिशत हो गई। एआईएक्स कनेक्ट और स्पाइसजेट की हिस्सेदारी घटकर क्रमशः 4.5 प्रतिशत और 3.1 प्रतिशत रह गई।इसके अलावा, अकासा एयर और अलायंस एयर की हिस्सेदारी क्रमशः 4.7 प्रतिशत और 0.9 प्रतिशत तक गिर गई। डीजीसीए ने कहा, जनवरी-जुलाई, 2024 के दौरान घरेलू एयरलाइंस ने 923.35 लाख लोगों को यात्रा कराई, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 881.94 लाख था। इस तरह यात्रियों की संख्या में 4.70 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि और 7.33 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्ज की गई।

शेयर बाजार में सपाट क्लोजिंग, सेंसेक्स 12 अंक टूटा, निफ्टी 24575 से नीचे

नई दिल्ली। बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को सुस्त कारोबार में सपाट नोट पर बंद हुए, क्योंकि निवेशकों ने बाजार में आगे के रुझान की प्रतीक्षा में खरीदारी से परहेज किया। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रतिभागियों ने उच्च मूल्यांकन चिंताओं के बीच चुनिंदा ब्लू-चिप शेयरों में मुनाफावसूली भी की। एक सीमित कारोबार में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 12.16 अंक या 0.02 प्रतिशत गिरकर 80,424.68 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 80,724.40 अंक के उच्चस्तर और 80,332.65 अंक के निम्नस्तर पर रहा।उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में एनएसई निफ्टी 31.50 अंक अथवा 0.13 प्रतिशत बढ़कर 24,572.65 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, भारती

एयरटेल, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स तथा आईसीआईसीआई बैंक में सर्वाधिक गिरावट रही। इसके विपरीत टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, एशियन पेंट्स तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज में लाभ रहा। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "भारतीय बाजार शुरूआती बढ़त हासिल करने में विफल रहा क्योंकि मांग में नरमी के कारण वाहन कंपनियों के शेयरों में कुछ मुनाफावसूली देखी गयी।"

एशियाई बाजारों में शंघाई तथा हांगकांग में तेजी रही जबकि सियोल तथा टोक्यो में गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में अधिकतर तेजी रही। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुए।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड में अनुसंधान सेगमेंट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा " शेयर बाजार ने सप्ताह की शुरूआत मौन नोट पर की और शुक्रवार की उछाल के बाद राहत लेते हुए लगभग सपाट बंद हुए। शुरूआती तेजी के बाद, निफ्टी एक सीमित दायरे में कारोबार करता दिखा।

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को खरीदार बन गए और उन्होंने 766.52 करोड़ रुपये के इक्विटी खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने शुक्रवार को 2,606.18 करोड़ रुपये के इक्विटी खरीदे।

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.82 फीसदी गिरकर 79.03 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

एसबीआई ने अपनी रिपोर्ट में जमा से जुड़ी चिंताओं को खारिज किया

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा है कि यह धारणा कि बैंकिंग क्षेत्र में जमा वृद्धि कम हो रही है, केवल एक सांख्यिकीय मिथक है।

हालांकि, रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि, यह सच है कि हाल के वर्षों में ऋण वृद्धि ने जमा वृद्धि को पीछे छोड़ दिया है, जिससे कुछ लोग इसे जमा गतिविधि में कमी के संकेत के रूप में बता रहे हैं, लेकिन एक गहन विश्लेषण से एक अलग कहानी सामने आती है।

रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि वित्त वर्ष 23 में, बैंकिंग क्षेत्र, विशेष रूप से सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एएससीबी) ने 1951-52 के बाद से जमा और ऋण दोनों में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की। जमा में 15.7 लाख करोड़ रुपये की प्रभावशाली वृद्धि हुई, वित्त वर्ष 2024 में भी यह गति जारी रही, जिसमें जमा राशि में 24.3 लाख करोड़ रुपये और ऋण में 27.5 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई।

जमा वृद्धि में मंदी का संकेत देने वाले कथन के बावजूद, डेटा हमें इसके विपरीत जानकारी देता है। वित्त वर्ष 2022 से, वृद्धिशील जमा वृद्धि वास्तव में वृद्धिशील ऋण वृद्धि से आगे निकल गई है, जिसमें जमा राशि में 59 ट्रिलियन रुपये की तुलना में 61 ट्रिलियन रुपये की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, "दशकीय जमा में 2.75 गुना की तीव्र वृद्धि हुई है, लेकिन वित्त वर्ष 2022 से दशकीय ऋण में 2.8 गुना वृद्धि हुई है, जमा राशि में 59 ट्रिलियन रुपये के ऋण विस्तार के मुकाबले 61 ट्रिलियन रुपये की वृद्धि हुई है।"

केरल के मुख्यमंत्री ने बैंकों से की अपील, कहा- लोगों के ऋण माफ करें

नई दिल्ली। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने सोमवार को विभिन्न बैंकों से केरल के वायनाड में भूस्खलन पीड़ितों और बचे हुए लोगों की ओर लिए गए ऋण माफ करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऋण माफ करने से बैंकों पर कोई असहनीय बोझ नहीं पड़ेगा और इसलिए इसे पूरी तरह से माफ कर दिया जाना चाहिए।

यहां राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की बैठक को संबोधित करते हुए, सीएम ने कहा कि ब्याज राशि में छूट या मासिक किस्तों को जमा करने के लिए समय का विस्तार भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में बिल्कुल भी राहत भरा समाधान नहीं होगा।उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने ऋण लिया था उनमें से कई मर चुके हैं और आपदा के बाद उनकी जमीन अनुपयोगी हो गई है। विजयन ने कहा, "हम केवल यही कर सकते हैं कि इन प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की ओर से लिए गए पूरे ऋण को माफ कर दें।"

उन्होंने भूस्खलन पीड़ितों से मासिक किस्तें लेने के बैंकों के कदम पर सरकार की कड़ी नाराजगी जताई और एसएलबीसी से इस संबंध में अनुकूल निर्णय लेने का आग्रह किया। विजयन की यह प्रतिक्रिया केरल ग्रामीण बैंक के खिलाफ तीव्र विरोध के बीच आई है, जिसने कथित तौर पर वायनाड में भूस्खलन पीड़ितों में से एक के खाते से मासिक किस्त के रूप के 15,000 रुपये काटे हैं।

विभिन्न राजनीतिक दलों ने सोमवार को कलपेट्टा में बैंक की शाखा के सामने विरोध प्रदर्शन किया। 30 जुलाई को वायनाड के मुंडक्कई और चूरालामाला क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिससे दोनों क्षेत्र लगभग तबाह हो गए और 200 से अधिक लोग मारे गए और कई घायल हो गए।

निवेश मंत्राः निवेश के लिए आकर्षक हैं बराबर भार वाले सूचकांक, तीन वर्षों में 182 फीसदी बढ़कर 10 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड कंपनियां ऑफर्स को बेहतर बनाते हुए पैसिव निवेश के क्षेत्र में अनूठे फंड लॉन्च कर रही हैं। निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड का निफ्टी 500 ईक्वल वेट इंडेक्स फंड 21 अगस्त को खुलेगा। यह निफ्टी 500 को कवर करने वाला पहला ईक्वल वेट इंडेक्स है। ईक्वल वेट इंडेक्स स्टॉक बाजार सूचकांक में एक अनूठा नजरिया दिखाते हैं, जहां सूचकांक में प्रत्येक घटक को कंपनी के बाजार पूंजीकरण की परवाह किए बिना ईक्वल वेट दिया जाता है। निफ्टी 500 ईक्वल वेट सूचकांक ने एक वर्ष में 56.6 फीसदी और तीन वर्ष में 25.9 फीसदी का रिटर्न दिया है। निफ्टी 500 सूचकांक का रिटर्न इसी दौरान 39.2 फीसदी और 21 फीसदी रहा है।

वैश्विक फंड हाउसों में भी बढ़ा निवेश

वैश्विक स्तर पर ईक्वल वेट फंडों में निवेश के प्रति रुचि रही है। इन्वेस्को एसएंडपी 500 ईक्वल वेट ईटीएफ की संपत्ति 5,840 करोड़ डॉलर है। गोल्डमैन सैश ईक्वल वेट यूएस लार्ज कैप इक्विटी ईटीएफ का एयूएम 73 करोड़ डॉलर है। निप्पॉन इंडिया निफ्टी 500 ईक्वल वेट सूचकांक फंड, निफ्टी 500 ईक्वल वेट सूचकांक टीआरआई को दशार्ता है।

निफ्टी 500 सूचकांक के सभी घटक हमेशा निफ्टी 500 ईक्वल वेट सूचकांक का हिस्सा होंगे। सूचकांक में हर घटक का बराबर वेट होगा।

तिमाही आधार पर निकाल लिया जाता है मुनाफा...ईक्वल वेट में इस तरह की रणनीति निवेशकों को ऑटोमैटिक मुनाफा बुकिंग का अनूठा लाभ प्रदान करता है, जहां बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्टॉक्स का मुनाफा तिमाही आधार पर बुक किया जाता है। तिमाही पुनसंर्तुलन के जरिये पोर्टफोलियो के घटकों में पुनः बांट दिया जाता है। इस फंड में निवेश से समान अवसर का लाभ मिलता है क्योंकि सूचकांक में सभी घटकों का ईक्वल वेट होता है, जो प्रत्येक घटक को प्रदर्शन का मौका देता है।

तिमाही आधार पर निकाल लिया जाता है मुनाफा...ईक्वल वेट में इस तरह की रणनीति

निवेशकों को ऑटोमैटिक मुनाफा बुकिंग का अनूठा लाभ प्रदान करता है, जहां बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्टॉक्स का मुनाफा तिमाही आधार पर बुक किया जाता है। तिमाही पुनसंर्तुलन के जरिये पोर्टफोलियो के घटकों में पुनः बांट दिया जाता है। इस फंड में निवेश से समान अवसर का लाभ मिलता है क्योंकि सूचकांक में सभी घटकों का ईक्वल वेट होता है, जो प्रत्येक घटक को प्रदर्शन का मौका देता है।

विविधीकरण के भी मिलते हैं लाभ....निवेशकों को विविधीकरण के लाभ भी मिलते हैं, क्योंकि घटकों के ईक्वल वेट के कारण सूचकांक में ज्यादा विविधीकरण होता है। निवेशकों को निवेश का ज्यादा अवसर मिलता है क्योंकि निफ्टी 500 में 3 प्रमुख अलग से समूह होते हैं। इनमें निफ्टी 100 (लार्जकैप), निफ्टी मिडकैप 150 (मिडकैप) और निफ्टी स्मॉलकैप 250 (स्मॉलकैप), जिससे बाजार के विभिन्न क्षेत्रों और कई सेक्टर्स में निवेश होता है।

'आपातकाल के बाद भारतीयों ने जनसंख्या नियंत्रण पर ध्यान नहीं दिया', बोले इंफोसिस के संस्थापक

नई दिल्ली। इंफोसिस के सह-संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति ने रविवार को बढ़ती जनसंख्या को देश के लिए एक बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि भारतीयों ने आपातकाल के बाद से जनसंख्या नियंत्रण पर ध्यान नहीं दिया है। मूर्ति ने प्रयागराज में मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के दीक्षांत समारोह के दौरान यह टिप्पणी की, जहां वह मुख्य अतिथि थे। मूर्ति ने कहा, "भारत आबादी, प्रति व्यक्ति भूमि उपलब्धता और

स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित चुनौतियों का सामना कर रहा है।"मूर्ति ने कहा, "आपातकाल के बाद से, हम भारतीयों ने जनसंख्या नियंत्रण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है। इससे हमारे देश के अस्थिर होने का खतरा है। इसकी तुलना में अमेरिका, ब्राजील और चीन जैसे देशों में प्रति व्यक्ति भूमि उपलब्धता कहीं अधिक है।"

मूर्ति ने इस बात पर भी जोर दिया कि एक सच्चे पेशेवर की जिम्मेदारी देश की प्रगति में योगदान देना है। उन्होंने कहा, "यह योगदान उच्च आकांक्षाओं, बड़े सपने देखने और उन सपनों को हकीकत में बदलने के लिए कड़ी मेहनत करने पर निर्भर करता है।"

नारायणमूर्ति ने कहा, "एक पीढ़ी को अगले के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कई बलिदान करने पड़ते हैं। मेरे माता-पिता, भाई-बहनों और शिक्षकों ने मेरी प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बलिदान दिए हैं और मुख्य अतिथि के रूप में यहां मेरी उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया।" समारोह के दौरान, 1,670 डिग्री प्रदान की गई। स्नातकोत्तर छात्रों को 34 स्वर्ण पदक मिले जबकि स्नातक छात्रों को 13 स्वर्ण पदक प्राप्त हुए।

लोगों के दिलों में बसने वाला शो है केबीसी 16

नई दिल्ली।मेगास्टार अमिताभ बच्चन कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के 16वें सीजन के होस्ट के रूप में एक बार फिर दर्शकों के सामने हाजिर हो गए हैं। अपनी मनोरंजक होस्टिंग के लिए लोकप्रिय बिग बी की वापसी टीवी शो के दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। यह क्विज शो से सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित हो रहा है। 'कौन बनेगा करोड़पति

16' का मंच हर वर्ग के लोगों का स्वागत करता है। केबीसी शो की खासियत है कि यह जरूरतमंदों के लिए उम्मीद की किरण और बाकियों के लिए एक दिलचस्प खेल बनकर आता है। अगर आपका सामान्य ज्ञान अच्छा है और आपमें हुनर है तो आप इस शो पर आकर उसे आजमा सकते हैं और एक सम्मानित राशि जीतकर अपने सपनों को पूरा करने में उसकी मदद कर सकते हैं। हर वर्ग के लोगों का स्वागत करता है शो एक तरफ जहां कौन बनेगा करोड़पति का मंच लोगों के सपनों को साकार करने का अवसर देता है, दूसरी तरफ कुछ लोगों को यह मंच अपनी जरूरतों को पूरा करने का भी मौका भी देता है। हाल ही में एक प्रतियोगी ने इस शो में हिस्सा लेकर जमीन खरीदने का अपना सपना पूरा किया है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में रहने वाले एक किसान के बेटे सुधीर कुमार वर्मा ने शो से 25,80,000 रुपये जीतकर अपने पिता को एक जमीन खरीदकर तोहफे में दी। सुधीर कुमार की इस कामयाबी ने इस बात को साबित कर दिया है कि ज्ञान वाकई जिंदगी बदल सकता है।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण पांच वर्षों में हो सकता है दोगुना

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में पहली तिमाही के नतीजों का सीजन लगभग खत्म हो चुका है, ज्यादातर प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों ने पहले ही अपने परिणामों की घोषणा कर दी है। ब्रोकरेज फर्म आईसीआईसीआई डायरेक्ट के एक विश्लेषण के अनुसार, पहली तिमाही में मजबूत आंकड़े देने वाले शीर्ष चार क्षेत्र पूंजी बाजार, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाएं और अपशिष्ट प्रबंधन हैं। कैपिटल मार्केट्स सेक्टर पर आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने बताया है कि इससे जुड़ी कंपनियों ने मजबूत परिणाम दिए है। इसका कारण बढ़ता वॉल्यूम, ऑर्डर और ग्राहकों की संख्या में इजाफा रहा है। एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) सेक्टर में भी वृद्धि देखी गई, जिसे उत्साही शुद्ध इक्विटी प्रवाह और रिकॉर्ड-उच्च एसआईपी प्रवाह से मदद मिली है। विश्लेषण में कहा गया है कि मध्यम वर्ग में वृद्धि और बढ़ता वित्तीय समावेशन घरेलू बचत को निवेश उत्पादों और वित्तीय बाजारों की ओर स्थानांतरित कर रहा है, जिससे विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर पैदा हो रहा है।

आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने कहा कि टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में गर्मी के मौसम में तिमाही के दौरान मजबूत वृद्धि हुई। बढ़ते तापमान ने एयर कंडीशनर की मांग को काफी बढ़ा दिया, जिसके परिणामस्वरूप कंज्यूमर ड्यूरेबल्स फर्मों के लिए मजबूत टॉपलाइन ग्रोथ दर्ज की गई।

कम इनपुट लागत, बेहतर उत्पाद मिश्रण और परिचालन दक्षता के कारण उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु क्षेत्र के मार्जिन में विस्तार हुआ। इस क्षेत्र के विकास चालकों में कम पैठ, उच्च डिस्पोजेबल आय के साथ बढ़ती मध्यम वर्ग की आबादी और तेजी से हो रहा शहरीकरण शामिल हैं।

इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवा (ईएमएस) कंपनियों के लिए, विश्लेषण ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), एयरोस्पेस, रेलवे और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं (एयर कंडीशनर और वॉशिंग मशीन) जैसे क्षेत्रों में मजबूत मांग का संकेत दिया। आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने कहा, "भारत का इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का विनिर्माण अगले पांच वर्षों में दोगुना होने का अनुमान है।

एक्सरसाइज एक फायदे अनेक

फिटनेस के लिए जिम जाना ही जरूरी नहीं है, घर में भी पिलेटीज के नियमित अभ्यास से शरीर शेप में आ सकता है। जानें, पिलेटीज से होने वाले फायदों के बारे में। फ्लैट टमी और आकर्षक फिगर की चाह तो सबको होती है। इससे न सिर्फ व्यक्तित्व में निखार आता है बल्कि आत्मविश्वास भी बढ जाता है। फिट फिगर के लिए जरूरत है मांसपेशियों को स्ट्रॉन्ग बनाने की और पिलेटीज मांसपेशियों को मजबूत बनाकर सांस की प्रक्रिया को दुरुस्त करता है।

फिटनेस के लिए जिम जाना ही जरूरी नहीं है, घर में भी पिलेटीज के नियमित अभ्यास से शरीर शेप में आ सकता है। जानें, पिलेटीज से होने वाले फायदों के बारे में। फ्लैट टमी और आकर्षक फिगर की चाह तो सबको होती है। इससे न सिर्फ व्यक्तित्व में निखार आता है बल्कि आत्मविश्वास भी बढ जाता है। फिट फिगर के लिए जरूरत है मांसपेशियों को स्ट्रॉन्ग बनाने की और पिलेटीज मांसपेशियों को मजबूत बनाकर सांस की प्रक्रिया को दुरुस्त करता है। यह एक तरह की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज है।

स्टेप 1 एक्सरसाइज बॉल के जरिये टमी कम करने में मदद मिलती है। अपने बायीं ओर एक्सरसाइज बॉल रखें। अब बाएं पैर को सामने की ओर मोडें। ध्यान रखें कि दायां पैर पीछे की ओर होना चाहिए। अब बाएं हाथ पर बॉल रखें। कोहनियों को थोडा मोडें। अपने दाएं हाथ को सामने लाएं। बॉल को एक हाथ से दूसरे हाथ में ले जाएं। 2-4 सेकंड रुकें और फिर उसी अवस्था में आ जाएं।

स्टेप 2 पीठ के बल लेट जाएं। दोनों हाथ साइड में रखें लेकिन हथेलियों को जमीन से टिकाएं। धीरे-धीरे पैर उठाएं और पंजों को सिर के ऊपर लाने की कोशिश करें। कंधों को आराम दें और पैरों को फिर से सीधा कर लें।

स्टेप 3 पेट के बल सीधे लेट जाएं। अब अपने पैरों को थोडा फैलाएं। बॉल को सीने से दबाएं और हाथों को जमीन पर टिकाएं। इसके बाद धीरे-धीरे आगे की ओर बढना शुरू करें। ध्यान रखें कि हथेली जमीन से टिकी रहनी चाहिए। ऐसा 5-7 मिनट तक करें। थोडी देर रुकें और वापस उसी स्थिति में आ जाएं।

ये हैं फायदे...

मांसपेशियां बनेंगी स्ट्रॉन्गः इससे शरीर के जोड और मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। रीढ की हड्डी के लिए तो यह बहुत जरूरी है लेकिन स्पाइन में कोई समस्या हो तो बिना डॉक्टर की सलाह के ये व्यायाम न करें।

कमर दर्द में भी लाभकारीः पिलेटीज के जरिये हाथ-पैरों को स्ट्रेच करके कमर दर्द से छुटकारा मिल सकता है। स्ट्रेचिंग से आप कमर और हिप्स की मांसपेशियों को स्ट्रॉन्ग बना सकते हैं।

थकान होगी दूरः दिन भर चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए पिलेटीज को अपनी दिनचर्या में जरूर शामिल करें। इससे थकान दूर होती है और ऊर्जा स्तर मेंटेन रहता है।

सूजन होगी गायबः पैरों में मूवमेंट होने से शरीर में रक्त संचार बढता है। इससे शरीर में सूजन या ऐंठन से राहत मिलती है।

गर्भावस्था के दौरान कुछ ब्यूटी टिप्स से बरतें सावधानी

खूबसूरत दिखने की चाहत और हाइजीन से जुड़ी आवश्यकताएं, महिलाओं को हर महीने पार्लर का चक्कर जरूर लगवाती हैं। ऐसे में कई बार गर्भावस्था के दौरान पार्लर में कौन से चीजें कराएं और कौन सी नहीं, महिलाओं के लिए अक्सर चिंता का विषय रहता है। ऐसे में जानिए, ऐसे ब्यूटी ट्रीटमेंट के बारे में, जिन्हें गर्भावस्था के शुरूआती महीनों के दौरान करवाना जच्चा और बच्चा, दोनों की सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

खास किस्म के उत्पाद

फेशियल के लिए तमाम तरह की क्रीम, स्क्रब, क्लींजर आदि का इस्तेमाल सामान्य तौर पर त्वचा की सफाई के लिए जरूरी है लेकिन कई बार गर्भावस्था के दौरान इनके इस्तेमाल से समस्याएं हो सकती हैं। इन ब्यूटी ट्रीटमेंट के कारण त्वचा पर रैशेज, इचिंग जैसी कोई भी समस्या हो सकती है जिसके उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाएं गर्भावस्था के दौरान नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसके अलावा, स्पा, फेशियल और बॉडी मसाज भी गर्भावस्था के दौरान रक्त संचार को प्रभावित करते हैं जिससे गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है।

गर्म तापमान वाली प्रक्रियाएं

गर्भावस्था के दौरान गर्म तापमान वाली चीजों से दूरी बरतना जरूरी है। ऐसे में इस दौरान जो महिलाएं पार्लर में सौना बाथ, स्टीम बाथ, हॉट टब्स जैसे स्पा लेती हैं, वे गर्भावस्था के दौरान इनसे बचें। यहां तक कि गर्म वैक्सिंग की प्रक्रिया भी गर्भावस्था के शुरूआती महीनों में नुकसानदायक हो सकती है। ऐसे में गर्म वैक्स के बजाय औप कोल्ड वैक्स या हेयर रिमूवर क्रीम आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं। गर्म तापमान के संपर्क में आने से शरीर का रक्त संचार बढ़ जाता है जिससे गर्भपात का रिस्क बढ़ जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि गर्भावस्था के दौरान इलेक्ट्रोलाइटिंस और लेजर ट्रीटमेंट का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

पेडिक्योर और मसाज

गर्भावस्था के दौरान पेडिक्योर और मसाज आदि भी महिलाओं के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। पैर की एड़ी में ऐसे कई प्वाइंट्स हैं जिन पर मसाज करने से यूट्रस में सिकुड़न हो सकती है। बॉडी पॉलिश कॉस्मेटिक्स भी महिलाओं के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान पेडिक्योर, मैनीक्योर व बॉडी मसाज से बचना ही समझदारी है।

मेथी, करी पत्ते से बनने वाले हेयर पैक दिलाएंगे मानसून में बेइंतहा झड़ते बालों से छुटकारा

मॉनसून में बाल बहुत ज्यादा मात्रा में टूटते हैं, जिन्हें देखकर बहुत ज्यादा टेंशन होने लगती है। ऑयलिंग के दौरान भी बाल गिरते हैं, शैंपू करते वक्त भी और सूखने के बाद कॉम्बिंग के दौरान भी। अगर आप भी जूझ रही हैं इस समस्या से और समझ नहीं आ रहा इलाज, तो कुछ हेयर पैक की मदद साबित हो सकते हैं असरदार।

मेथी हेयर पैक

मेथी हेयर पैक बनाने के लिए दो से तीन चम्मच मेथी को रातभर के लिए पानी में भिगोकर रख दें।

सुबह मिक्सी में पीकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में आधी कटोरी दही मिलाएं। इस हेयर पैक को बालों में लगाकर उसे सूखने दें। फिर पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इस फेस को लगाएं। पका केला भी बालों से जुड़ी समस्याओं में बेहद फायदेमंद होता है। पके केले को मैश कर इसमें नींबू और शहद मिलाएं। इस हेयर पैक को बालों की जड़ों से लेकर लंबाई तक अप्लाई करें। ये भी पढ़ेंः- त्वचा के दाग-धब्बों को दूर करने से लेकर एजिंग की समस्या तक को दूर करने में मददगार है पपीता

अंडे का हेयर पैक

अंडे का सफेद हिस्सा एक बाउल में निकालें। इसमें एक चम्मच नींबू और चार से पांच बूंद शहद मिलाएं। बालों पर इस पैक को लगाकर लगभग आधा घंटा छोड़ दें। उसके बाद शैंपू कर लें।

हफ्ते में एक बार का इस्तेमाल काफी होगा। करी पत्ता हेयर पैक

इस हेयर पैक को बनाने के लिए 20-25 करी पत्ते लें। इसे रातभर के लिए नारियल तेल में भिगोकर छोड़ दें। सुबह इसे मिक्सी में पीस में। अब इस हेयर पैक को बालों की जड़ों से लेकर लंबाई में अप्लाई करें। आराम से एक घंटे लगाकर रखें। फिर शैंपू कर लें। बालों एकदम मुलायम और चमकदार होने लगेंगे। इन हेयर पैक के नियमित इस्तेमाल से बाल मजबूत होते हैं, काले और घने रहते हैं और उनकी शाइन भी बढ़ती है। नियमित रूप से इस्तेमाल से झड़ते बालों की भी समस्या दूर होने लगती है।

सिल्की और शाइनी बालों के लिए लगाएं मेहंदी, नहीं पड़ेगी किसी ब्रांडेड शैम्पू की जरूरत

मेहंदी का इस्तेमाल सिर्फ हाथों पर ही नहीं, बल्कि बालों में भी किया जाता है। हमारी दादी-नानी भी मेहंदी का इस्तेमाल बालों को खूबसूरत बनाने के लिए करती थीं। मेहंदी बालों के लिए काफी फायदेमंद मानी जाती है। इसे लगाने से बाल मजबूत और चमकदार बनाते हैं, जिससे ये काफी खूबसूरत नजर आते हैं।

मेहंदी का इस्तेमाल सिर्फ हाथों पर ही नहीं, बल्कि बालों में भी किया जाता है। हमारी दादी-नानी भी मेहंदी का इस्तेमाल बालों को खूबसूरत बनाने के लिए करती थीं। मेहंदी बालों के लिए काफी फायदेमंद मानी जाती है। इसे लगाने से बाल मजबूत और चमकदार बनाते हैं, जिससे ये काफी खूबसूरत नजर आते हैं। इसलिए बालों में मेहंदी लगाने का चलन काफी समय से चला आया है। इस आर्टिकल में हम आपको बालों में मेहंदी लगाने के फायदों के बारे में बताएंगे। आइए जानें।

सफेद बालों को छिपाता है

मेहंदी सफेद बालों को छिपाने का नेचुरल तरीका है। इसे लगाने से बालों को नुकसान हुए बिना सफेद बाल छिप जाते हैं। केमिकल न होने के वजह से इससे बाल रूखे और बेजान भी नहीं होते। इसलिए सफेद बालों को ढकने के लिए पार्लर से कलर करवाने की जगह मेहंदी लगाना अच्छा ऑप्शन है। इसके लिए मेहंदी में चाय पत्ती का पानी डालें और लोहे की कढ़ाई में घोलकर रातभर के लिए छोड़ दें। अगले दिन सुबह मेहंदी बालों में अच्छे से लगाएं और थोड़ी देर सूखने दें। इसके बाद ठंडे पानी से इसे धो लें।

बालों को मुलायम बनाता है

रूखे और बेजान बाल देखने में बिल्कुल अच्छे नहीं लगते। इस परेशानी को दूर करने के लिए मेहंदी लगाना फायदेमंद हो सकता है। मेहंदी बालों को मुलायम बनाने में मदद करती है। साथ ही, इससे बालों में चमक भी आती है और स्कैल्प भी हेल्दी रहती है। इसलिए अपने बालों को चमकदार और मुलायम बनाने के लिए मेहंदी लगाएं। इसमें आप चाहें, तो आंवला पाउडर भी मिला सकते हैं।

बाल मजबूत बनते हैं

मेहंदी बालों को स्वस्थ और घना बनाने में मदद करती है। ये बालों को स्ट्रेंथ देने के साथ-साथ खूबसूरत भी बनाती है। मेहंदी में आप चाहें, तो अंडा भी मिलाकर लगा सकते हैं। अंडे की सफेदी में प्रोटीन होता है, जो बालों को खूबसूरत बनाने का काम करता है।

डैंड्रफ ठीक होता है

डैंड्रफ बालों की जड़ों को कमजोर बना देता है, जिसके कारण बाल झड़ने और टूटने लगते हैं। इतना ही नहीं, डैंड्रफ की वजह से बालों में खुजली भी होती है और ये कंधे पर गिरते रहते हैं, जो काफी भद्दा लगता है। इसलिए इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए मेहंदी लगाएं। इसलिए रूसी की समस्या दूर करने के लिए बालों में मेहंदी लगाएं।

मानसून में भी दमकता रहे चेहरा, खिली-खिली रहे आप

तपती गर्मी के बाद जब मानसून दस्तक देता है और बदलता है हवा का रुख तो अंदर तक ताजगी भर जाती है, लेकिन इस शीतल हवा में मौजूद बैक्टीरिया और अन्य कीटाणु त्वचा की रंगत को फीका कर सकते हैं। वहीं बारिश के पानी में प्रदूषण के कारण सल्फेट, फॉस्फोरस, पोटैशियम और सोडियम जैसे मिनरल्स नमी में शामिल हो जाते हैं। ये बालों को कमजोर कर देते हैं। इसके अलावा जिन लोगों को अधिक पसीना आता है, उनके सिर में फंगस लगने से डैंड्रफ का खतरा बढ़ जाता है। आखिर क्या करें कि मानसून में भी दमकता रहे चेहरा और आप रहें खिली-खिली, आइए जानते हैं... बारिश में त्वचा के इंफेक्शन से बचना जरूरी है। इसके लिए नियमित रूप से चेहरे को धोएं

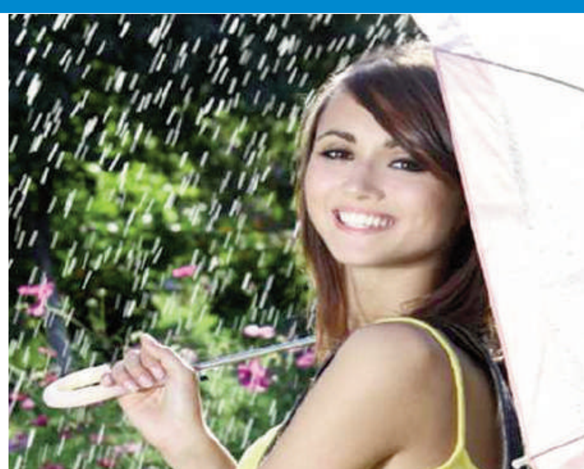

और उसकी क्लेंजिंग करें। डीप पोर क्लेंजर का इस्तेमाल करना अच्छा रहेगा। साथ ही अल्कोहल फ्री टोनर का उपयोग कर सकती हैं। इससे त्वचा की नमी बरकरार रहेगी। इस मौसम में निकलने वाली धूप स्किन को कम नुकसान नहीं पहुंचाती। सनबर्न और टैनिंग आम परेशानियां हैं, जिनसे सभी को दो-चार होना पड़ता है। लिहाजा, बाहर निकलने से पहले चेहरे और शरीर के खुले हिस्सों पर एसपीएफ पावर वाला मैटीफाइंग सनस्क्रीन लगाएं। अमूमन हर किसी की त्वचा अलग होती है। ऐसे में स्किन टेक्सचर को देखते हुए ही मेकअप करें। मानसून में हमेशा ड्राई फिनिश का मेकअप करना अच्छा रहता है। इस मौसम में ब्राइट की बजाय वॉटरप्रूफ मेकअप सही रहेगा। मेकअप करने से पहले चेहरे को अच्छे से धोना न भूलें।

बालों में करें रेगुलर शैंपू

बारिश में नियमित रूप से शैंपू करना चाहिए। इसके अलावा हफ्ते में दो बार हेयर स्पा अवश्य करा लें। इससे बालों की कंडिशनिंग हो जाती है। आप बेशक बालों में तेल लगाने से बचती हों, लेकिन इस सीजन में सप्ताह में एक बार नारियल या ऑलिव ऑयल से सिर की मालिश करें।

चेहरे की चमक बढ़ाने के साथ बढ़ती उम्र में जवां बनाए रखने में भी असरदार है नारियल पानी

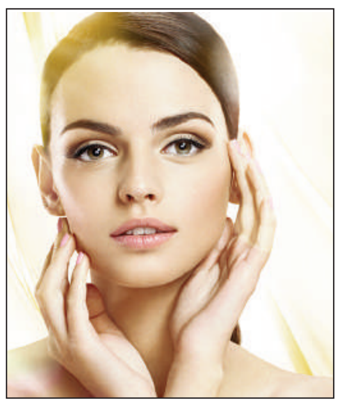

नारियल पानी सेहत के साथ-साथ हमारी स्किन के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर नारियल पानी पीने से बॉडी हाइड्रेट रहती है, जिसका असर चेहरे पर भी देखने को मिलता है। पीने के अलावा आप इसे आप अपने स्किन केयर रूटीन में भी शामिल कर सकते हैं। इससे चेहरे पर मौजूद दाग- धब्बे दूर होंगे, स्किन की सॉफ्टनेस बढ़ेगी, ग्लो आएगा और तो और बढ़ती उम्र में भी स्किन यंग नजर आएगी। कैसे करना है इसका इस्तेमाल, जान लें यहां।

जवां दिखेगी त्वचा

आपको चाहिए- नारियल पानी और विटामिन ई ऑयल

ऐसे करें इस्तेमाल

रात को सोने से पहले थोड़े से नारियल पानी में विटामिन ई ऑयल की कुछ बूंदें मिलाकर इसे चेहरे पर लगाएं।

हफ्ते में एक बार इसका इस्तेमाल करें।

कुछ ही दिनों में त्वचा चमक उठेगी।

2. एक्सफोलिएट करने के लिए

आपको चाहिए- नारियल पानी और पिसी चिनी

एक बोल में थोड़ा सा नारियल पानी और चुटकीभर चीनी पाउडर मिलाएं।

इसे चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से स्क्रब करें।

फिर पानी से धो लें। इससे डेड स्किन की प्रॉब्लम दूर होती है। अच्छे रिजल्टस के लिए महीने में एक बार इसका इस्तेमाल करें।

3. सोने जैसे निखार के लिए

आपको चाहिए- नारियल पानी और हल्दी पाउडर

ऐसे करें इस्तेमाल

दो टेबलस्पून नारियल पानी में चुटकीभर हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएं।

7 से 10 मिनट बाद नॉर्मल पानी से धो लें। चेहरे पर गजब का निखार नजर आएगा।

मेकअप पर करें खासतौर से फोकस

4. दाग- धब्बे हटाने के लिए

आपको चाहिए- नारियल पानी, खीरे का जूस, एलोवेरा जूस

उमस भरे मौसम में है संगीत फंक्शन, तो खूबसूरत नजर आने के लिए बेस मेकअप पर करें फोकस

संगीत फंक्शन के लिए दुल्हनें अलग से तैयारियां करके रखती हैं। कौन से म्यूजिक पर कौन डांस स्टेप करना है, ये सब डिसाइडेड रहता है। संगीत नाइट में एन्जॉयमेंट के साथ खूबसूरत दिखने का भी प्रेशर होता है और मानसून में जरा सी भी भागदौड़ करने से शरीर और मुंह पसीने से भर जाता है। ऐसे में पूरे फंक्शन में परफेक्ट नजर आना मुश्किल भरा हो सकता है। हालांकि बेस मेकअप पर ध्यान देकर उमस भरे मौसम में भी बिंदास होकर डांस करने के साथ मेकअप को भी खराब होने से बचाया जा सकता है। जान लें कैसे।

मेकअप का सबसे फर्स्ट स्टेप है प्राइमर, इससे स्किन स्मूद हो जाती है और उस पर किया गया मेकअप खूबसूरत लगता है।

प्राइमर मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने का भी काम करता है।

प्राइमर के बाद स्किन टोन से मैच करता हुआ फाउंडेशन अप्लाई करें।

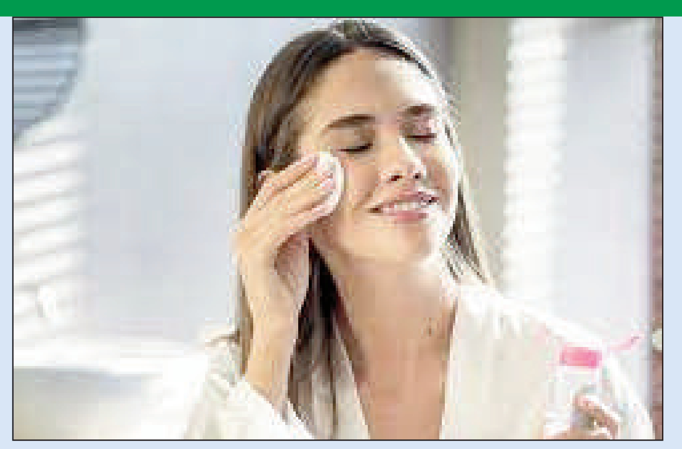

उसके बाद आखिर में कंसीलर का इस्तेमाल करें।

चीक्स का मेकअप

गालों पर पिंक या पीच ब्लश का इस्तेमाल करें।

चीक्स की चमक बढ़ाने के लिए हाइलाइटर यूज करें।

लिप्स का मेकअप

लिप का मेकअप करने के लिए सबसे पहले लिप लाइनर लगाएं। इससे लिप्स अच्छे से हाइलाइट होते हैं।

आउटफिट के हिसाब से लिपस्टिक का शेड चुनें।

अगर आपका आउटफिट लाइट कलर का है, तो हल्की डार्क लिपस्टिक लगा सकती हैं। डार्क शेड आउटफिट पर डार्क लिपस्टिक ओवर लगती है।

आंखों का मेकअप

संगीत फंक्शन ज्यादातर रात को ही होते हैं, तो ऐसे में आई मेकअप के लिए बोल्ड कलर्स चुन सकती हैं।

स्मोकी आई मेकअप भी आंखों की खूबसूरती को बखूबी डिफाइन करेगा।

वाटरप्रूफ आई लाइनर का इस्तेमाल करें।

आई लिड्स को हाइलाइट करने के लिए मस्कारा जरूर इस्तेमाल करें।

ज्वैलरी

मेकअप पूरा होने के बाद ज्वैलरी पहनें।

कुछ ट्रेडिशनल पहन रही हैं, तो झुमके, ब्रेसलेट, हार, मांगटीका पहनकर लुक को कंप्लीट करें।

वेस्टर्न आउटफिट्स के साथ स्टड्स, अच्छी सी वॉच, रिंग और ब्रेसलेट काफी रहेंगे।

मेकअपर के इन टिप्स को फॉलो कर नजर आएं सबसे खूबसूरत।

शीतल देवी से पूछा- लक्ष्य क्या है? तीरंदाज बोलीं- पेरिस में तिरंगा लहराना है

पीएम मोदी ने पैरालंपिक एथलीट्स से कहा विजयी भव:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देश के सभी पैरा एथलीट्स को शुभकामनाएं दीं, पेरिस पैरालंपिक गेम्स में भारत के 84 एथलीट्स हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार 19 अगस्त को पेरिस जाने वाले पैरालंपिक एथलीट्स से बात की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई बातचीत में पीएम ने देश के टॉप एथलीट्स को पैरालंपिक गेम्स के लिए शुभकामनाएं दीं और सभी को विजयी भव कहा। पीएम के साथ स्पोर्ट्स मिनिस्टर मनसुख मंडाविया ने भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। पीएम मोदी ने तीरंदाज शीतल देवी और शूटर अवनी लेखरा से खास बातचीत की।

शीतल से जब उन्होंने पूछा कि उनका लक्ष्य क्या है तो आर्चर ने जवाब दिया, पेरिस में तिरंगा लहराना ही एकमात्र टारगेट है। पेरिस पैरालंपिक्स में भारत ने अपना सबसे बड़ा दल भेजा है। इस बार भारत के 84 एथलीट्स हिस्सा लेंगे। टोक्यो पैरालिंपिक में 54 एथलीट्स ने हिस्सा लिया था, तब देश को 5 गोल्ड समेत 19 मेडल मिले थे। पीएम मोदी ने शीतल देवी से पूछा, शीतल, आप भारतीय दल की सबसे कम उम्र की एथलीट हैं। यह आपका पहला ही पैरालंपिक्स होगा, मन में बहुत कुछ चलता होगा। आप बता सकती हैं, क्या चल रहा है, कुछ स्ट्रेस तो नहीं लग रहा? इस पर शीतल बोलीं, नहीं सर, स्ट्रेस नहीं है। बहुत ही खुशी है कि इतनी छोटी उम्र और इतने कम समय में मैं पैरालंपिक गेम्स खेलूंगी। सभी का बहुत सपोर्ट मिला, जिससे मैं आज यहां तक पहुंच सकी। पीएम ने पूछा, शीतल, पेरिस में आपका अपना क्या लक्ष्य है? और आपने इसके लिए क्या तैयारी की है? इस पर शीतल बोलीं, सर, तैयारी और ट्रेनिंग बहुत अच्छी चल रही है। मेरा लक्ष्य यही है कि अपने देश का तिरंगा मैं पेरिस में लहराऊं और नेशनल एंथम बजवाऊं। पीएम ने कहा, शीतल, मेरी आपको यही सलाह होगी कि आप इतने बड़े इवेंट में दबाव बिल्कुल नहीं लीजिएगा। हार-जीत का दबाव लिए बिना अपना बेस्ट परफॉर्म कीजिएगा। पूरे देश की तरफ से, मेरी तरफ से, सबकी शुभकामनाएं आपके साथ है। माता वैष्णोदेवी कृपा बरसा ही रही हैं, मेरी ओर से बहुत शुभकामनाएं। शूटर अवनी लेखरा से मोदी मोदी ने पूछा, अवनी, पिछले पैरालंपिक्स में आपने एक गोल्ड समेत 2 मेडल जीतकर पूरे देश को गर्व से भर दिया था। इस बार क्या टारगेट सेट किया है। अवनी बोलीं, सर पिछली बार मेरा पहला ही पैरालंपिक था, मैंने 4 इवेंट्स में हिस्सा लिया था, एक्सपीरियंस ले रही थी। इतने समय में खेल और टेक्नीक को लेकर काफी कुछ सीखा है। कोशिश यही रहेगी कि इस बार जिन भी इवेंट्स में पार्टिसिपेट करूं, उनमें अपना बेस्ट दूं। पिछले पैरालिंपिक्स के बाद पूरे इंडिया का जो साथ मिला है, आपका इतना साथ मिला, उससे मोटिवेशन मिलती है कि वहां जाकर अपना बेस्ट देना है।

आपके साथ 140 करोड़ देशवासियों का आशीर्वाद

पीएम ने आखिर में कहा, आप सभी पेरिस में भारत का झंडा लेकर चलेंगे। यह आपके जीवन का बहुत अहम सफर होगा, देश के लिए भी यह सफर बहुत महत्वपूर्ण है। पेरिस में आपके खेल से देश का गौरव जुड़ा है। 140 करोड़ देशवासियों का आशीर्वाद आपके साथ हैं, विजयी भव।

28 अगस्त से शुरू होंगे पैरालंपिक गेम्स

पेरिस में पैरालंपिक गेम्स 28 अगस्त से शुरू होकर 8 सितंबर तक चलेंगे। भारत से इस बार 84 एथलीट्स हिस्सा लेंगे। टोक्यो में भारत ने 54 एथलीट्स भेजे थे, जिन्होंने 5 गोल्ड समेत 19 मेडल जीतकर भारत को 24वीं रैंक तक पहुंचाया था। पैरालंपिक्स में यह भारत की बेस्ट परफॉर्मेंस थी।

एक नजर

दीप्ति के दम से लंदन स्पिरिट को मिला पहला द हंड्रेड खिताब

लंदन, एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने वेल्श फायर के साथ खेले गये रोमांचक फाइनल मुकाबले के आखिरी ओवर में छक्का लगाकर लंदन स्पिरिट को महिला द हंड्रेड 2024 का पहला खिताब दिलाया। महिला द हंड्रेड के फाइनल मुकाबले में स्पिरिट ने टॉस जीतकर फायर को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। जॉनसन की (54) रनों की अर्धशतकीय पारी के दम पर फायर ने आठ विकेट पर 115 का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में आखिरी पांच गेंदों पर स्पिरिट को जीत के लिए पांच रन चाहिए थे। पहली दो गेंदों पर दो रन आए। स्ट्राइक पर आई दीप्ति ने छक्का लगाकर स्पिरिट को पहली ट्रॉफी दिला दी।

पीठ की समस्या के कारण आमिर टेस्ट सीरीज से बाहर

रावलपिंडी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर आमिर जमाल पीठ की चोट के बंगलादेश के साथ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को आमिर जमाल के टेस्ट सीरीज से बाहर होने की पुष्टि करते हुए कहा कि उनका शुरु में टीम में चयन किया गया था और उनकी भागीदारी फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन थी। उनकी पीठ की चोट से पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है इस कारण वह 30 अगस्त से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से भी बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वे पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं और अब लाहौर में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। जमाल इस वर्ष मई से पीठ के निचले हिस्से की समस्या से जूझ रहे हैं।

बांग्लादेश से शिफ्ट हो सकता है विमेंस टी-20 वर्ल्डकप

नई दिल्ली, एजेंसी।

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप बांग्लादेश से शिफ्ट हो सकता है। टूर्नामेंट 3 से 20 अक्टूबर तक होना है। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता की वजह से इंटरनेशनल किकेट काउंसिल इसे शिफ्ट करने का फैसला कर सकता है।

यूएई प्रबल दावेदार, श्रीलंका और जिम्बाब्वे भी रेस में

विमेंस वर्ल्डकप की मेजबानी के विकल्प पर यूएई सबसे आगे है। हालांकि, श्रीलंका और जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने भी बांग्लदेश से टूर्नामेंट शिफ्ट किए जाने पर अपने यहां कराने को लेकर रुचि दिखाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विमेंस टी-20 वर्ल्डकप बांग्लादेश से शिफ्ट किए जाने पर यूएई इसकी मेजबानी का प्रबल दावेदार है। यूएई में दुबई, अबू धाबी और शारजाह में इंटरनेशनल स्टेडियम है। यूएई पहले भी टी-20 वर्ल्डकप का आयोजन कर चुका है। साल 2021 में कोरोना की वजह से भारत में होने वाले मेंस टी-20 वर्ल्डकप यूएई में करवाया गया था। हालांकि इसकी मेजबानी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पास ही थी। भारत विमेंस टी-20 वर्ल्डकप की मेजबानी नहीं करेगा, क्योंकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी का वह ऑफर ठुकरा दिया है। बीसीसीआई के सेक्रेटरी जय शाह ने एक इंटरव्यू में कहा- अगले साल विमेंस वनडे वर्ल्डकप की हम मेजबानी कर रहे हैं। ऐसे में हम यह संकेत नहीं देना चाहते हैं कि हम लगातार अपने ही घर में वर्ल्डकप कराना चाहते हैं।

बांग्लादेश में टी20 वर्ल्डकप मत खेलिए

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने कहा है कि अक्टूबर में बांग्लादेश में महिला टी20 वर्ल्डकप 2024 खेलना शायद सही नहीं होगा क्योंकि इससे देश पर बहुत दबाव पड़ेगा जो अब भी बड़े पैमाने पर हुई हिंसा और विरोध-प्रदर्शनों से उबर रहा है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। देश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया था और भारत भाग गई जबकि नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया है। महिला टी20 वर्ल्डकप तीन से 19 अक्टूबर तक बांग्लादेश में होना है जिसमें गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया सहित 10 टीमें भाग लेंगी। रिपोर्ट के अनुसार एलिसा ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से कहा, मुझे इस समय वहां खेलने के बारे में सोचना मुश्किल लग रहा है, एक इंसान के तौर पर मुझे लगता है कि ऐसा करना गलत होगा।

आस्ट्रेलियाई कप्तान हीली ने की अपील

विनेश फोगाट को मिला सिल्वर मेडलिस्ट जैसा इनाम

पानीपत, एजेंसी।

पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन कर हरियाणा का नाम विश्व स्तर पर चमकाने वाले खिलाड़ियों को सरकार की ओर से खेल नीति के मुताबिक पुरस्कार राशि जारी कर दी गई है। ओलिंपिक में सिल्वर मेडल विजेता को 4 करोड़ रुपए एवं ब्रॉन्ज मेडल विजेता को ढाई करोड़ रुपए दिए गए हैं। इसके अलावा ओलंपिक में पार्टिसिपेट करने वाले सभी खिलाड़ियों को 15-15 लाख रुपए मिले हैं। यह राशि प्राप्त होने की पुष्टि खिलाड़ियों ने की है। सरकार की ओर से इस राशि वितरण को लेकर रोहतक में 17 अगस्त को कार्यक्रम होना था, लेकिन आचार संहिता के चलते रद्द कर दिया गया। विभाग के उप निदेशक राजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि खिलाड़ियों के खातों में राशि भिजवा दी गई है। 8 खिलाड़ी करोड़पति बने हैं बाकी लखपति बने हैं। ओलंपिक में हरियाणा के 25 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। जिसमें से 4 ने व्यक्तिगत तथा 3 खिलाड़ियों ने टीम स्पर्धा हॉकी में मेडल जीतने में कामयाबी हासिल की।

हरियाणा सरकार ने 4 करोड़ दिए, मनु भाकर को डबल रकम

राज की बात भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा काफी भुलक्कड़ हैं, पूर्व बैटिंग कोच विक्रम राठौर ने खोला राज

रोहित शर्मा सब कुछ भूल सकते हैं, लेकिन गेम प्लान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा काफी भुलक्कड़ हैं। वह चीजों को रखकर भूल जाते हैं। वह कई बार टॉस के समय भूल जाते हैं कि पहले गेंदबाजी चुननी है या बल्लेबाजी। हालांकि, हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित किसी भी हालत में गेम प्लान नहीं भूलते हैं। यह राज टीम इंडिया के पूर्व बैटिंग कोच विक्रम राठौर ने खोला है।

राठौर ने 37 वर्षीय रोहित की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी ऑन-फील्ड रणनीति और कैप्टेंसी स्टाइल कमाल का है। राठौर ने तरुवर कोहली के पॉडकास्ट पर कहा, मैंने किसी कप्तान को टीम मीटिंग्स या स्ट्रैटेजी में इतनी दिलचस्पी लेते हुए नहीं देखा। वह भूल सकते हैं कि उन्होंने टॉस के समय बल्लेबाजी या गेंदबाजी का फैसला किया है। वह टीम बस में अपना फोन और आईपैड भूल सकते हैं। लेकिन वह कभी भी अपना गेम प्लान नहीं भूलते हैं। वह इसमें बेहद अच्छे हैं और एक बहुत ही चतुर रणनीतिकार हैं। पूर्व कोच ने कहा कि रोहित रणनीति बनाने में काफी समय बिताते हैं। उन्होंने कहा, वह टीम की रणनीति पर बहुत समय बिताते हैं। वह गेंदबाजों और बल्लेबाजों की मीटिंग में शिरकत करते हैं। वह गेंदबाजों और बल्लेबाजों के साथ बैठकर यह समझने की कोशिश करते हैं कि वे क्या सोच रहे हैं। वह खिलाड़ियों के साथ बहुत समय बिताते हैं। राठौर ने रोहित की तीन क्वालिटी के बारे में बताया जो उन्हें एक असाधारण कप्तान बनाती हैं। उन्होंने कहा, रोहित की पहली खूबी यह है कि बतौर बल्लेबाज वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि वह अपने खेल को अच्छी तरह समझते हैं। उनके पास हमेशा एक स्पष्ट गेम प्लान होता है।

रोहित ने हमेशा उदाहरण पेश किया

पूर्व कोच ने कहा, एक लीडर के तौर पर भी आपको आगे बढ़कर नेतृत्व करना होता है। आपको एग्जांपल सेट करने करने के लिए परफॉर्म करना होगा। और रोहित जब से कप्तान बने हैं, उन्होंने हमेशा उदाहरण पेश करके नेतृत्व किया है। उन्होंने आगे कहा, रोहित खिलाड़ियों के कप्तान हैं। वह खिलाड़ियों के साथ बहुत अधिक जुड़े हुए हैं। बता दें कि राठौर का कार्यकाल टी20 वर्ल्डकप 2024 के साथ खत्म हुआ। रोहित की कप्तानी में भारत ने यह वर्ल्डकप जीतकर आईसीसी ट्रॉफी का 11 साल का सूखा समाप्त किया। रोहित टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं।

शमी का बांग्लादेश सीरीज से कटा पत्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। कड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम इंडिया में कब वापसी होगी? यह सवाल भारतीय क्रिकेट फैंस के मन में पिछले कई हफ्तों से चल रहा है। संभावना जताई गई कि शमी बांग्लादेश टेस्ट सीरीज से इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं, जिसका आगाज 19 सितंबर से होगा। हालांकि, शमी का बांग्लादेश सीरीज से लगभग पत्ता कट गया है। उनकी वापसी को लेकर बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने अब एक अहम अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से भारतीय टीम में लौट सकते हैं। बता दें कि टखने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) के दौर से गुजर रहे हैं।

कौन बनेगा करोड़पति सपनों और आकांक्षाओं की एक साझा यात्रा

रियलिटी क्विज टेलीविजन शो कौन बनेगा करोड़पति का 16वां सीजन जल्द शुरू होने वाला है। दिग्गज बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन इस शो की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कौन बनेगा करोड़पति 16 का प्रीमियर 12 अगस्त को होगा। इसमें प्रतियोगी को पुरस्कार राशि हासिल करने के लिए अपने ज्ञान और बुद्धि की कुशलता को साबित करना होगा। इस बार शो को और रोचक बनाया गया है। इस सीजन में सुपर सवाल नाम से एक नया सेगमेंट शामिल किया जाएगा। यह नया स्पेशल सेगमेंट केबीसी में पांचवें प्रश्न के बाद आएगा। यह प्रतियोगियों को बिना लाइफ-लाइन विकल्प के अपनी पुरस्कार राशि को दोगुना करने की अनुमति देगा, जिससे खेल में एक उच्च जोखिम वाला मोड़ जुड़ जाएगा। शो के बारे में बात करते हुए, बिग बी ने एक बयान में कहा, कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) एक गेम शो से कहीं अधिक है। यह सपनों और आकांक्षाओं की एक साझा यात्रा है, जिसमें लाखों दर्शक हॉट सीट पर बैठे प्रतियोगियों का समर्थन करते हैं। केबीसी की मेजबानी मुझे अपने प्रशंसकों से जोड़े रखती है, जिन्हें मैं अपना परिवार मानता हूं। उन्होंने आगे कहा कि जीवन के सभी क्षेत्रों के प्रतियोगियों से मिलना, जिनमें से प्रत्येक के पास कठिनाइयों से भरी हुई अनूठी कहानियां हैं। वो फिर भी हमेशा मुस्कुराते हैं और बड़े सपने देखते हैं। यह मुझे गहराई से प्रभावित और प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, सीजन 16 आधुनिक भारत की भावना को दर्शाता है, ज्ञान को एक स्तर के रूप में मनाना जारी रखता है। हम दर्शकों को और भी अधिक समृद्ध और रोमांचकारी देखने का अनुभव प्रदान करने की उम्मीद करते हैं। बता दें कि कौन बनेगा करोड़पति भारत के प्रतिष्ठित शो में से एक है। इस शो ने बिग बी को उनकी प्रोडक्शन कंपनी अमिताभ बच्चन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कर्ज में डूबने के बाद स्टारडम वापस पाने में सहायता की।

कर्जदारों को भुगतान करने के लिए बिग बी ने 2000 में केबीसी के साथ टेलीविजन का रुख किया था। भारतीय दर्शकों ने कौन बनेगा करोड़पति में बिग बी को असीम प्यार दिया। बॉलीवुड के सबसे बड़े आइकनों में से एक अभिनेता शाहरुख खान ने अमिताभ बच्चन के होस्ट किए गए दो सफल सीजन के बाद शो के तीसरे सीजन की मेजबानी की थी, लेकिन शाहरुख अपने आकर्षण के बावजूद बिग बी के जादू को दोहरा नहीं सके। बिग बी चौथे सीजन के साथ शो में लौटे और 2010 से इसकी लगातार मेजबानी कर रहे हैं। कौन बनेगा करोड़पति के 16वें सीजन का प्रीमियर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होगा।

तृप्ति के हाथ लगी बायोपिक? अदा कर सकती हैं परवीन बाबी का रोल

फिल्म एनिमल के बाद से तृप्ति डिमरी के सितारे बुलंदी पर हैं। इस फिल्म के बाद उन्हें टैग मिला है भाभी 2। बीते दिनों वह फिल्म बैड न्यूज में नजर आईं। इसके अलावा आने वाले दिनों में अभिनेत्री भूल भुलैया 3 में नजर आएंगी। इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि तृप्ति के हाथ एक बायोपिक लग गई है। बायोपिक भी अपने दौर की दिग्गज अदाकारा की है।

सबसे आगे चल रहा तृप्ति का नाम फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक तृप्ति डिमरी परवीन बाबी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं, उनके नाम पर चर्चा चल रही है। वह लीड रोल करती नजर आ सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि इस किरदार के लिए उन्हें मजबूत दावेदार माना जा रहा है। हालांकि, अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पहले इस किरदार को अदा करने को लेकर उर्वशी रौतेला का नाम सामने आ रहा था। लेकिन, अब तृप्ति के नाम की चर्चा है। इस किताब पर बायोपिक बनने की चर्चा परवीन बाबी की बायोपिक को लेकर भी लंबे वक्त से चर्चा है। लेखिका करिश्मा उपाध्याय द्वारा लिखित उनकी जीवनी, परवीन बाबी- ए लाइफ कई वर्षों से लोगों को मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत करने के लिए प्रेरित कर रही है। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के अनुसार अब इस किताब पर फिल्म बनने की तैयारी है। परवीन बाबी 70 और 80 के दशक की लोकप्रिय अदाकारा रही हैं। उन्होंने दीवार, अमर अकबर एंथनी, मजबूर, त्रिमूर्ति और खट्टा मीठा सहित कई फिल्मों में काम किया है।

इन फिल्मो में नजर आएंगी तृप्ति

अभिनेत्री तृप्ति के करियर की बात करें तो उन्होंने पोस्टर बॉयज से डेब्यू किया था। फिर वे बुलबुल और कला जैसी फिल्मों में दिखीं। हालांकि, एनिमल के बाद उनकी लोकप्रियता में ज्यादा इजाफा हुआ है। अब उन्हें कार्तिक आर्यन की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा जाएगा इसके अलावा राजकुमार राव की विक्की विद्या का वो वाला वीडियो भी तृप्ति की अपकमिंग फिल्म है।

'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित हुए शाहरुख खान

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के नाम एक और उपलब्धि जुड़ चुकी है। 10 अगस्त को अभिनेता को 'लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल' के 77वें संस्करण में 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' तथाकथित 'पार्डो अला कैरियरा' से सम्मानित किया गया है। शाहरुख इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय बन चुके हैं। इस दौरान अभिनेता ने अपने आकर्षण से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

चार्मिंग लुक में नजर आए शाहरुख

फेस्टिवल में शाहरुख खान स्लीक ब्लैक ब्लेजर और मैचिंग ट्राउजर पहने नजर आए। उनका ये चार्मिंग लुक देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। शाहरुख के लुक को उनके लंबे बालों ने और भी शानदार बना दिया। हालांकि, फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण उनका भाषण था। न्यूज पोर्टल मुताबिक, शाहरुख खान ने अपने स्वागत के लिए आभार व्यक्त करते हुए इसकी शुरुआत की। उन्होंने अपना सिग्नेचर पोज करते हुए कहा, 'आप सभी का इतनी बड़ी बाहों से मेरा स्वागत करने के लिए धन्यवाद।' अपने भाषण के दौरान अभिनेता ने फेस्टिवल के स्थान की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'यह लोकार्नो का एक बहुत ही सुंदर, बहुत ही सांस्कृतिक, बहुत ही कलात्मक और बेहद गर्म शहर है।' अभिनेता ने आगे कहा, 'इतने सारे लोग एक छोटे से चौक में ठसाठस भरे हुए हैं और इतनी गर्मी है। यह बिल्कुल भारत में अपने घर जैसा है।'

इब्राहिम अली के साथ रिश्ते में हैं पलक तिवारी? मां श्वेता ने बताया सच

श्वेता तिवारी टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। वहीं, उनकी बेटी पलक तिवारी ने भी मां के नक्शेकदम पर चलने की ठानी है। पलक, सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं। इसी बीच वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी जबर्दस्त सुर्खियां बटोरती हैं। पलक का नाम सैफ अली खान और उनकी एक्स वाइफ अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान से जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई अवसरों पर एक साथ भी देखा जा चुका है। वहीं, अब इन चर्चाओं पर खुद पलक की मां श्वेता तिवारी ने चुप्पी तोड़ी है। अभिनेत्री अपने बयान से प्रशंसकों का खासा ध्यान आकर्षित कर रही हैं। अपनी बेटी के कथित रोमांस की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए श्वेता तिवारी ने हाल ही में कहा, पलक अभी मजबूत हैं, लेकिन कल, कुछ टिप्पणी या लेख उनके आत्मविश्वास को ठेस पहुंचा सकते हैं। श्वेता ने जोड़ा, वह अभी भी बच्ची हैं। कभी-कभी चीजें इतनी क्रूर हो जाती हैं, जैसे उनका हर दूसरे लड़के के साथ अफेयर हो। मुझे भी नहीं पता कि वह ये सब कब तक बर्दाश्त करेंगी। श्वेता ने कहा कि यहां तक कि पलक अपनी डेटिंग की अफवाहों को लेकर भी हैरान हैं। श्वेता ने जोड़ा, वह इसका मजाक उड़ाती हैं, लेकिन कई बार चीजें उन्हें परेशान भी कर सकती हैं। श्वेता ने पलक के पतले शरीर के बारे में नकारात्मकता को भी संबोधित किया और कहा, यह उन्हें परेशान भी नहीं करता है। पलक तिवारी ने 2023 में सलमान खान और पूजा हेगड़े अभिनीत फिल्म किसी का भाई किसी की जान से अपने अभिनय की शुरुआत की। काम के साथ-साथ वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी जबर्दस्त सुर्खियां बटोरती हैं। पलक के प्रशंसक उनके अगले प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कॉमेडी नहीं हिंसक है टॉम एंड जेरी

अक्षय कुमार इंडस्ट्री के सबसे लोकप्रिय एक्शन सितारों में से एक हैं। खिलाड़ी कुमार ने अपने दशकों लंबे करियर के दौरान कई एक्शन फिल्मों में काम किया है। अभिनेता अब अपनी अगली फिल्म खेल खेल में की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। अक्षय इसके प्रमोशन में जुटे हुए हैं। इसी बीच उन्होंने लोकप्रिय कार्टून फ्रेंचाइजी टॉम एंड जेरी को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया है, जिसे जानकर प्रशंसक दंग रह गए हैं। एक हालिया इंटरव्यू में खेल खेल में से अक्षय कुमार के को-स्टार फरदीन खान ने टॉम एंड जेरी को अपना पसंदीदा कॉमेडी कार्टून बताया। हालांकि, इस पर अक्षय ने उन्हें रोकते हुए कहा, नहीं, नहीं। टॉम एंड जेरी कॉमेडी नहीं है। इसमें एक्शन है, हिंसा है। अपनी फिल्मों में एक्शन के लिए कार्टून टॉम एंड जेरी से प्रेरणा लेने की बात को साझा करते हुए अक्षय ने कहा, मैं आपको एक रहस्य बताऊंगा। मैंने कई सारे जो एक्शन सीन किए हैं, उन्हें मैंने टॉम एंड जेरी से लिया है। वह पूरा हेलीकॉप्टर सीन, मैंने टॉम एंड जेरी से लिया है।

अक्षय ने यह भी साझा किया कि उन्होंने नेशनल ज्योग्राफिक से भी प्रेरणा ली है। अभिनेता ने जोड़ा, और एक और बात मैंने एक्शन सीन के लिए नेशनल ज्योग्राफिक से भी काफी प्रेरणा ली है, जहां आपको शानदार एक्शन देखने को मिलता है। टॉम एंड जेरी का एक्शन जिस तरह का है वह अविश्वसनीय है। अक्षय कुमार के प्रशंसक खेल खेल में की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता के अलावा वाणी कपूर, तापसी पन्नू, एमी विर्क, प्रज्ञा जयसवाल और आदित्य सील जैसे सितारे मुख्य भूमिका में हैं। यह मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अश्विन वर्दे, विपुल डी. शाह, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित है। फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

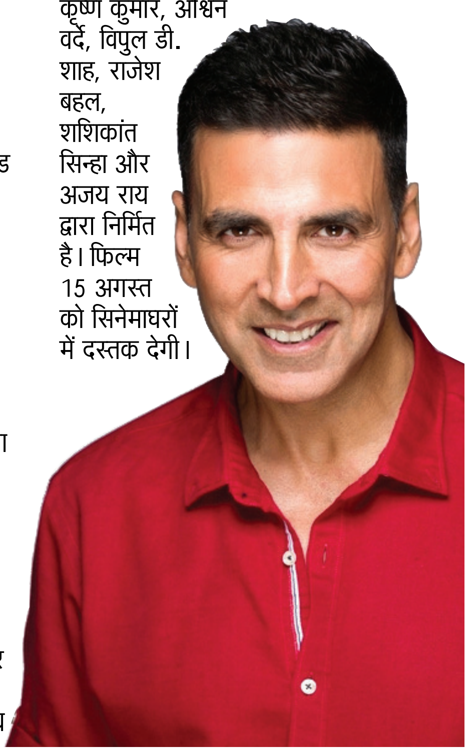

अनीस बज्मी ने शुरू की महिला किरदारों की कास्टिंग, इस महीने शुरू होगी नो एंट्री 2 की शूटिंग

हिट कॉमेडी नो एंट्री के प्रशंसित निर्देशक अनीस बज्मी अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट नो एंट्री 2 की तैयारी कर रहे हैं। भूल भुलैया 3 के सफल समापन के बाद, बज्मी ने इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल के लिए मुख्य अभिनेत्री की तलाश शुरू कर दी है। 2005 में रिलीज हुई मूल फिल्म में सलमान खान, अनिल कपूर, फरदीन खान और ईशा देओल जैसे कलाकारों ने अभिनय किया था, जिसमें लारा दत्ता, सेलिना जेटली और बिपाशा बसु का उल्लेखनीय प्रदर्शन था। जैसे ही बज्मी नो एंट्री 2 के लिए मंच तैयार कर रहे हैं, वह प्रशंसकों को प्रसन्न करने के लिए हास्य और मनोरंजन का एक और दौर देने का वादा करते हैं।

महिला किरदारों की कास्टिंग शुरू

वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर की दोहरी भूमिकाओं वाली फिल्म नो एंट्री 2 का निर्माण दिसंबर 2024 तक शुरू होने वाला है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो अनीस बज़्मी और निर्माता बोनी कपूर अगस्त के मध्य में नो एंट्री 2 के लिए कास्टिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। यह फिल्म मनोरंजन को दोगुना करने का वादा करती है, जिसमें इसके मुख्य कलाकार दोहरी भूमिका निभाएंगे, और इसमें सात महिला किरदारों का एक महत्वपूर्ण समूह भी शामिल होगा।

दिसंबर 2024 में शुरू होगी शूटिंग

रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि अनीस बज्मी नो एंट्री 2 को लेकर बेहद उत्साहित हैं और बेसब्री से शूटिंग शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह फिल्म हाल के वर्षों में उनके द्वारा बनाई गई सबसे मजेदार पटकथाओं में से एक है। बज्मी के अनुसार, नो एंट्री 2 उनके बेहतरीन कामों में से एक है। निर्देशक, दिसंबर 2024 में प्रोडक्शन शुरू होने पर इस फिल्म को फ्लोर पर ले जाने के लिए उत्साहित है।

2025 में रिलीज होगी नो एंट्री 2

अनीस बज्मी एक लेखक और निर्देशक के रूप में नो एंट्री 2 पर काम करेंगे। वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ ने फिल्म की स्क्रिप्ट पर सहमति जता दी है और तीनों फिल्म के लिए उत्साहित भी हैं।

सामंथा रुथ प्रभु की आने वाली फिल्में और वेब सीरीज

इन दिनों सामंथा अपनी आगामी कई फिल्मों और सीरीज को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। सामंथा रुथ प्रभु एक भारतीय अभिनेत्री हैं, जो मुख्य रूप से तेलुगु और तमिल सिनेमा में काम करती हैं। इन दिनों सामंथा अपनी आगामी वेब सीरीज सिटाडेल-हनी बनी के प्रमोशन में व्यस्त हैं। सिटाडेल- हनी बनी एक एक्शन वेब सीरीज है, जो 7 नवंबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। बंगाराम की घोषणा सामंथा के जन्मदिन पर की गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जवान निर्देशक एटली की फिल्म में सामंथा और अल्लू अर्जुन की जोड़ी साथ में देखने को मिलेगी। वेब सीरीज सिटाडेल- हनी बनी और इन फिल्मों के अलावा भी सामंथा की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं।